संसद में बोलने की स्वतंत्रता नियमों के... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी... 11

वर्ष - 01, अंक - 339 | गाजियाबाद / शुक्रवार 13 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अयोध्या आगमन की तैयारियों की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की समीक्षा, बोले 'सुरक्षा, स्वच्छता के लिए सुविधाओं की पूरी करें व्यवस्था'

एजेंसी

अयोध्या,। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम तथा रामनवमी की तैयारियों को लेकर गुरुवार को समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में तैयारियों का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने पीएफसी स्थित सभाकक्ष में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों व पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की और आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रस्तावित आगमन के दृष्टिगत सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं।

राष्ट्रपति द्रौपदी का नवरात्र के पहले दिन अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए 19 मार्च को आना प्रस्तावित है। उस दिन रामनवमी भी है। इन कार्यक्रमों की तैयारी के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या पहुंच की समीक्षा बैठक की।

समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियों के बारे में जानकारी दी, जिसमें एयरपोर्ट पर स्वागत, यात्रा मार्ग पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा अतिथियों के लिए आवश्यक प्रबंध शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता तथा आगंतुकों के लिए सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पूज्य संतों समेत अन्य प्रतिष्ठित अतिथियों के लिए समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रशासन व ट्रस्ट के पदाधिकारी समन्वय के साथ करें तैयारी

मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि प्रशासन व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी समन्वय के साथ सभी तैयारियों को निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को सभी सार्वजनिक स्थानों पर कड़ी निगरानी व ठोस सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने, खुफिया तंत्र व एंटी-ड्रोन कंट्रोल रूम को अलर्ट रखने के निर्देश दिए।

रामनवमी की तैयारियों की भी समीक्षा की

बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनवमी के अवसर पर अयोध्या धाम आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं तथा फुटपाथों को खाली रखा जाए, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की समस्या न हो। मुख्यमंत्री योगी ने भीड़ नियंत्रण के लिए प्रभावी व्यवस्था करने तथा दर्शन-पूजन कार्यक्रम को स्क्रीन के माध्यम से भी प्रसारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रामनवमी प्रमुख पर्व है, इस अवसर पर अयोध्या धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को संदिग्ध एवं देशविरोधी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। मंदिर परिसर में बिना जांच के किसी को भी प्रवेश न दिए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

लता मंगेशकर चौक से हनुमानगढ़ी तक गोल्फ कार्ट संचालित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक में रामनवमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लता मंगेशकर चौक से हनुमानगढ़ी तक गोल्फ कार्ट संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें ज्यादा पैदल न चलना पड़े। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही वीआईपी मूवमेंट को न्यूनतम रखने पर भी जोर दिया, जिससे आम श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिया कि पार्किंग व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जाए। सड़कों के किनारे वाहनों की पार्किंग न होने दी जाए। सेवाभाव से विभिन्न स्थानों पर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था की जाए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने परिक्रमा मार्ग एवं मंदिर म्यूजियम के निर्माण की प्रगति की भी जानकारी ली। इस अवसर पर जन प्रतिनिधियों एवं ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने भी मुख्यमंत्री के समक्ष अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में कृषि मंत्री/जनपद के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, डॉ अमित सिंह चौहान, अभय सिंह, चंद्रभानु पासवान, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, सदस्य गोपाल, ट्रस्ट्री अनिल मिश्रा, एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार, मंडलायुक्त राजेश कुमार, डीआईजी सोमेन बर्मा, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने श्रीरामलला के किए दर्शन

परिसर में निर्माण कार्यों की प्रगति की ली जानकारी

एजेंसी

अयोध्या। गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किये। मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर परिसर में निर्माण कार्यों की प्रगति की की जानकारी भी ली।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अयोध्या पहुंचने पर सबसे पहले संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में संतों से भी मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री यहां सबसे पहले महंत प्रेमदास महाराज से मिले। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अन्य संतों से भी मिलकर उनका हालचाल जाना। यहां से निकल कर मुख्यमंत्री श्रीराम मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीरामलला के दर्शन किए, आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी ने श्रीराम मंदिर परिसर के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी का अयोध्या पहुंचने पर रामकथा पार्क हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान जनपद के प्रभारी मंत्री/कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, चंद्रभानु पासवान, अमित सिंह चौहान, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय आदि मौजूद रहे।

पाकिस्तान: सुई-कराची गैस पाइपलाइन में धमाका

क्वेटा (एजेंसी)। ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच पाकिस्तान की एक प्रमुख गैस पाइपलाइन को नुकसान पहुंचाया गया। बलूचिस्तान के सुई गैस फील्ड से कराची तक फ्यूल ले जाने वाली एक बड़ी गैस पाइपलाइन में तोड़फोड़ की गई। स्थानीय मीडिया ने बताया कि बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स (बीआरजी) ने इसकी जिम्मेदारी ली। बयान में, बीआरजी प्रवक्ता दोस्तैन बलूच ने कहा कि ग्रुप के लड़ाकों ने बुधवार शाम को पाकिस्तान के सिंध प्रांत के काशमोर इलाके के पास 36-इंच डायमीटर वाली गैस पाइपलाइन पर विस्फोटकों का इस्तेमाल किया।

मुंबई मेट्रो, बीएसई, हाईकोर्ट और विधानभवन को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और बॉम्बे हाईकोर्ट समेत मुंबई में कई जगहों पर बम विस्फोट की धमकी से दहशत फैल गई। ईमेल के जरिए अलग-अलग ठिकानों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसके बाद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। मुंबई पुलिस के अनुसार, वीरवार सुबह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज, विधानभवन और हाईकोर्ट को धमकी भरे ईमेल मिले। इसके बाद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए।

अमेरिकी तेल टैंकर पर ईरान का हमला, भारतीय नाविक की मौत

नई दिल्ली/बगदाद (एजेंसी)। इराक के बसरा के पास एक अमेरिकी तेल टैंकर 'सेफसी विष्णु' पर ईरान ने हमला कर दिया। इस हमले में टैंकर पर काम करने वाले एक भारतीय नागरिक की जान चली गई। इराक में भारतीय दूतावास ने जानकारी दी। बगदाद में भारतीय दूतावास ने कहा कि जहाज पर सवार बाकी 15 भारतीय क्रू मैंबर को सुरक्षित निकाल लिया गया और एक सुरक्षित जगह पर ले जाया गया। यह हमला फारस की खाड़ी में हुआ, जहां इराक के समुद्री इलाके में एक और तेल टैंकर पर हमला होने के बाद उसमें भी आग लगने की खबर सामने आई। ईरान ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि पानी के अंदर ड्रोन हमले में जहाजों को निशाना बनाया गया था। ईरानी सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी के मुताबिक, इस ऑपरेशन में पानी के अंदर ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। ईरानी ड्रोन ने 'फारस की खाड़ी में दो तेल टैंकर उड़ा दिए'। जिन जहाजों पर हमला हुआ, वे माल्टीज के झंडे वाला टैंकर जेफिरोस और मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला सेफसी विष्णु थे। सेफसी विष्णु का मालिकाना हक अमेरिकी की कंपनी सेफसी ट्रांसपोर्ट इंक के पास है, जबकि टैंकर जेफिरोस का मालिक ग्रीस में रहता है।

ऑस्ट्रेलिया में बिकेगा 'गंदा फ्यूल'

कैनबरा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने ईंधन की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए एक अहम् फैसला लेते हुए देश में ईंधन गुणवत्ता मानकों में अस्थायी ढील देने की घोषणा की है, यानी लोगों को गंदे ईंधन से काम चलाना होगा। सरकार का कहना है कि इस कदम से बाजार में ईंधन की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों पर नीचे की ओर दबाव बनाने में मदद मिलेगी। ऑस्ट्रेलिया के ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने संसद में बताया कि सरकार 60 दिनों के लिए ईंधन में सल्फर की अधिक मात्रा की अनुमति देगी। आमतौर पर ऑस्ट्रेलिया में ईंधन की गुणवत्ता को लेकर सख्त मानक लागू हैं, जिनमें सल्फर की मात्रा सीमित रखी जाती है ताकि पर्यावरण और वाहनों पर नकारात्मक असर कम हो।

जेकेसीए घोटाला मामला: फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर की एक अदालत ने वीरवार को जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला की पेशी से छूट की याचिका खारिज कर दी और उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। श्रीनगर स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) अदालत ने वीरवार को आरोप तय करने के लिए चल रही सुनवाई के दौरान यह आदेश जारी किया। जेकेसीए घोटाले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही है। सुनवाई के दौरान अब्दुल्ला के वकील ने अदालत को बताया कि वह न तो शारीरिक रूप से और न ही वर्चुअल माध्यम से ही पेश हो सकते हैं। इसके बाद अदालत ने अपने कार्यालय को उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने का निर्देश दिया।

नेताजी की अस्थियां भारत लाने की याचिका पर सुनवाई से इनकार

वारिस खुद आएं, तब सुनेंगे: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने टोक्यो के रेनको-जी मंदिर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की अस्थियों को भारत लाने की मांग वाली याचिका पर फिलहाल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस मामले पर सुनवाई तो की जाएगी, लेकिन नेताजी के वारिस खुद कोर्ट में आकर याचिका दायर करें। सीजेआई ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस देश के सबसे महान नेताओं में से एक थे, लेकिन कोर्ट इन याचिकाओं के पीछे के मकसद और उनके समय को अच्छी तरह समझता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वारिस के कोर्ट आने पर इस तरह का फैसला नहीं लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वारिस को याचिका दायर करने दीजिए, हम उस पर सुनवाई करेंगे। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील ए.एम. सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि नेताजी का केवल एक ही जीवित वारिस है, उनकी बेटी अनीता बोस फाफ। फिलहाल याचिका को सुप्रीम कोर्ट से वापस ले लिया गया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि केन्द्र सरकार टोक्यो के रेनको-जी मंदिर से नेताजी की अस्थियां वापस लाने में नाकाम रही है, जिसके कारण उनकी बेटी अनीता बोस भारत में उनका सम्मानजनक अंतिम संस्कार नहीं कर पा रही हैं। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हस्तक्षेप कर सरकार को निर्देश दे कि अस्थियों को भारत लाया जाए।

रेनको-जी मंदिर में रखी अस्थियां 18 सितंबर 1945 से सुरक्षित हैं, जो नेताजी की मृत्यु के बाद वहां रखी गई थीं। नेताजी की मौत 18 अगस्त 1945 को ताइवान में एक विमान दुर्घटना में होने की आधिकारिक रिपोर्ट है, लेकिन इस पर लंबे समय से विवाद चल रहा है। मुखर्जी आयोग समेत कई जांचों में अलग-अलग निष्कर्ष आए हैं और अस्थियों की डीएनए जांच की मांग भी समय-समय पर उठती रही है। नेताजी के परिवार के कुछ सदस्यों ने पहले भी अस्थियों को भारत लाने और उनका अंतिम संस्कार करने की अपील की है।

'पीवाईपीएल' अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी मामले में 15 जगहों पर सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पंजाब में 15 स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई बड़े पैमाने पर संगठित ऑनलाइन निवेश और पार्ट-टाइम नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी से संबंधित एक मामले में की गई, जिसमें मुख्य रूप से दुबई स्थित फिनटेक प्लेटफॉर्म 'पाइपल' के जरिए विदेशी निकासी और ठगी की गई। सीबीआई ने गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर मामला दर्ज किया था। आरोप है कि एक संगठित अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी गिरोह द्वारा संचालित भ्रामक ऑनलाइन योजनाओं के माध्यम से हजारों भोले-भाले भारतीय नागरिकों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई। सीबीआई की जांच में पता चला कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, मोबाइल एप्लिकेशन और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सेवाओं का इस्तेमाल करके गिरोह ऑनलाइन निवेश पर मोटा मुनाफा और पार्ट टाइम नौकरी का लालच दिया। पीड़ितों को पहले छोटी रकम जमा करने के लिए प्रेरित किया गया और उनका विश्वास जीतने के लिए उन्हें काल्पनिक लाभ दिखाए गए। इसके बाद बड़ी रकम निवेश करने के लिए राजी किया गया। बड़ी रकम निवेश करते ही जालसाज संपर्क तोड़ लेते थे। धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि को कई फर्जी बैंक खातों के माध्यम से तुरंत स्थानांतरित कर दिया गया ताकि धन के लेन-देन का पता न चल सके। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए सक्षम डेबिट कार्डों का उपयोग करके विदेशी एटीएम से निकासी और वीजा और मास्टरकार्ड भुगतान नेटवर्क का उपयोग करके विदेशी फिनटेक प्लेटफॉर्म, मुख्य रूप से 'पीवाईपीएल' पर वॉलेट टॉप-अप के माध्यम से धनराशि को देश से बाहर निकाल दिया गया। ये लेनदेन बैंकिंग प्रणालियों में प्वाइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) लेनदेन के रूप में दिखाई दिए।

यूएस निवेश पर स्पेशल बिल दक्षिण कोरियाई संसद में सर्वसम्मति से पास

सोल (एजेंसी)। कोरिया की नेशनल असेंबली (राष्ट्रीय संसद) के पूर्ण सत्र (प्लेनरी सेशन) में 'दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच सामरिक निवेश प्रबंधन के लिए विशेष कानून' (स्पेशल एक्ट ऑन इंवेस्टमेंट इन द यूएस) को बहुमत से पास कर दिया गया। इसे सत्ताधारी दल ने लगभग तीन महीने पहले पेश किया था।

इस बिल को सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपी) और मुख्य विपक्षी दल पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) दोनों का समर्थन था। यह बिल पिछले साल नवंबर में सोल और वाशिंगटन के बीच हुए व्यापार और सुरक्षा समझौते (एमओयू) का अनुसरण करने के लिए लाया गया था। योनहाप एजेंसी ने बताया कि बिल पास होने के कुछ ही समय बाद, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा कि वह बिना देर किए कानून को लागू करने के लिए आगे के कदम उठाएंगे। इसके तहत दक्षिण कोरिया 350 अरब डॉलर (लगभग 5.17 लाख करोड़ वॉन या 517 ट्रिलियन वॉन) का निवेश अमेरिका में करेगा, जिसमें सेमीकंडक्टर, शिपबिल्डिंग, क्रिटिकल मिनरल्स और अन्य सामरिक क्षेत्र शामिल हैं। इसके लिए कोरिया-यूएस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन नाम की नई सरकारी कंपनी बनाई जाएगी, जिसके लिए सरकार 2 ट्रिलियन वॉन (लगभग 1.4 अरब डॉलर) का कैपिटल देगी। एक रिस्क मैनेजमेंट कमिटी भी बनेगी, जो निवेश प्रोजेक्ट्स की निगरानी करेगी और संसद को निवेश के बड़े फैसलों की जानकारी देनी होगी। कॉर्पोरेशन में कुल 50 कर्मचारी होंगे और निदेशक मंडल के तीन सदस्यों के पास वित्तीय क्षेत्र या सामरिक इंडस्ट्रीज में कम से कम 10 साल का अनुभव होना जरूरी होगा ताकि क्रोनी नियुक्तियों को रोका जा सके। ट्रंप प्रशासन ने दक्षिण कोरिया पर रिसिप्रोकल टैरिफ (पारस्परिक शुल्क) लगाने की धमकी दी थी।

खाड़ी संकट का असर: गेल ने येलाहांका पावर प्लांट को गैस सप्लाई रोकी

अब बेंगलुरू में बिजली संकट की आहट तेज

- कर्नाटक में रोजाना है 35 .5 करोड़ यूनिट बिजली की मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। सरकारी महारत्न कंपनी गेल यानी गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (जीएआईएल) ने वीरवार सुबह 6 बजे से बेंगलुरु के येलाहांका गैस आधारित पावर प्लांट को प्राकृतिक गैस की सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी। ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। कर्नाटक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) द्वारा स्थापित 370 मेगावाट क्षमता वाला येलाहांका पावर प्लांट राज्य का एकमात्र गैस आधारित बिजली उत्पादन संयंत्र है। अधिकारियों ने बताया कि गैस सप्लाई रुकने से इसके बिजली उत्पादन पर असर पड़ सकता है।

यह पावर प्लांट मुख्य रूप से बेंगलुरु शहर को बिजली आपूर्ति के लिए बनाया गया था, और यह पिछले साल दिसंबर से लगातार काम कर रहा है। लेकिन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण पैदा हुई प्राकृतिक गैस की कमी से अब यहां बिजली उत्पादन प्रभावित हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि इजराइल-ईरान संघर्ष के कारण देश भर में गैस की कमी हो गई है, जिसके चलते केन्द्र सरकार ने गैस आपूर्ति के लिए विभिन्न क्षेत्रों की प्राथमिकता तय की है। इससे कर्नाटक में बिजली उत्पादन पर असर पड़ सकता है। पश्चिम एशिया संकट के कारण देश भर में एलपीजी और प्राकृतिक गैस की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसके बाद केन्द्र सरकार ने मंगलवार को एक गजट नोटिफिकेशन जारी कर प्राकृतिक गैस के आवंटन में प्राथमिकता तय की है। इस सूची में घरेलू खपत को सबसे ऊपर रखा गया है, जबकि परिवहन और उर्वरक (फर्टिलाइजर) क्षेत्र को अगली प्राथमिकता दी गई है। वहीं, बिजली उत्पादन क्षेत्र को सबसे निचली प्राथमिकता में रखा गया है।

वर्तमान में कर्नाटक में प्रतिदिन करीब 35.5 करोड़ यूनिट बिजली की मांग है, जिसे थर्मल और हाइड्रो पावर प्लांट, सौर और पवन ऊर्जा तथा केंद्रीय ग्रिड से मिलने वाली बिजली के जरिए पूरा किया जा रहा है। इसके अलावा राज्य पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के साथ पावर एक्सचेंज व्यवस्था के जरिए भी कुछ बिजली हासिल कर रहा है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि अगर येलाहांका पावर प्लांट को गैस सप्लाई और कम हुई, तो बिजली आपूर्ति में हल्की बाधा आ सकती है।

दिल्ली में दो बंगलादेशी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने देश में कथित तौर पर गैर-कानूनी तरीके से रह रहे बंगलादेश के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने गुरुवार को बताया कि आरोपियों को जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के पास से पकड़ा गया। इनकी पहचान दीपू कुमार पाल और रमा बेगम के रूप में हुई है। वे बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे। पुलिस ने उनके पास से दो स्मार्टफोन और छह बांग्लादेशी पहचान पत्र बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपी पहले भी गैर-कानूनी तरीके से भारत में आए थे और उन्हें पहले उत्तराखंड से वापस भेजा गया गया था। हालांकि, वे देश में फिर से घुसने में कामयाब रहे और फिर से गैर-कानूनी कामों में शामिल हो गए। पुलिस ने बताया कि दोनों कथित तौर पर अवैध गतिविधियों का हिस्सा थे और लोगों को भारत में गैर-कानूनी तरीके से रहने में मदद कर रहे थे। दोनों के खिलाफ विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के नियमों के तहत कार्रवाई की जा रही है, और उन्हें जल्द ही वापस भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान यह भी पता चला कि एक स्मार्टफोन में प्रतिबंधित आईएमओ एप्लीकेशन लगा हुआ था, जिसका इस्तेमाल आरोपी कथित तौर पर अपने गैर-कानूनी कामों के लिए करते थे।

राष्ट्रीय राजधानी में एलपीजी गैस की अनुपलब्धता का असर रेस्टोरेंट एवं ढाबों पर भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में एलपीजी गैस की अनुपलब्धता का असर खाद्य पदार्थों की आपूर्ति करने वाले रेस्टोरेंट एवं ढाबों पर भी पड़ने लगा है। नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में एक प्रसिद्ध रेस्टोरेंट ने एक नोटिस लगाकर ग्राहकों को बताया है कि गैस सिलेंडर उपलब्ध न होने की वजह से मेन्यू में विकल्प सीमित हैं। कनॉट प्लेस की एक जानी-मानी खाद्य सामग्री की दुकान ढाबों और काउंटर पर लगे एक पोस्टर पर लिखा है कि 'सिर्फ राजमा चावल और कढ़ी चावल ही परोसे जाएंगे क्योंकि अभी गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं। दुकान के संचालक सौरभ मेहता ने कहा कि आउटलेट के पास कुकिंग गैस का सीमित स्टॉक बचा है, जो दो से चार दिन तक चल सकता है। मेहता ने कहा, 'हमारे पास बहुत कम स्टॉक बचा है। अगर हम और गैस सिलेंडर की व्यवस्था कर पाते हैं, तो दुकान चलती रहेगी। नहीं तो, हमें अस्थाई तौर पर बंद करना पड़ सकता है।' दुकान पर लगे नोटिस ने इस व्यस्त वाणिज्यिक इलाके के नियमित ग्राहकों और ऑफिस जाने वालों का ध्यान खींचा है, जहाँ कई लोग रोज़ाना के खाने के लिए छोटी खाने की दुकानों पर निर्भर हैं। जब पूछा गया कि क्या इस स्थिति से खाने की चीज़ों की कीमतें बढ़ सकती हैं, तो मेहता ने कहा कि वह कीमत नहीं बढ़ाना चाहेंगे। उन्होंने कहा, 'हम कीमतें नहीं बढ़ाना चाहते क्योंकि इसका सीधा असर आम आदमी पर पड़ता है। बहुत से लोग यहाँ रोज़ाना खाना खाने आते हैं, और हम आस-पास के ऑफिसों को भी खाना आपूर्ति करते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि अगर स्थिति और खराब होती है, तो गैस सिलेंडर सिर्फ़ ब्लैक मार्केट में ही मिल सकते हैं, जिससे छोटे बिज़नेस के लिए और मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपील करते हुए सरकार से वाणिज्य गैस उपभोक्ताओं को नज़रअंदाज़ न करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'घरेलू सप्लाई ज़रूरी है, लेकिन कमर्शियल गैस सिलेंडर पर भी ध्यान देना चाहिए क्योंकि कई लोगों की रोज़ी-रोटी और स्थानीय अर्थव्यवस्था का एक हिस्सा इस पर निर्भर करता है।' इस बीच, दिल्ली सरकार ने कहा है कि राजधानी में ईंधन आपूर्ति की कुल स्थिति सामान्य बनी हुई है। दिल्ली सरकार ने बुधवार को साफ़ किया कि देश की राजधानी में एलपीजी, पेट्रोल, डीज़ल और पीएनजी की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और किसी भी ईंधन की कोई कमी नहीं है। सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे गैस सप्लाई को लेकर फैल रही अफ़वाहों पर ध्यान न दें और बेवजह घबराएं या जमाखोरी न करें। दिल्ली के मुख्य सचिव ने खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग, दिल्ली पुलिस, राजस्व विभाग, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड और अलग-अलग तेल मार्केटिंग कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक ज़रूरी समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उन अफ़वाहों पर बात हुई जिनसे पता चलता है कि पश्चिम एशिया में युद्ध जैसे हालात की वजह से एलपीजी आपूर्ति में रुकावट आ सकती है और इसे देखते हुए हालात की विस्तृत समीक्षा की गयी। सरकार ने अधिकारियों को गैस चोरी या कालाबाजारी के किसी भी मामले में सख़्त कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। दिल्ली पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों को इस बारे में खास तौर पर सतर्क रहने के निर्देश दिये गये हैं।

24 वर्षों से हर नए कॉरिडोर की पहली मेट्रो यात्रा करने वाले अनिल मारवाह सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य के राज्य मंत्री तोखन साहू ने बुधवार को अनिल मारवाह को विशेष रूप से सम्मानित किया। मारवाह पिछले 24 वर्षों से दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के हर नए शुरू होने वाले मेट्रो कॉरिडोर के उद्घाटन के दिन पहली ट्रेन में सफर करने की अपनी परंपरा को निभाते आ रहे हैं। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार भी मौजूद रहे। राज्य मंत्री टोखन साहू ने मारवाह को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी कहानियां यह दर्शाती हैं कि लोगों का दिल्ली मेट्रो से कितना गहरा जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि मेट्रो आज आधुनिक शहरी परिवहन का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में आधुनिक मेट्रो परियोजनाओं की नींव पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान रखी गई थी, जिसके बाद देश के कई शहरों में मेट्रो नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ। वहीं डीएमआरसी से मिली जानकारी के अनुसार अनिल मारवाह ने वर्ष 2002 में दिल्ली मेट्रो की पहली यात्रा से इस अनोखी परंपरा की शुरुआत की थी। तब से लेकर अब तक वह हर नए कॉरिडोर के उद्घाटन के दिन पहली ट्रेन में यात्रा करते रहे हैं। वहीं इस मौके पर मारवाह ने कहा कि दिल्ली मेट्रो ने देश में शहरी परिवहन व्यवस्था को नई दिशा दी है। इससे शहर के अलग-अलग हिस्सों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर हुई है और सड़क यातायात पर निर्भरता भी कम हुई है। उन्होंने कहा कि मेट्रो की समयबद्धता, विश्वसनीयता और सुविधाजनक सेवा के कारण लाखों यात्रियों की यात्रा आसान और तनावमुक्त हुई है।

शादी से इंकार पर युवती के घर पहुंच परिवार पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर्ष विहार इलाके में शादी से इंकार करने पर नाराज युवक ने अपने परिजनों के साथ युवती के घर पहुंचकर हमला कर दिया। आरोप है कि युवक और उसके साथियों ने युवती के पिता की पिटाई की और बीच-बचाव करने आई मां व युवती पर भी हमला कर दिया। युवती के सिर पर पत्थर से वार किया गया। इसके बाद आरोपी किसी और से शादी करने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय पीड़िता मंडोली एक्सटेंशन में परिवार के साथ रहती है। कुछ समय पहले उसकी देव से पहचान हुई थी, जो बाद में प्रेम संबंध में बदल गई। देव उससे शादी करना चाहता था, लेकिन उसके व्यवहार और आदतों को देखते हुए युवती ने शादी से इंकार कर दिया। आरोप है कि पांच मार्च की देर रात देव अपनी मां ममता, बहन मानसी, जीजा आदित्य और अन्य लोगों के साथ युवती के घर पहुंच गया। वहां गाली-गलौज के बाद आरोपियों ने युवती के पिता की पिटाई शुरू कर दी। मां के बीच-बचाव करने पर उन्हें भी घायल कर दिया गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़िता के बयान पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं और पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर उनकी तलाश कर रही है।

दो दिन बाद दिल्ली में बारिश के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में असामान्य गर्मी का दौर जारी है और तापमान लगातार 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार को इसमें राहत मिल सकती है। साथ ही रविवार को कुछ इलाकों में हल्की बारिश की भी संभावना है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार 14 से 16 मार्च के बीच पश्चिमी विक्षोभ के असर से दिल्ली-एनसीआर में आंशिक बादल, हल्की बारिश हो सकती है। इसके चलते तापमान में थोड़ी गिरावट आने की संभावना है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार को अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल अगले दो दिनों तक हल्की गर्मी बनी रह सकती है, लेकिन 15 मार्च को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने पर मौसम का मिजाज बदल सकता है। इस बीच 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच अधिकतम तापमान दर्ज किया जा सकता है। भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार को सफदरजंग वेधशाला में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.9 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 3.1 डिग्री अधिक है। अन्य मौसम केंद्रों की बात करें तो पालम में अधिकतम तापमान 35.1 डिग्री, लोधी रोड में 36.1 डिग्री, रिज क्षेत्र में 36.6 डिग्री और आया नगर में 35.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इन सभी स्थानों पर तापमान सामान्य से 5 से 7 डिग्री तक अधिक रहा, जिससे राजधानी में गर्मी महसूस की गई।

दिल्ली में सिलेंडर की लाइन में लगी भीड़, आ रहीं कई समस्याएं; सरकार कह रही- गैस की कोई कमी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। खाड़ी देशों में चल रही जंग की आंच भारत की रसोई तक पहुंच गई है। राजधानी दिल्ली में गैस सिलेंडर लेने के लिए आम आदमी लाइनों में खड़ा है। उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन इसके उलट दिल्ली सरकार लगातार कह रही है कि राजधानी में एलपीजी, पीएनजी, डीजल और पेट्रोल की आपूर्ती सामान्य है।

गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने और बुकिंग प्रक्रिया में बदलाव के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पहले जहां पंजीकृत मोबाइल नंबर से कॉल करते ही आसानी से सिलेंडर बुक हो जाता था, वहीं अब कई बार कॉल करने पर नंबर अमान्य बताया जा रहा है।

ऐप से भी बुक नहीं हो रहा सिलेंडर

छतरपुर निवासी एके शर्मा ने बताया कि वो पिछले दो दिन से गैस सिलेंडर बुक करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन अभी तक सफलता हाथ नहीं लग सकी है। उन्होंने बताया कि पहले उन्होंने एजेंसी के बुकिंग नंबर पर कई बार कॉल की। हर बार सिर्फ कॉल कट गई, पहले की तरह बुकिंग हो जाने संबंधी मैसेज नहीं आया। इसके बाद उन्होंने गैस प्रदाता कंपनी की मोबाइल ऐप के माध्यम से भी सिलेंडर बुक करने का प्रयास किया, लेकिन तकनीकी दिक्कत बताकर बुकिंग नहीं हुई।

बुकिंग बढ़ी, आपूर्ती घटी- डीलर भी परेशान

कई उपभोक्ताओं को लंबी प्रक्रिया से गुजरते हुए अलग-अलग विकल्प चुनने के लिए कहा जा रहा है, जिससे बुकिंग में समय लग रहा है और लोगों की चिंता बढ़ गई है। शाहदरा के एक एलपीजी गैस डीलर ने बताया कि होली से पहले आमतौर पर रोजाना 400 से 500 सिलेंडर की बुकिंग होती थी और रोज इतने ही सिलेंडर सप्लाई किए जाते थे, लेकिन अब प्रतिदिन होने वाली बुकिंग करीब 800 तक पहुंच गई है। इसकी तुलना में आपूर्ति 20 फीसदी कम हो गई है।

बंद होने की कगार पर पहुंचा ढाबा

कनॉट प्लेस स्थित सिंधिया हाउस के पास एक तंग गली में स्थित ढाबा अब बंद होने की कगार पर है। यह ढाबा ऑफिस कर्मचारियों, टैक्सी ड्राइवरों और दूसरे रोजगार से जुड़े लोगों के लिए सस्ता और स्वादिष्ट भोजन का प्रमुख ठिकाना है, लेकिन कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई रुकने से मालिक की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

बुकिंग के 4-5 दिन बाद भी नहीं मिल रहा सिलेंडर

स्थानीय निवासी अमित तेवतिया ने बताया कि उनके छोटे भाई संजय की एक हफ्ते बाद शादी है। एक माह पहले ही अपने जानकारों और पड़ोसियों को सिलेंडर देने के लिए कह दिया था।

लेकिन जब सिलेंडर देने का समय आया तो यह संकट आ गया। सिलेंडर बुकिंग होने के बाद भी चार पांच दिन सिलेंडर मिलने में लगने से थोड़ी परेशानी बढ़ गई है।

सरकार बोली- गैस की कोई कमी नहीं है

दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय राजधानी में एलपीजी., पेट्रोल, डीजल और पीएनजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। सरकार ने लोगों से अपील की है कि गैस आपूर्ति को लेकर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक घबराहट या भंडारण से बचें।

उत्तम नगर के मटियाला इलाके में आग का तांडव, 400 झुग्गियां जलकर राख

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तम नगर के मटियाला इलाके में बुधवार देर रात एक भीषण आग लगने की घटना सामने आई, जिसने देखते ही देखते इलाके की करीब 400 झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, बुधवार रात करीब 11 बजे मटियाला की मच्छी मार्किट के पास बनी झुग्गियों में अचानक आग लग गई और कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। आग इतनी तेज थी कि उसकी लपटें और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई दे रहा था और आसमान लाल नजर आने लगा। आसपास रहने वाले लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पहले कुछ झुग्गियों से धुआं उठता दिखाई दिया, लेकिन थोड़ी ही देर में आग तेजी से फैलने लगी। झुग्गियां एक-दूसरे के काफी करीब होने के कारण आग ने तेजी से कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। लोगों ने अपनी जान बचाने के लिए तुरंत झुग्गियों से बाहर निकलना शुरू कर दिया। कई लोग अपने जरूरी सामान भी नहीं निकाल पाए और देखते ही देखते सब जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना रात 11 बजकर 54 मिनट पर फायर कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचनी शुरू हो गईं। आग की भयावहता को देखते हुए करीब 25 दमकल गाड़ियों को मौके पर लगाया गया। दमकल कर्मियों ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार तड़के करीब 3 बजकर 25 मिनट पर आग पर काबू पा लिया।

बताया जा रहा है कि इस भीषण आग में करीब 400 झुग्गियां जलकर पूरी तरह खाक हो गईं। आग इतनी भयानक थी कि कई परिवारों का सारा सामान जल गया और वे बेघर हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी जनहानि की खबर नहीं आई है।

अगवरी में लापरवाही का नमूना : गली के बीचों-बीच खंभा, राहगीर और वाहन चालक परेशान

समाचारों का आईना / भरतसिंह राजपुरोहित

आहोर। उपखंड क्षेत्र के अगवरी गांव में आंगनवाड़ी संख्या 1 के सामने गली के बीचों-बीच लगा बिजली का खंभा स्थानीय ग्रामीणों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। खंभा ठीक मार्ग के बीच स्थित होने के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहनों के आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार यह गली गांव की प्रमुख गलियों में से एक है, जहां दिनभर लोगों और वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। बीच रास्ते में खंभा होने के कारण वाहन चालकों को कई बार अचानक वाहन मोड़ना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। विशेषकर रात के समय और बरसात के दौरान यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभाग को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते खंभे को रास्ते से हटाकर किनारे नहीं किया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग व प्रशासन से मांग की है कि आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गली के बीच लगे इस बिजली के खंभे को जल्द से जल्द उचित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि राहगीरों और वाहन चालकों को राहत मिल सके।

आईजीडीटीयूडब्ल्यू में 1100 से ज्यादा छात्राओं को मिली डिग्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) के 8वें दीक्षांत समारोह में 1100 से अधिक छात्राओं को स्नातक, परास्नातक और पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल पढ़ाई का अंत नहीं, बल्कि जीवन की नई शुरुआत है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे जिज्ञासा, नवाचार और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ें और अपने ज्ञान व तकनीक का उपयोग समाज और देशहित में करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन छात्राओं के जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का प्रतीक है, जहां वर्षों की मेहनत, समर्पण और सपनों की

सफलता का उत्सव मनाया जा रहा है। आज यहां से 1,181 छात्राएं केवल डिग्री प्राप्त करने वाली विद्यार्थी नहीं हैं, बल्कि वे आने वाले कल की भाग्यविधाता हैं, जो अपने ज्ञान, कौशल और नेतृत्व क्षमता के माध्यम से समाज और देश के भविष्य को दिशा देंगी। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि यह अवसर केवल डिग्री प्राप्त करने का नहीं, बल्कि दुनिया को यह संदेश देने का है कि आज की युवा महिलाएं भविष्य की निर्माता, नवप्रवर्तक और नेतृत्वकर्ता हैं। आज देश की राजधानी दिल्ली का नेतृत्व महिला कर रही हैं, जो महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. रंजना झा ने विश्वविद्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि इस दीक्षांत में कुल 1,181 डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 938 स्नातक, 212 स्नातकोत्तर और 31 पीएचडी डिग्रियां शामिल हैं। इसमें उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों और नेतृत्व क्षमता को सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय ने दो चांसलर मेडल, 15 वाइस चांसलर मेडल और 26 उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार भी प्रदान किए।

गर्मी में पानी की न हो दिक्कत, एनडीएमसी ने बनाया एक्शन प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन (एनडीएमसी) ने गर्मियों के मौसम में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 'समर एक्शन प्लान-2026' तैयार किया है। परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि इस योजना के तहत जल संकट वाले क्षेत्रों की पहचान कर विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं ताकि गर्मी के दिनों में किसी क्षेत्र में पानी की कमी न हो। उन्होंने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित इलाकों में पानी पहुंचाने के लिए परिषद 12 नए माउंटेड जल टैंकर खरीदेगी। साथ ही आपात स्थिति से निपटने के लिए पानी की ट्रॉलियों में पंप की व्यवस्था की गई है, जिनसे प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत जल आपूर्ति की जा सकेगी। चहल ने कहा कि एनडीएमसी क्षेत्र में पानी की आपूर्ति मुख्य रूप से दिल्ली जल बोर्ड से होती है, जो चंद्रावल, वजीराबाद, हैदरपुर और सोनिया विहार जल शोधन संयंत्रों से प्राप्त होता है। वर्तमान में परिषद क्षेत्र में लगभग 127 एमएलडी पानी उपलब्ध है, जिसमें करीब 125 एमएलडी दिल्ली जल बोर्ड से और लगभग 2 एमएलडी ट्यूबवेल से प्राप्त होता है। इस जल को 24 भूमिगत जलाशयों और बूस्टिंग स्टेशनों के माध्यम से पूरे क्षेत्र में वितरित किया जाता है। जल प्रबंधन को और बेहतर बनाने के लिए आरके आश्रम क्षेत्र में आधुनिक जल नियंत्रण कक्ष बनाया जा रहा है, जिसकी भंडारण क्षमता लगभग 10 लाख लीटर होगी। इसके अगले सात से नौ महीनों में पूरा होने की संभावना है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए परिषद जल एटीएम योजना का भी विस्तार कर रही है। अभी क्षेत्र में 37 जल एटीएम संचालित हैं, जिनमें 17 भुगतान आधारित हैं और शेष स्थानों पर मुफ्त पानी उपलब्ध कराया जाता है। झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में लगभग 50 नए मुफ्त जल एटीएम स्थापित किए जाएंगे। परिषद ने भूजल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन को भी बढ़ावा दिया है। इसके तहत 95 वर्षा जल संचयन गड्ढे बनाए जाएंगे। इसके अलावा उद्यानों और सिंचाई के लिए शोधित जल के उपयोग को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए बनाया नियंत्रण कक्षजल आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कालीबाड़ी मार्ग स्थित नियंत्रण कक्ष 24 घंटे कार्यरत है। नागरिक 24म7 टोल फ्री हेल्पलाइन 1533, कंट्रोल रूम नंबर 011-23743642 और 011-23360683, व्हाट्सएप नंबर 8588887773 तथा एनडीएमसी 311 मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

आप सांसद संजय सिंह का आरोप, भाजपा विधायक से जुड़े लोगों ने पार्षद पर किया हमला; प्राथमिकी दर्ज करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने पश्चिमी दिल्ली में पार्टी के एक पार्षद और कार्यकर्ता पर हमला किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक से जुड़े कुछ लोगों ने पार्षद और कार्यकर्ता के साथ मारपीट तथा अभद्र व्यवहार किया। संजय सिंह ने पुलिस से इस मामले में तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गुरुवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में संजय सिंह ने बताया कि यह घटना बुधवार को उस समय हुई जब आम आदमी पार्टी की पार्षद ज्योति गौतम अपने सहयोगी और पार्टी कार्यकर्ता संजय भैरव के साथ राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंची थीं।

संजय सिंह ने आरोप लगाया कि इसी दौरान भाजपा विधायक उमंग बजाज से जुड़े कुछ लोग वहां पहुंचे और अचानक कार्यकर्ता पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने पार्षद के साथ भी बदसलूकी की और उन्हें धमकाने की कोशिश की।

सिंह के अनुसार हमले में कार्यकर्ता को चोटें आईं। घटना के बाद पार्षद ज्योति गौतम पुलिस थाने पहुंचीं

और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराते हुए प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में चिकित्सीय जांच भी कराई गई है और चोटों का दस्तावेजीकरण किया जा चुका है।

संजय सिंह ने पुलिस प्रशासन से अपील की कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत प्राथमिकी दर्ज की जाए और घटना में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। हालांकि भाजपा की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। पुलिस की ओर से भी अभी तक मामले में आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

दिल्ली दंगों के आरोपी शाहरुख पठान की 11वीं जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में आरोपी शाहरुख पठान को अदालत से राहत नहीं मिली है। कड़कड़डूमा अदालत ने गुरुवार को उसकी 11वीं जमानत याचिका खारिज कर दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुनाया।

संसद में बोलने की स्वतंत्रता नियमों के अधीन, अव्यवस्था से संसद की गरिमा को ठेस: लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली (शिखर समाचार) लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि संसद में बोलने की स्वतंत्रता अवश्य है, लेकिन यह स्वतंत्रता संविधान और सदन के नियमों के अधीन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी माननीय सदस्य को नियमों से परे जाकर बोलने का विशेषाधिकार प्राप्त नहीं है।

अध्यक्ष ने यह बात उस समय कही जब अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा समाप्त होने के एक दिन बाद उन्होंने सदन को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि पिछले दो दिनों में सदन में 12 घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई, जिसमें विभिन्न दलों के सदस्यों ने अपने विचार और तर्क रखे। उन्होंने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र की विशेषता यही है कि यहां हर आवाज सुनी जाती है और हर दृष्टिकोण को महत्व दिया जाता है।

संविधान के अनुच्छेद 105 का उल्लेख करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि संसद में वाक स्वातंत्र्य का अधिकार संविधान में दिया गया है, लेकिन यह संसदीय नियमों और प्रक्रियाओं की सीमा के भीतर ही लागू होता है। उन्होंने कहा कि सदन में बोलने को लेकर स्पष्ट दिशा निर्देश हैं और सभी सदस्यों को उनका पालन करना चाहिए।

सदन में बोलने के अवसरों को लेकर उठे सवालों पर अध्यक्ष ने

कहा कि कुछ लोगों का मानना है कि विपक्ष के नेता किसी भी समय अपनी पसंद के विषय पर बोल सकते हैं, जबकि सदन की कार्यवाही नियमों के अनुसार ही चलती है और ये नियम सभी सदस्यों पर समान रूप से लागू होते हैं।

अध्यक्ष ने उन आरोपों को भी खारिज किया कि पीठासीन अधिकारी विपक्षी सदस्यों के माइक्रोफोन बंद कर देते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आसन के पास माइक्रोफोन को ऑन या ऑफ करने का कोई बटन नहीं होता। सदन में जिस सदस्य को बोलने की अनुमति दी जाती है, केवल उसी का माइक्रोफोन सक्रिय रहता है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा का आसन किसी व्यक्ति विशेष का नहीं बल्कि भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं और संविधान की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संसद 140 करोड़ नागरिकों की संप्रभु इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है और हर सांसद जनता की आकांक्षाओं को लेकर सदन में आता है।

सदन में नारेबाजी, तख्तियां दिखाने और व्यवधान को लेकर अध्यक्ष ने चिंता जताते हुए कहा कि ऐसे आचरण से संसद की गरिमा और प्रतिष्ठा प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति और तीखी बहस स्वाभाविक है, लेकिन लोकतांत्रिक विमर्श और अव्यवस्था के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है।

अंत में उन्होंने सभी दलों के सांसदों से संसद की मर्यादा बनाए रखने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने की अपील की।

गाजियाबाद का नया भविष्यः हरनंदीपुरम की तरफ किसानों के कदम, 130 हेक्टेयर का आंकड़ा पार!

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना हरनंदीपुरम अब धरातल पर आकार लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। किसानों के बढ़ते विश्वास और सहयोग ने इस मेगा टाउनशिप को नई ऊर्जा प्रदान की है। गुरुवार को योजना क्षेत्र के विभिन्न गांवों के किसानों ने एकजुट होकर प्राधिकरण कार्यालय में उपाध्यक्ष के समक्ष लगभग 7 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि के लिए सहमति पत्र सौंपे, जिसके बाद योजना के लिए कुल सहमति का आंकड़ा 130 हेक्टेयर के पार पहुंच गया है।

मुख्य बिंदु :
7 हेक्टेयर के लिए और मिली सहमतिः किसानों ने स्वेच्छा से जीडीए उपाध्यक्ष को सौंपे सहमति पत्र।
रफ्तार में हरनंदीपुरमः अब तक 130 हेक्टेयर भूमि पर किसानों की मुहर, 82 हेक्टेयर की रजिस्ट्री पूरी।
सरकार का सहाराः मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना से मिले ₹400 करोड़ ने भरी विकास में उड़ान।

संवाद से खुला विकास का रास्ता
प्राधिकरण कार्यालय में आज का माहौल सकारात्मक रहा। किसानों और अधिकारियों के बीच हुए सीधे संवाद में किसानों ने क्षेत्र के नियोजित विकास को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। जीडीए उपाध्यक्ष आईएएस नंदकिशोर कलाल ने किसानों के प्रति आभार जताते हुए

आश्वस्त किया कि यह योजना केवल आवासीय नहीं, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर बदलने वाली साबित होगी।

आंकड़ों में योजना की प्रगति
हरनंदीपुरम को लेकर प्राधिकरण की सक्रियता का अंदाजा इन आंकड़ों से लगाया जा सकता हैः
कुल प्रस्तावित लक्ष्यः 500 हेक्टेयर से अधिक।
प्राप्त कुल सहमतिः लगभग 130 हेक्टेयर।
पूरी हो चुकी रजिस्ट्री (बैनामे): करीब 82 हेक्टेयर।
सरकारी निवेशः प्रदेश सरकार द्वारा ₹400 करोड़ की राशि पहले ही आवंटित।

क्या है हरनंदीपुरम का विजन?
लगभग 500 हेक्टेयर में फैली यह टाउनशिप गाजियाबाद के शहरी विस्तार का नया चेहरा बनेगी। योजना के तहत न केवल आधुनिक आवासीय सेक्टर विकसित किए जाएंगे, बल्कि सड़कों का एक जाल, बड़े पार्क, ग्रीन बेल्ट और विश्वस्तरीय सामुदायिक सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। इसके विकसित होने से दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए गाजियाबाद में घर खरीदना एक प्रीमियम अनुभव होगा।
प्राधिकरण किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए पारदर्शिता के साथ भूमि क्रय कर रहा है। हरनंदीपुरम के विकसित होने से न केवल बेहतर आवास मिलेंगे, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर भी पैदा होंगे।

किसानों में उत्साह
बैठक में उपस्थित किसानों ने साफ किया कि वे क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए प्राधिकरण के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार हैं। किसानों का मानना है कि नियोजित विकास से उनकी जमीनों का मूल्य और क्षेत्र की प्रतिष्ठा दोनों में इजाफा होगा।
इस अवसर पर जीडीए के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में संबंधित गांवों के किसान प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुरादनगर में गरजा जीडीए का बुलडोजर : 33 बीघा में बस रही तीन अवैध कॉलोनियां जमींदोज

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। उपाध्यक्ष के कड़े निर्देशों के अनुपालन में, गुरुवार को प्रवर्तन दस्ते ने मुरादनगर और मोदीनगर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 33 बीघा जमीन पर विकसित की जा रही तीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान कॉलोनाइजरों ने विरोध करने का प्रयास किया, लेकिन भारी पुलिस बल के आगे उनकी एक न चली।

इन क्षेत्रों में हुई बड़ी कार्रवाई
प्राधिकरण की टीम ने तीन अलग अलग स्थानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को अंजाम दिया जिसमें बसंतपुर सैंथली (8 बीघा): हनुमान मंदिर बम्बा रोड पर योगेंद्र सिंह, सुधीर अग्रवाल और अनिल त्यागी द्वारा लगभग 8 बीघा में काटी जा रही कॉलोनी पर बुल्डोजर चला। यहाँ कच्ची सड़कों और बाउंड्रीवॉल को

पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। इसके अलावा फतेहपुर, सीकेडा रोड (15000 वर्ग मीटर): मोदीनगर के ग्राम फतेहपुर में नरेंद्र और रविंद्र द्वारा करीब 18 बीघा (15,000 वर्ग मीटर) क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग की जा रही थी, जिसे मलबे में तब्दील कर दिया गया।
ग्राम सरना, मुरादनगर (10 बीघा): रावली रोड पर अनवर ईलाही, इरशाद ईलाही, अफजल ईलाही और नीरज त्यागी द्वारा विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी के ऑफिस और सड़कों को ढहा दिया गया।

विरोध के बावजूद नहीं थमा बुलडोजर
प्रवर्तन जोन 02 के प्रभारी के नेतृत्व में जब दस्ता मौके पर पहुँचा, तो कॉलोनाइजरों और निर्माणकताओं ने टीम का भारी विरोध किया। काम रोकने की कोशिश की गई, लेकिन प्राधिकरण की पुलिस और प्रवर्तन दस्ते ने स्थिति को संभालते हुए अवैध निर्माण को पूरी तरह से हटा दिया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना मानचित्र स्वीकृत कराए किया गया कोई भी निर्माण अवैध माना जाएगा।

अधिकारियों की मौजूदगी:
ध्वस्तीकरण के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन 2 का समस्त स्टाफ और भारी पुलिस बल तैनात रहा।

चेतावनी : अवैध कॉलोनियों में न फंसें खरीदार
जीडीए प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे अपनी मेहनत की कमाई किसी भी अवैध कॉलोनी में निवेश न करें। भूखंड खरीदने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि संबंधित ले-आउट प्लान विकास प्राधिकरण से स्वीकृत है या नहीं।

स्टोन क्रेशरों की जांच में अनियमितता, नजीबाबाद में 18 और नगीना में 13 संचालकों को नोटिस

बिजनौर (शिखर समाचार)। नजीबाबाद और नगीना तहसील क्षेत्र में संचालित स्टोन क्रेशरों की जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर प्रशासन ने संबंधित संचालकों को नोटिस जारी किए हैं।
अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने बताया कि नजीबाबाद तहसील क्षेत्र में स्थापित व संचालित 26 स्टोन क्रेशरों की उप जिलाधिकारी नजीबाबाद, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग बरेली के वरिष्ठ सर्वेक्षक तथा राजस्व टीम द्वारा संयुक्त रूप से जांच की गई। निरीक्षण के दौरान 8 स्टोन क्रेशर मौके पर बंद पाए गए, जबकि शेष 18 स्टोन क्रेशरों की जांच में मौके पर उपलब्ध उपखनिज और पोर्टल पर दर्शाई गई मात्रा में अंतर पाया गया। इस संबंध में संयुक्त जांच आख्या प्राप्त होने के बाद जिलाधिकारी द्वारा 18 स्टोन क्रेशर स्वामियों और साझेदारों को नोटिस जारी किए गए हैं।
इसी प्रकार तहसील नगीना में

स्थापित व संचालित 13 स्टोन क्रेशरों की भी उप जिलाधिकारी नगीना, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग बरेली के वरिष्ठ सर्वेक्षक तथा राजस्व टीम द्वारा संयुक्त जांच की गई। जांच के दौरान यहां भी मौके पर उपलब्ध उपखनिज और पोर्टल पर प्रदर्शित उपखनिज की मात्रा में अंतर पाया गया। संयुक्त जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद जिलाधिकारी द्वारा इन 13 स्टोन क्रेशर स्वामियों और साझेदारों को नोटिस जारी किए गए हैं।
इसके अतिरिक्त उप जिलाधिकारी नजीबाबाद की रिपोर्ट के आधार पर तहसील नजीबाबाद के ग्राम कामगारपुर स्थित गाटा संख्या 1287 में नौ अलग अलग स्थानों पर कुल 6975 घनमीटर साधारण मिट्टी का अवैध खनन पाए जाने पर रामकुमार पुत्र घसीटा निवासी ग्राम भनेड़ा, तहसील नजीबाबाद जनपद बिजनौर को पूर्व में नोटिस जारी किया गया था। नोटिस का जवाब न देने पर जिलाधिकारी ने भू स्वामी पर 4 लाख 21 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है और सात दिन के भीतर उक्त धनराशि जमा कराने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित अवधि में धनराशि जमा न करने की स्थिति में यह राशि भू राजस्व की भांति वसूल की जाएगी।

आवास विकास की ताबड़तोड़ कार्रवाई : वसुंधरा में अवैध फ्लैटों पर चला बुलडोजर, बिल्डर लॉबी का विरोध बेअसर

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद की वसुंधरा योजना में स्वीकृत नक्शे के विपरीत किए जा रहे अवैध निर्माण के खिलाफ आवास विकास परिषद की टीम ने सख्त कार्रवाई करते हुए तीन भवनों में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। लंबे समय से चल रहे इस अवैध निर्माण पर आखिरकार पुलिस बल मिलते ही निर्माण खंड-1 की टीम ने ताबड़तोड़ कार्रवाई कर दी, जिससे बिल्डर लॉबी में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार पिछले लगभग साढ़े तीन महीने से समस्त फील्ड स्टाफ, साइट सुपरवाइजर, अवर अभियंता तथा सहायक अभियंताओं की ड्यूटी चुनाव आयोग की मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया और विभिन्न परीक्षाओं में लगाई गई थी। इसका अनावश्यक लाभ उठाते हुए वसुंधरा योजना के भवन संख्या 5/745 और 12/909 सहित एक अन्य भवन के निर्माणकताओं और बिल्डरों द्वारा स्वीकृत नक्शे के विपरीत पूरे सेटबैक को कवर करते हुए स्टिल्ट फ्लोर में अतिरिक्त फ्लैटों का अवैध निर्माण किया जा रहा था। इन अवैध निमार्णों के खिलाफ पहले ही ध्वस्तीकरण आदेश पारित किए जा चुके थे। फील्ड स्टाफ लगातार निर्माण रुकवाने का प्रयास भी कर रहा था, लेकिन पर्याप्त पुलिस बल न मिल पाने के कारण कार्रवाई लंबित थी। पुलिस बल उपलब्ध होते ही निर्माण खंड 1 की टीम मौके पर पहुंची और बिल्डर लॉबी के भारी विरोध के बावजूद सख्त रुख अपनाते हुए तीनों भवनों में अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरे समन्वय और दृढ़ता के साथ अभियान को सफल बनाया। अधीक्षण अभियंता ए के मित्तल ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की लगातार चुनाव और विभिन्न परीक्षाओं में ड्यूटी लगी हुई थी, इसके बावजूद टीम ने अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटते हुए अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई जारी रखी। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं और अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच भी आवास विकास की टीम पूरी मेहनत और ईमानदारी से काम कर रही है, जिसका परिणाम आज की सफल कार्रवाई के रूप में सामने आया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वसुंधरा योजना सहित आवास विकास की सभी परियोजनाओं में स्वीकृत नक्शे के विपरीत किसी भी प्रकार का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी इस तरह की शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद नगर जोन पुलिस ने बरामद किए 555 मोबाइल, स्वामियों को किए सपुर्द

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सेंट्रल इक्विपमेंट आईडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों पर लगातार कार्यवाही करते हुए गाजियाबाद पुलिस अब तक बड़ी मात्रा में मोबाइल फोन रिकवर कर चुकी है। एक बार फिर गाजियाबाद नगर जोन पुलिस और सर्विलांस टीम ने गुमशुदा हुए विभिन्न कंपनियों के 555 मोबाइल फोन बरामद किया है। इन मोबाइल फोनों की कीमत लगभग 1 करोड़ 50 लाख रुपए है। इतना ही नहीं पुलिस ने मोबाइल फोन रिकवर करने के बाद उनके स्वामियों को भी सपुर्द कर दिए है। संवाददाता सम्मेलन में केशव कुमार चौधरी अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध/मुख्यालय ने बताया कि सेंट्रल इक्विपमेंट आईडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल पर पुलिस प्रबलता के साथ मॉनिटरिंग कर रही है। पोर्टल पर शिकायत दर्ज होते ही पुलिस मोबाइल फोन को सर्विलांस पर लगा देती है। गाजियाबाद नगर जोन के सभी थाने और सर्विलांस टीम लगातार मॉनिटरिंग बनाए रखती है। मॉनिटरिंग के आधार पर ही गुमशुदा 555 मोबाइल फोन विभिन्न कंपनी के बरामद किए गए है, जिनकी अनुमति लागत 1 करोड़ 50 लाख रुपए है। इसके अलावा थाना कोतवाली नगर ने 153, थाना विजयनगर ने 91, थाना सिहानी गेट ने 71, थाना नंदग्राम ने 65, थाना मधुबन बापूधाम ने 60, थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना ने 36, वेव सिटी ने 35, थाना कविनगर ने 33 और थाना साइबर सेल ने 11 मोबाइल फोन बरामद किए है।

कौशल विकास पर विशेष ध्यान देकर ही आगे बढ़ सकेंगे युवा : जयंत चौधरी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि आज के तकनीकी और प्रतिस्पर्धा के दौर में युवाओं को आगे बढ़ने के लिए कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सफलता प्राप्त करने के लिए युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों का ज्ञान रखने के साथ साथ किसी एक विषय पर अनुशासन के साथ विशेष ध्यान केंद्रित करना भी आवश्यक है।
जयंत चौधरी शुक्रवार को मोदीनगर में डॉ केएन मोदी फाउंडेशन की ओर से आयोजित आशीर्वचनम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस बार शिक्षा क्षेत्र के लिए बजट में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है और उसमें कौशल विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है।
उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस समय स्कूली शिक्षा के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और प्रदेश के समग्र विकास में पश्चिमी उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जयंत चौधरी ने कहा कि एक समय मोदीनगर को औद्योगिक नगरी के रूप में जाना जाता था, लेकिन अब मोदी फाउंडेशन के प्रयासों से यह नगर शिक्षा के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है।
उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि फाउंडेशन की ओर से विभिन्न प्रकार की शिक्षा के साथ साथ लगभग दस हजार विद्यार्थियों को कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में परीक्षाओं को लेकर एक प्रकार की होड़ सी लग गई है, जो उचित नहीं है। बच्चों पर परीक्षा का अत्यधिक दबाव नहीं डाला जाना चाहिए, क्योंकि उनके जीवन में आगे भी अनेक परीक्षाएं आती रहेंगी।
जयंत चौधरी ने कहा कि एक अच्छा शिक्षक वही होता है जो पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देता है और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।
इस अवसर पर बागपत मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ राजकुमार सांगवान ने मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र में कराए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी और भविष्य में प्रस्तावित विकास योजनाओं के बारे में भी बताया। वहीं भाजपा विधायक डॉ मंजू शिवाच ने मोदी फाउंडेशन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।
फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ डीके मोदी ने अपने संबोधन में फाउंडेशन की विभिन्न संस्थाओं में संचालित शैक्षिक

गतिविधियों, विद्यार्थियों के कौशल विकास और रोजगारोन्मुख शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन की सभी संस्थाओं में शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।
कार्यक्रम के दौरान जयंत चौधरी ने डॉ केएन मोदी विश्वविद्यालय मोदीनगर में स्थापित कौशल विकास एवं उद्यमिता केंद्र का उद्घाटन किया तथा विभिन्न संस्थाओं के मेधावी विद्यार्थियों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए।
कार्यक्रम में मानव मोदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। डॉ डीके मोदी और मानव मोदी ने जयंत चौधरी को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन कैप्टन राजीव सक्सेना ने किया।
इस अवसर पर सिवाल खास के विधायक गुलाम मोहम्मद, मोदीनगर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद वैशाली, मानव मोदी, रेनू मोदी, निधि मोदी, मेघराज शर्मा सहित फाउंडेशन से जुड़े अधिकारी, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बाबूगढ़ में सनसनीखेज वारदात : इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापारी की गला रेतकर हत्या गोदाम में मिला खून से लथपथ शव

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में बछलौता रोड स्थित एक गोदाम में सो रहे इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापारी की अज्ञात हमलावरों ने गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। गुरुवार सुबह गोदाम के अंदर व्यापारी का खून से लथपथ शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सहित पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। जानकारी के अनुसार बाबूगढ़ थाना क्षेत्र की संस्कार कॉलोनी निवासी विनोद अपने परिवार के साथ रहता था और बछलौता रोड पर अभय इलेक्ट्रॉनिक्स नाम से उसकी दुकान व गोदाम है। बताया गया कि बुधवार रात विनोद रोज की तरह अपने गोदाम पर ही सो गया था। गुरुवार सुबह तक जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने कई बार

उसे फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। इससे चिंतित होकर परिजन गोदाम पहुंचे। जैसे ही उन्होंने गोदाम का दरवाजा खोलकर अंदर देखा, तो उनके होश उड़ गए। विनोद का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा था और उसका गला किसी धारदार हथियार से रेत दिया गया था। घटना की सूचना मिलते ही मृतक की पत्नी रेखा, पुत्र अभिषेक और अभय मौके पर पहुंचे। पति का शव देखकर पत्नी का रो रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों और आसपास के लोगों ने किसी तरह उन्हें संभाला। व्यापारी की हत्या की खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग गोदाम के बाहर एकत्र हो गए।ठ सूचना मिलने पर सीओ सिटी वरुण मिश्रा, थाना प्रभारी बाबूगढ़ मुनीष प्रताप सिंह और थाना प्रभारी हापुड़ देहात नीरज कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने गोदाम का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके बाद फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से कई अहम साक्ष्य जुटाए। व्यापारी की गला रेतकर हत्या की सूचना पर पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानेजय सिंह भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने घटना के जल्द खुलासे के लिए पुलिस टीम का गठन किया है। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। साथ ही हत्यारों तक पहुंचने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

बीएसए कार्यालय पर शिक्षकों का उग्र धरना तीसरे दिन भी जारी, समस्याओं के समाधान तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय में लंबित शिक्षक समस्याओं को लेकर शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक धरना जारी रहेगा। संघ के जिलाध्यक्ष देवेंद्र शिशौदिया और मंत्री नीरज चौधरी ने संयुक्त रूप से बताया कि शिक्षकों की मांगों के समाधान के लिए सितंबर माह में जिलाधिकारी कार्यालय पर भी धरना दिया गया था। उस समय जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से एक माह के भीतर समस्याओं के समाधान का लिखित आश्वासन दिया गया था। लेकिन छह माह बीत जाने के बावजूद भी शिक्षकों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। इस कारण शिक्षकों में रोष बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस कार्रवाई होने पर ही धरना समाप्त किया जाएगा। धरने के दौरान अंशु सिद्धू ने आरोप लगाया कि विभिन्न कार्यालयों में शिक्षक समस्याओं को जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है, जिसके पीछे भ्रष्टाचार मुख्य कारण है। धरने में राजेंद्र यादव, सतेन्द्र शिशौदिया, संजीव त्यागी, आनंद सैनी, सरजीत सिंह, बबीता, लक्ष्मी प्रजापति, मीनाक्षी, निशा, मधु, रेनू, ममता, रामकिशोर, योगेश सैनी, अजय कुमार, लियाकत, रश्मी, लता, सुरभि, संगीता, नीमा, विमलेश, सुनैना, राजकुमार, नाजिम, तुफैल, सुमन, आबिद अली, प्रदीप, सुरेन्द्र, विकास, सोम, गतिशील, दिलशाद सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

देश विरोधी गतिविधि के आरोप में मसूरी पुलिस ने ग्राम नाहल से 6 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना मसूरी पुलिस ने देश विरोधी गतिविधि के आरोप में नाहल गांव के रहने वाले 6 अभियुक्त सावेज, जुनैद, फरदीन, इकराम, फजरु और जावेद को गिरफ्तार करने का दावा किया है। यह सभी सोशल मीडिया पर जैश-ए-मोहम्मद सहित अन्य प्रतिबंधित गिरोह की वीडियो देखा करते थे। यह सभी मुसलमान पर हो रहे अत्याचार की वीडियो देखने के बाद इन प्रतिबंधित गिरोह की वीडियो देखने लगे थे। इतना ही नहीं यह लोग उनकी ट्रेनिंग की वीडियो भी देखा करते थे, जिससे इनकी तरह ट्रेंड हो सके। खास बात यह है कि इस पकड़े गए गिरोह का मुखिया सावेज है, जिसने इन सभी लोगों को अपने साथ जोड़ा था। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि गाजियाबाद सोशल मीडिया सेल लगातार सोशल मीडिया पर निगरानी बनाए हुए हैं। ऐसे में कुछ अकाउंट पर देश विरोधी गतिविधि देखी गई थी। इसके अलावा नाहल चौकी इंचार्ज को भी ऐसी गतिविधि होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने इस सूचना के आधार पर 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है, वहीं पुलिस में कैसे सोशल मीडिया अकाउंट की जांच कर रही है। पुलिस पूछताछ में सावेज ने बताया कि वह अक्सर सोशल मीडिया पर मुसलमान पर हो रहे अत्याचार की वीडियो देखा था। उन वीडियो को देखने के बाद उसने लोगों को जोड़ना शुरू किया और जैश-ए-मोहम्मद व अन्य प्रतिबंधित गिरोह की वीडियो देखने लगा। उसने अपने साथियों को भी यह वीडियो दिखानी शुरू की, जिसमें उनकी ट्रेनिंग से संबंधित वीडियो भी दिखाई जाती थी। इसके अलावा पकड़ा गया अभियुक्त जावेद 6 साल तक नाहल गांव में मस्जिद के अंदर मौलाना था और फिलहाल में कस्बा मसूरी में मदरसा चल रहा है। इसके अतिरिक्त पकड़ा गया अभियुक्त इकराम अधिवक्ता है।

मंत्री जयवीर सिंह ने किया गाजियाबाद में करोड़ों रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मंत्री पर्यटन एवं संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश जयवीर सिंह ने गुरुवार को गाजियाबाद का भ्रमण किया। मंत्री ने गाजियाबाद में पर्यटन विभाग द्वारा कराये जा रहे सौन्दर्यकरण एवं पर्यटन विकास की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस दौरान उनके साथ सांसद अतुल गर्ग, विधायक संजीव शर्मा, विधायक अजितपाल त्यागी, विधायक डॉ.मंजू सिवाच, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, महंत श्री नारायण गिरी जी महाराज सहित अन्य प्रबुद्धजनों की गरिमामयी उपस्थिति में लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम से पूर्व आयोजकों ने मंत्री सहित अन्य विशिष्ठ अतिथिगणों को पुष्प गुच्छ, प्रतीक चिन्ह एवं पटका पहनाकर स्वागत एवं सम्मानित किया गया। पर्यटन विभाग की लोकार्पण की गयी परियोजनाओं में श्रीदूधेश्वर नाथ मंदिर का पर्यटन विकास कार्य स्वीकृत लागत 552.25 लाख, मुरादनगर के ग्राम कुन्हैड़ा में स्थित भगवान परशुराम मंदिर का कार्य स्वीकृत लागत 92.50 लाख एवं मोदीनगर स्थिति सीकरी महामाया मंदिर का कार्य स्वीकृत लागत 70.50 लाख है, जो कि कुल लागत 715.25 लाख रुपए है। इसके साथ ही पर्यटन विभाग की शिलान्यास की गयी परियोजनाओं में साहिबाबाद वार्ड-31 प्राचीन शिव मंदिर का कार्य स्वीकृत लागत 113.11 लाख रुपए, मोदीनगर निवाड़ी में चुकाय वाली माता मंदिर का कार्य स्वीकृत लागत 74.45 लाख रुपए व मुरादनगर के ग्राम असालत नगर में श्री हनुमान जी मंदिर कार्य स्वीकृत लागत 94.18 लाख रुपए है, जो कि कुल लागत 281.74 लाख रुपए है। इसके साथ ही जनपद से

प्रस्तावित कार्यों में जय भीम पार्क, वार्ड- 1 कृष्णा नगर बागू विजय नगर का पर्यटन विकास कार्य लागत-149.63, विकास खण्ड मोदीनगर के ग्राम सुराना का पर्यटन विकास कार्य लागत 80.68 लाख है, जो कि शासन को आगामी स्वीकृत परियोजनाएं प्रेषित हैं। मंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की के नेतृत्व एवं निर्देशन में उत्तर प्रदेश में जो विकासात्मक कार्य हुए है, उसका विपक्ष कल्पना भी नही कर सकता था। योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों से ही अयोध्या में राम मंदिर व काशी में विश्वनाथ मंदिर को भव्य रूप मिला है और यह सभी भाजपा सरकार में ही सम्भव हुआ है। मोदी-योगी के नेतृत्व में ही देश-प्रदेश चहुंमुखी विकास कर रहा है। आज उत्तर प्रदेश में बहुत से पर्यटन स्थलों का सुदृढ़ीकरण एवं विकास हुआ है। जहां लाखों करोड़ों की संख्या में पर्यटक पहुंच रहें है और निर्भीक व स्वतंत्र रूप से पर्यटन का आनन्द लें रहे हैं।

हंगर रिलीफ इम्पैक्ट चैंपियन अवार्ड से नवाजा गया, गौशाला में 56 भोग सेवा के लिए भी मिला सम्मान

हापुड़ (शिखर समाचार)। समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे लायंस क्लब हापुड़ प्लेटिनम को भूखमरी उन्मूलन के लिए किए गए उत्कृष्ट प्रयासों के लिए हंगर रिलीफ इम्पैक्ट चैंपियन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान लायन्स क्लब ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित ग्लोबल सर्विस वीक (3 से 11 जनवरी 2026) के अंतर्गत प्रदान किया गया। इस दौरान क्लब के सदस्यों ने जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाने, खाद्य सामग्री वितरण करने और समाज में सेवा की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। क्लब के इन प्रयासों से अनेक जरूरतमंद परिवारों को सहायता मिली और समाज में सकारात्मक संदेश गया। इसके अतिरिक्त क्लब द्वारा गौशाला हापुड़ में गौमाता के लिए विशेष 56 भोग का आयोजन भी किया गया, जिसके लिए क्लब को विशेष सम्मान और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। क्लब के पदाधिकारियों ने बताया कि गौसेवा के इस कार्य को इंटरनेशनल प्रेसिडेंट द्वारा भी सराहा गया है। क्लब पदाधिकारियों का कहना है कि यह सम्मान पूरे क्लब के सामूहिक प्रयास और सेवा भावना का परिणाम है। भविष्य में भी क्लब समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए इसी तरह कार्य करता रहेगा। इस उपलब्धि पर शहर के गणमान्य लोगों और क्लब सदस्यों ने अध्यक्ष विवेक गर्ग, सचिव आशीष मित्तल, कोषाध्यक्ष मयंक मित्तल सहित सभी सदस्यों को बधाई देते हुए इसे हापुड़ के लिए गर्व का विषय बताया।

व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की सप्लाई रुकी, होटल संचालक परेशान

शामली (शिखर समाचार)। गैस सप्लाई में आई कमी के चलते जनपद में घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। खासकर व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की सप्लाई बंद होने से होटल संचालकों और भोजनालय संचालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर होटल संचालक मजबूरी में घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण हॉर्मुज जलमार्ग से होने वाली गैस सप्लाई प्रभावित होने के बाद केंद्र सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 लागू कर दिया है। गैस की किल्लत को देखते हुए उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में फिलहाल व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति पर रोक लगा दी गई है। व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति रुकने से होटल, रेस्टोरेंट और छोटे भोजनालय संचालकों के सामने कामकाज ठप होने की स्थिति बन गई है। शादी-समारोह और अन्य आयोजनों में भी गैस सिलेंडर उपलब्ध न होने से परेशानियां बढ़ रही हैं। होटल संचालक सुखचैन वालिया और वंश गर्ग का कहना है कि यदि जल्द ही सप्लाई बहाल नहीं हुई तो उनके लिए व्यवसाय चलाना मुश्किल हो जाएगा। वहीं घरेलू उपयोग के लिए गैस की उपलब्धता अभी बनी हुई है और सप्लाई व्यवस्था स्थिर बताई जा रही है। इधर जनपद में गैस एजेंसियों द्वारा घरेलू और व्यावसायिक सिलेंडरों की उपलब्धता को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भारत गैस एजेंसी संचालक अजय संगल का कहना है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है और लोगों में भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि फिलहाल आगे से व्यावसायिक सिलेंडरों की सप्लाई बंद कर दी गई है।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की दर्दनाक मौत, पहचान नहीं हो सकी

दादरी (शिखर समाचार)। दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर दादरी रेलवे स्टेशन के समीप बुधवार देर रात एक युवक एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। जीआरपी चौकी प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि बुधवार रात एक एक्सप्रेस ट्रेन कानपुर की ओर जा रही थी। जब ट्रेन दादरी रेलवे स्टेशन के पास पहुंची तो एक युवक अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक का शव बुरी तरह क्षत विक्षत हो गया और उसका चेहरा भी पहचान में नहीं आ रहा था। पुलिस ने मौके पर आसपास मौजूद लोगों से शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी। तलाशी के दौरान उसके पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज भी नहीं मिला। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

दो बेटियां होने पर विवाहिता से मारपीट, गला दबाकर हत्या की कोशिश

दादरी (शिखर समाचार)। दनकौर क्षेत्र के गुनपुरा गांव में विवाहिता के साथ मारपीट कर जान से मारने की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो बेटियों को जन्म देने से नाराज सास ने विवाहिता को ताने दिए और पेट में लात मारकर घायल कर दिया। वहीं पति और देवर ने गला दबाकर हत्या करने का प्रयास किया और नहर में फेंकने की धमकी दी। पीड़िता प्रियंका निवासी कैमराला गांव ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी 4 दिसंबर 2016 को गुनपुरा गांव निवासी गौरव के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। शादी के बाद उसने दो बेटियों को जन्म दिया, जिसके बाद से सास बालेशरी उसे ताने देने लगी और वंश आगे न बढ़ाने की बात कहकर प्रताड़ित करती थी। पीड़िता का आरोप है कि 7 मार्च को पति गौरव ने उसके साथ मारपीट करते हुए गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की और नहर में फेंक देने की धमकी दी। इसके अलावा देवर सौरभ ने भी उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट की और धमकी दी कि यदि किसी को कुछ बताया तो जान से मार देंगे। डर के कारण पीड़िता अपने मायके पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई। मामले में पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति गौरव, देवर सौरभ और सास बालेशरी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुआवजे के लालच में अवैध निर्माण का खतरनाक खेल निमार्णाधीन मकान की दीवार गिरी, 4 मजदूर घायल

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास अधिक मुआवजा प्राप्त करने की लालसा में कुछ ग्रामीण अवैध रूप से मकानों का निर्माण करा रहे हैं। इसी अवैध निर्माण का एक और खतरनाक नतीजा गुरुवार को देखने को मिला, जब गांव रामनेर में निमार्णाधीन मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे में एक महिला सहित चार मजदूर घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। दरअसल, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विस्तार के लिए क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। इस प्रक्रिया में किसानों को खेत की जमीन के साथ-साथ गांव में बने मकानों का भी मुआवजा दिया जाता है। इसी का फायदा उठाने के लिए कुछ लोग खेतों के आसपास भी जल्दबाजी में

मकानों का निर्माण करा रहे हैं, ताकि अधिग्रहण के समय अधिक मुआवजा प्राप्त किया जा सके। बताया जा रहा है कि ऐसे कई निर्माण कार्य बेहद घटिया और असुरक्षित सामग्री से किए जा रहे हैं। गुरुवार को गांव रामनेर में बन रहे एक मकान की करीब 12 फुट ऊंची दीवार अचानक गिर गई, जिसकी चपेट में वहां काम कर रहे मजदूर आ गए। हादसे में एक महिला सहित चार मजदूर घायल हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के हादसे पहले भी हो चुके हैं। नवंबर माह में रबूपुरा क्षेत्र के गांव नकला हुकम सिंह में भी एक निमार्णाधीन मकान गिरने से चार लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा कई अन्य गांवों में भी अवैध निर्माण के दौरान हादसे हो चुके हैं, जिनमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हर बार हादसे के बाद प्रशासन अवैध निर्माण कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई का दावा करता है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती। नतीजतन, क्षेत्र में अवैध निर्माण का सिलसिला धड़ल्ले से जारी है और मजदूरों की जान जोखिम में पड़ रही।

फतेहपुर में बंद कमरे में मिले मां-बेटे समेत तीन लोगों के शव, आत्महत्या की आशंका

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर से सटे फतेहपुर जिले में बुधवार रात को मां-बेटे समेत तीन लोगों के शव घर के एक कमरे में बरामद किए गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक शुरूआती जांच से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आर्थिक तंगी के कारण इन लोगों ने आत्महत्या की है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) प्रमोद कुमार शुक्ला ने बताया कि घटना सदर थाना इलाके के लखनऊ बाईपास के पास चौफीरवा गांव में हुई, जहां परिवार कुछ साल पहले रहने आया था। उन्होंने बताया कि मरने वालों की पहचान सुशीला श्रीवास्तव (51), उनके बेटे अमर श्रीवास्तव (28) और देवर सुनील उर्फ गुड्डू श्रीवास्तव (52) के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि तीनों की गर्दन पर गहरे घाव के निशान थे और कलाई कटी हुई थी। शुक्ला ने बताया कि पुलिस को कमरे से सल्फास की तीन खाली पुड़िया और खून से सने चार ब्लेड मिले हैं। उन्होंने बताया कि सुशीला के पति सुशील कुमार श्रीवास्तव (55) पेशे से वाहन चालक हैं। वह शाम को जब अपनी बेटी के घर से लौटे, तो उन्होंने मुख्य दरवाजा अंदर से बंद पाया। शुक्ला के मुताबिक सुशील ने अपनी पत्नी को बार-बार फोन किया लेकिन जब कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा और अपनी पत्नी और बेटे को खून से लथपथ पाया, जबकि उनका छोटा भाई सुनील गंभीर रूप से घायल था। उन्होंने बताया कि सुनील को जिला अस्पताल ले जाया गया लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अपर पुलिस महानिदेशक (प्रयागराज जोन) ज्योति नारायण और पुलिस महानिरीक्षक अजय कुमार मिश्रा समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मौका मुआयना किया और जांच की निगरानी की। नारायण ने संवाददाताओं से कहा कि शुरूआती जांच में हत्या के बजाय आत्महत्या की ओर इशारा मिला है। उन्होंने कहा, ह्यह्यमौके पर ब्लेड मिले थे

अमेठी में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़, 50 हजार रुपये का इनामी गिरफ्तार

अमेठी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अमेठी में गुरुवार तड़के पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली। पुलिस के ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत हुई मुठभेड़ में अपहरण और फिरौती के मामले में वांछित 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे पकड़कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार, घटना गुरुवार सुबह करीब पौने तीन बजे की है। मुसाफिरखाना थाने के प्रभारी अपनी पुलिस टीम के साथ इलाके में चेकिंग अभियान चला रहे थे। यह अभियान ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस को एक मुखबिर से सूचना मिली कि अपहरण और फिरौती के मामले में

वांछित अपराधी इस्लाम उर्फ मच्छर, जो गोंडा जिले का रहने वाला है, इसौली रोड की तरफ से गुजरने वाला है। पुलिस को जैसे ही यह सूचना मिली, टीम तुरंत सतर्क हो गई और इसौली रोड पर घेराबंदी कर दी गई। कुछ ही देर बाद संदिग्ध युवक वहां पहुंचा। जब पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो उसने भागने की कोशिश की। खुद को पुलिस से घिरता देख आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से पुलिस टीम भी सतर्क हो गई और आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल होकर वहीं गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया और तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए एडिशनल एसपी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी अपहरण और फिरौती के एक मामले में काफी समय से फरार चल रहा था। आरोपी पर अमेठी पुलिस की तरफ से 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।पुलिस के अनुसार, 10 फरवरी को आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर रमन अग्रहरी नाम के व्यक्ति का हाईवे से अपहरण किया था और उससे फिरौती वसूली थी। उसी मामले में यह आरोपी वांछित चल रहा था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। इस पूरे मामले में मुसाफिरखाना थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। श्री कुंदकुंद जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खतौली के वाणिज्य विभाग द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय जागरूकता विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट तथा कोटक सिक्योरिटीज के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई।

कार्यक्रम में सेबी की संसाधन विशेषज्ञ एवं प्रतिभूति बाजार प्रशिक्षक डॉ. अर्चना शर्मा ने विद्यार्थियों को बचत और निवेश से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बचत खाता, आवर्ती जमा खाता, सावधि जमा, अटल पेंशन योजना, म्यूचुअल फंड, व्यवस्थित निवेश योजना, इक्विटी, प्राथमिक बाजार तथा द्वितीयक बाजार सहित कई निवेश विकल्पों के बारे में समझाया।

उन्होंने प्रतिभागियों को शामिल करते हुए शेयर बाजार की कार्यप्रणाली और उसकी बारीकियों पर भी प्रकाश डाला। साथ ही महंगाई दर का धन पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव, आवेगपूर्ण खरीदारी से होने वाले नुकसान तथा प्रतिभूति बाजार के विभिन्न पहलुओं के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. नीतू वशिष्ठ ने कहा कि धन का सही उपयोग और योजनाबद्ध निवेश ही आर्थिक प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि धन को बढ़ाने के लिए वित्तीय योजना बनाकर ही निवेश करना चाहिए, क्योंकि उचित निवेश से ही भविष्य सुरक्षित बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. शिवानी चौधरी, डॉ. ऋचा अग्रवाल, डॉ. अंजू धीमान, डॉ. पूजा सिंह पुंडीर, डॉ. श्वेता मलिक, सीमा तोमर तथा मोहित जैन सहित अन्य तृतीय

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बुढ़ाना में खरीदी कृषि भूमि, तहसील पहुंचकर किए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। मशहूर बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी गुरुवार को अपने पैतृक कस्बा बुढ़ाना पहुंचे, जहां उन्होंने कृषि भूमि खरीदने की प्रक्रिया पूरी करते हुए तहसील परिसर स्थित उप निबंधक कार्यालय में आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। अभिनेता के कस्बे में पहुंचने की जानकारी मिलते ही उन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। मोहल्ला काजीवाड़ा निवासी नवाजुद्दीन सिद्दीकी को अपने पैतृक कस्बे और यहां की मिट्टी से विशेष लगाव है। फिल्म जगत में व्यस्त रहने के बावजूद जब भी उन्हें समय मिलता है, वह बुढ़ाना स्थित अपने पैतृक आवास पर आना-जाना करते रहते हैं। स्थानीय लोगों से उनका आत्मीय जुड़ाव भी बना रहता है। खेती-किसानी के प्रति उनका झुकाव भी किसी से छिपा नहीं है। कोरोना काल के दौरान भी नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने बुढ़ाना स्थित खेतों में स्वयं खेती करते हुए दिखाई दिए थे, जिसकी तस्वीरें और वीडियो भी उस समय काफी चर्चा में रहे थे। गुरुवार को नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने छोटे भाई फैजुद्दीन सिद्दीकी के साथ बुढ़ाना पहुंचे। यहां उन्होंने पहले अपने परिजनों और परिचितों से मुलाकात की। इसके बाद कृषि भूमि खरीदने के उद्देश्य से तहसील परिसर पहुंचे। उप निबंधक कार्यालय में उन्होंने अपने अधिवक्ता प्रशांत शर्मा के साथ पहुंचकर उप निबंधक पंकज जैन के समक्ष भूमि से संबंधित दस्तावेजों की औपचारिकताएं पूरी कीं और आवश्यक अभिलेखों पर हस्ताक्षर किए। तहसील परिसर में अभिनेता के पहुंचने की सूचना जैसे ही कस्बे में फैली, उन्हें देखने के लिए लोगों का जमावड़ा लग गया। कई

लोगों ने उनसे मिलने और बातचीत करने की भी कोशिश की। स्थानीय लोगों में अपने क्षेत्र से जुड़े प्रसिद्ध अभिनेता को अपने बीच पाकर खासा उत्साह देखने को मिला। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने भी लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और संक्षिप्त रूप से उनसे बातचीत की। गौरतलब है कि फिल्मी दुनिया में बड़ी पहचान बनाने के बावजूद नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर अपने पैतृक कस्बे बुढ़ाना आते रहते हैं और यहां की जमीन तथा खेती से जुड़े रहने में विशेष रुचि रखते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अभिनेता का अपने गांव और कस्बे से यह जुड़ाव युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक है।

रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लगने का सिलसिला जारी

बस्ती/सिद्धार्थनगर (एजेंसी) अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के चलते ईंधन संकट की खबरों के बीच उत्तर प्रदेश के बस्ती और सिद्धार्थनगर जिलों में गैस एजेंसियों के बाहर रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों की लंबी कतारें देखी गईं। सूत्रों के अनुसार, बस्ती जिले के बनकटी ब्लॉक के महादेवा चौराहे पर स्थित गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने के लिए तड़के चार बजे से ही खासी भीड़ उमड़ी। सुबह लगभग सात बजे जब एजेंसी का दरवाजा खुला तो लोग सिलेंडर लेने के लिए अंदर की ओर दौड़ पड़े। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान कई लोग सिलेंडर सिर और कंधे पर रखकर तेजी से भागते नजर आए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों के अनुसार गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने की अफवाह के चलते लोग जल्द से जल्द सिलेंडर लेने के लिए उमड़ पड़े। उन्होंने बताया कि जिले में जगह-जगह लोग गैस सिलेंडर लेने के लिए भटकते नजर आये, खास कर वे सबसे ज्यादा परेशान हैं जिनके घर विवाह या अन्य समारोह है। बस्ती के जिला पूर्ति अधिकारी विमल कुमार शुक्ल ने बताया कि जिले में गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि उज्ज्वला के 2.07 लाख और सामान्य श्रेणी के तीन लाख उपभोक्ता हैं। उन्होंने बताया कि गैस आपूर्तिकर्ता कंपनियों ने नया नियम बनाया है कि अब 80 प्रतिशत गैस की बुकिंग ह्यवन टाइम पासवर्डह्ण के माध्यम से होगी, पहले यह 30 प्रतिशत थी, जिसकी वजह से बहुत से कनेक्शन रेगुलर की श्रेणी से बाहर हो गए।

शुक्ल ने बताया कि जिनको अब केवाईसी के माध्यम से नियमित किया जा रहा है और इसके लिए गैस एजेंसियों पर कर्मचारी तैनात किये गये हैं। सिद्धार्थनगर जिले में भी घरेलू गैस के लिए गैस एजेंसियों पर लोगों की लंबी कतार देखने को मिल रही है। हालांकि, जिलाधिकारी ने कुछ दिन पहले सोशल मीडिया के माध्यम से अपील भी जारी की थी, लेकिन इस अपील का कोई भी असर धरातल पर देखने को नहीं मिल रहा है। गैस एजेंसियों पर लग रही लंबी कतारों के बारे में बर्डपुर ब्लॉक चौराहा स्थित सिद्धार्थनगर गैस सर्विस के प्रबंधक का कहना है कि जिले में फिलहाल गैस की कोई भी किल्लत नहीं है। उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि अफवाहों से प्रभावित लोग अपने घरों में खाली बचे सिलेंडरों की जगह भरे हुए सिलेंडर जमा करना चाहते हैं, चाहे उन्हें इसकी जरूरत हो या ना हो।

जिलाधिकारी शिव शरणअप्पा जीएन ने लोगों से संयम बरतने और जरूरत पर ही गैस लेने की अपील की है। उन्होंने संबंधित विभागों को भी निर्देशित किया है कि अपनी देखरेख में गैस का वितरण कराये ताकि उसकी कालाबाजारी ना हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति गैस सिलेंडर की जमाखोरी करते या उसे ऊंचे दाम पर बेचते पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पर्यटन विकास से चमकेगा जेवर क्षेत्र, प्राचीन शिव मंदिर के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

रबूपुरा (शिखर समाचार)। प्रदेश में पर्यटन के व्यापक विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। यह बात पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को भाईपुर ब्रह्मनान स्थित प्राचीन शिव मंदिर पर आयोजित करोड़ों रुपये की लागत के विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में कही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कभी जेवर को खादर क्षेत्र के नाम से जाना जाता था, लेकिन आज जेवर की पहचान केवल उत्तर प्रदेश या भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि पूरे विश्व में विकसित एनसीआर क्षेत्र के रूप में बन रही है। यहां एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट के निर्माण के साथ-साथ इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और टेक्नोलॉजी से जुड़ी अनेक इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। बड़े उद्योगपति भी जेवर में निवेश करने के लिए लगातार रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश की पहचान अपराध, अपहरण और महिलाओं के प्रति असुरक्षा जैसी घटनाओं से जुड़ी रहती थी, लेकिन वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद प्रदेश में अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति लागू की गई। आज कानून-

व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अपनाई गई बुलडोजर नीति की चर्चा देश-विदेश में हो रही है।

कार्यक्रम में विधायक ठाकुर धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि पूर्व की सरकारों के समय जेवर क्षेत्र के किसानों पर गोलियां तक चलाई जाती थीं, लेकिन अब भाजपा सरकार की विकासपरक नीतियों और किसानों के सहयोग से क्षेत्र तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जेवर आज पूरे विश्व के मानचित्र पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर रहा है।

उन्होंने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों को स्थानीय जनता के लिए नए अवसरों का द्वार बताते हुए कहा कि आने वाले समय में जेवर क्षेत्र पर्यटन, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरेगा।

60 से 80 करोड़ की साइबर ठगी की साजिश नाकाम, विदेशी गिरोह के 2 आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की साइबर क्राइम थाना, नॉलेज पार्क थाना और मेरठ जोन की साइबर कमांडो टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध से जुड़े एक बड़े मॉड्यूल का पदार्फाश किया है। कार्रवाई के दौरान विदेशी नागरिकता के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जो कुख्यात साइबर थ्रेट एक्टर सोलर स्पाइडर से जुड़े बताए जा रहे हैं।

पुलिस को खुफिया इनपुट मिला था कि यह गिरोह पिछले एक सप्ताह से सक्रिय होकर कुछ को ऑपरेटिव बैंकों की साइबर सुरक्षा में मौजूद कमजोरियों का फायदा उठाने की योजना बना रहा है। जांच में सामने आया कि आरोपी बैंकिंग सिस्टम की वल्नरेबिलिटी का इस्तेमाल कर करीब 60 से 80 करोड़ तक की रकम अवैध रूप से म्यूल खातों में ट्रांसफर करने और बाद में उसे क्रिप्टो करेंसी के जरिए विदेश भेजने की तैयारी में थे।

इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए

इस सक्रिय मॉड्यूल को ध्वस्त कर दिया और दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि 07 से 08 मार्च के सप्ताहांत के दौरान गुजरात स्थित एक को ऑपरेटिव बैंक से करीब ₹7 करोड़ की साइबर ठगी की गई थी। आरोपी जानबूझकर ऐसे ट्रांजेक्शन सप्ताहांत में करते थे, जब बैंक बंद रहते हैं, ताकि बैंक प्रबंधन या ग्राहकों को धोखाधड़ी का पता चलने से पहले ही पैसे ट्रांसफर किए जा सकें। जांच के दौरान पुलिस टीम ने तुरंत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4 सी) और संबंधित बैंकों को सतर्क कर दिया। समय रहते अलर्ट जारी होने से कई करोड़ रुपये की संभावित अतिरिक्त धोखाधड़ी को रोका जा सका।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी कुख्यात साइबर थ्रेट एक्टर सोलर स्पाइडर से जुड़े हुए हैं, जो पहले भी इस तरह के बड़े साइबर हमलों में शामिल रहा है। उल्लेखनीय है कि इसी थ्रेट एक्टर से जुड़े एक अन्य मॉड्यूल को वर्ष 2025 में भी गौतमबुद्धनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस घटना को देखते हुए पुलिस द्वारा को ऑपरेटिव बैंकों के लिए एक विशेष एडवाइजरी भी जारी की जा रही है। इसमें बैंकों को अपने साइबर सुरक्षा सिस्टम को मजबूत करने, तकनीकी कमजोरियों की नियमित समीक्षा करने और निगरानी तंत्र को और सुदृढ़ बनाने की सलाह दी गई है। प्रारंभिक जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि इस साइबर नेटवर्क के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन हैं और इसके तार नाइजीरिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में सक्रिय साइबर अपराध गिरोहों से जुड़े हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की गहन जांच में जुटी हुई है।

नोएडा फैक्ट्री आग हादसा: जिलाधिकारी ने अस्पताल पहुँचकर घायलों का जाना हाल, बेहतर इलाज के दिए सख्त निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा के सेक्टर 4 स्थित बिजली मीटर बनाने वाली कंपनी में लगी आग की घटना में घायल हुए लोगों से जिलाधिकारी ने जिला अस्पताल सेक्टर 39 पहुँचकर मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती सभी घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा चिकित्सकों को निर्देश दिया कि सभी घायलों का उपचार प्राथमिकता और संवेदनशीलता के साथ किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि उपचार के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को यह भी निर्देश दिए कि घायलों के उपचार से संबंधित पूरी जानकारी समय समय पर जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए, ताकि इलाज की प्रगति पर लगातार निगरानी रखी जा सके।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि घायलों की स्थिति की जानकारी उनके परिजनों को भी समय पर दी जाए, जिससे परिवार के लोगों को किसी प्रकार की परेशानी या अनिश्चितता का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने अस्पताल प्रशासन को यह भी निर्देशित किया कि आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम से भी लगातार निगरानी कराई जाए। जिलाधिकारी ने अस्पताल में मौजूद घायलों के परिजनों से भी मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा सभी घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय राणा, पुलिस अधिकारी एवं संबंधित चिकित्सक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान : बैंको में लम्बित आवेदनों का 25 मार्च तक होगा निस्तारण - डीएम

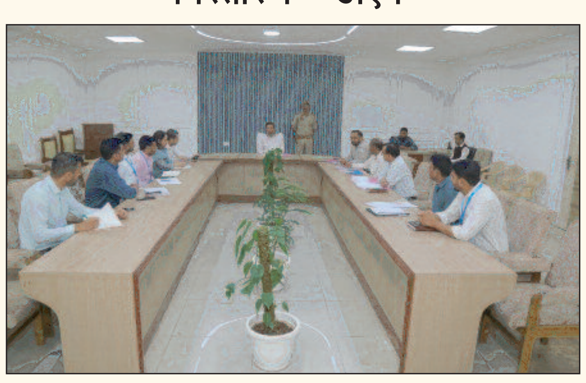

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत बैंको में लम्बित आवेदनों के निस्तारण के सम्बन्ध में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ की अध्यक्षता में महात्मा गाँधी सभागार कलैक्ट्रेट में समीक्षा बैठक आहूत हुई। जीएमडीआईसी ने अवगत कराया गया कि उत्तरप्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजनान्तर्गत जनपद गाजियाबाद को 2000 आवेदन का लक्ष्य प्राप्त है, जिसके सापेक्ष आपकी बैंक शाखाओं को आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति एवं लम्बित आवेदन 635 हैं, जो कि बैंक ऑफ बडौदा, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक, आईडीबीआई, इण्डियन बैंक, इण्डियन ओवरसीज बैंक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, यूको बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूपी ग्रामीण बैंक के हैं। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने सभी बैंक के उक्त आवंटित लक्ष्यों के लोन स्वीकृति एवं वितरण कार्य का समय जाना गया, जिसमें सभी बैकों के प्रतिनिधियों ने 20 मार्च से 25 मार्च तक शतप्रतिशत लोन ऋण वितरण कर दिया जायेगा। बैठक में सम्बंधित विभाग के अधिकारी व बैकर्स उपस्थित रहे।

29 मार्च को दादरी में गूंजेगा सपा का शक्ति प्रदर्शन, अखिलेश यादव करेंगे समाजवादी सामान्य भाईचारा रैली को संबोधित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी 29 मार्च को दादरी में समाजवादी सामान्य भाईचारा रैली का आयोजन करने जा रही है। रैली को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव संबोधित करेंगे। आयोजकों के अनुसार इस रैली में उत्तर प्रदेश के 32 जिलों की 140 विधानसभा क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। इसे 2027 के विधानसभा चुनाव का शंखनाद बताया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में रैली के आयोजक राजकुमार भाटी ने बताया कि रैली में सर्वधर्म, सर्वजाति और सर्व समाज के लोग भाग लेंगे, लेकिन इसमें सबसे अधिक संख्या पीडीए समाज की होगी। पीडीए में पिछड़ा, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और आधी आबादी के साथ सामान्य वर्ग के वे लोग भी शामिल हैं, जो मौजूदा शासन में खुद को पीड़ित और उपेक्षित महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि रैली के व्यवस्थापन की जिम्मेदारी गुर्जर समाज संभालेगा। इस आयोजन से गुर्जर समाज को उत्तर प्रदेश की

राजनीति में एक नई पहचान मिलने की उम्मीद है। राजकुमारी भाटी के अनुसार इस रैली की तैयारियां अगस्त 2025 से लगातार चल रही हैं। अब तक 50 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में पीडीए चौपाल आयोजित की जा चुकी हैं। इन चौपालों के माध्यम से पिछड़े वर्गों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने के साथ साथ रैली को सफल बनाने के लिए अलग अलग क्षेत्रों में मजबूत टीमें भी गठित की गई हैं। जिला और विधानसभा स्तर पर रैली प्रभारी भी नियुक्त किए गए हैं। इस मौके पर गौतमबुद्ध नगर के जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि दादरी में होने वाली यह रैली ऐतिहासिक साबित होगी। रैली को लेकर पार्टी कार्यकताओं में भारी उत्साह है और संगठन ने इसे सफल बनाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। पदाधिकारियों को अलग अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उनका कहना है कि इस रैली के बाद प्रदेश में परिवर्तन की लहर तेज होगी और एक बार फिर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भाटी, चौधरी गजराज नागर, पूर्व जिला अध्यक्ष इंदर प्रधान, वीर सिंह यादव, फकीर चंद नागर, डॉ. महेंद्र नागर, सुनील चौधरी, महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता, सुनील भाटी देवटा, नरेंद्र नागर, कृशांत भाटी, देवेंद्र टाइगर, विकास जतन भाटी, विनोद लोहिया, विकास यादव, नवीन भाटी, अक्षय चौधरी, विक्रम टाइगर, सुभाष भाटी, अनूप तिवारी, हरीश खारी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरकारी आश्वासन समिति की बैठक सम्पन्न, जिला अस्पताल व निकिता ग्रीनटेक प्लांट का किया निरीक्षण

शामली (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश विधानसभा की सरकारी आश्वासन संबंधी समिति की बैठक नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में सभापति राजपाल सिंह बालियान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्य राम खिलाड़ी सिंह, फहीम इरफान, प्रभारी जिलाधिकारी/एडीएम सत्येन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह तथा मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान समिति ने परिवहन, चीनी एवं गन्ना उद्योग, वन एवं पर्यावरण, सिंचाई एवं जल संसाधन, कारागार, खेलकूद, पंचायती राज, बेसिक शिक्षा, राजस्व, माध्यमिक शिक्षा तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित लंबित आश्वासनों की समीक्षा की। इस दौरान विधानसभा में जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए तारांकित व अतारांकित प्रश्नों तथा नियम 51 के अंतर्गत प्रकरणों पर

विभागीय अधिकारियों से जवाब तलब किया गया।

समीक्षा के दौरान बेसिक शिक्षा अधिकारी को अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की मान्यता की जांच कराने के निर्देश दिए गए। वहीं गन्ना मूल्य भुगतान की समीक्षा करते हुए जिला गन्ना अधिकारी को चीनी मिलों द्वारा किसानों का शत प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए, जिसमें विशेष रूप से थानाभवन क्षेत्र पर ध्यान देने को कहा गया। जिला विद्यालय निरीक्षक को एकल विद्यालयों में नियमानुसार शिक्षकों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

परिवहन विभाग की समीक्षा में जनपद में बस अड्डा निर्माण के संबंध में जानकारी ली गई। अधिकारियों ने बताया कि भूमि उपलब्ध न होने के कारण निर्माण कार्य लंबित है। वहीं पिछले दो वर्षों में हुई सड़क दुर्घटनाओं में घायल व मृतक व्यक्तियों के परिजनों को मोटर वाहन अधिनियम के तहत मुआवजा दिलाने की जानकारी सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा दी गई। साथ ही जनपद में कारागार निर्माण के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया पूरी होने की भी जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने जिले में अपराध नियंत्रण के लिए की गई कार्रवाइयों से समिति को अवगत कराया।बैठक को संबोधित करते हुए सभापति राजपाल सिंह बालियान ने कहा कि अधिकारी केवल पत्राचार के माध्यम से औपचारिकता पूरी न करें, बल्कि व्यक्तिगत रुचि लेकर जनहित के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका है और हर पात्र व्यक्ति तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचना चाहिए। प्रभारी जिलाधिकारी ने समिति को आश्वस्त किया कि दिए गए निर्देशों का अक्षरशः पालन कराया जाएगा।

बैठक के उपरांत समिति के सभापति व सदस्यों ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पीएनसी वार्ड और पुरुष वार्ड का जायजा लिया तथा भर्ती मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। मरीजों ने बताया कि उन्हें समय पर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और मरीजों को सभी आवश्यक सुविधाओं का लाभ मिले।

इसके बाद समिति ने निकिता ग्रीनटेक रीसाइक्लिंग लिमिटेड, शामली का निरीक्षण किया। यहां उपचार संयंत्र, पेपर मशीन तथा विद्युत संयंत्र का अवलोकन कर संचालन संबंधी जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी, समिति अधिकारी, समीक्षा अधिकारी, प्रतिवेदक तथा आईआईए के अध्यक्ष विशाल, आशीष जैन, अशोक बंसल, आयुष बंसल, अभिनव बंसल और अभिषेक त्यागी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गैस वितरण में देरी पर फूटा लोगों का गुस्सा सड़क जाम कर किया हंगामा

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र स्थित एक गैस एजेंसी पर सिलेंडर वितरण में देरी से नाराज लोगों ने सड़क पर जाम लगाकर हंगामा कर दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर अपनी निगरानी में गैस सिलेंडरों का वितरण शुरू कराया। जानकारी के अनुसार टियाला गांव स्थित गैस एजेंसी पर सुबह से ही बड़ी संख्या में उपभोक्ता सिलेंडर लेने के लिए पहुंच गए थे। भीड़ अधिक होने और वितरण में लगातार देरी होने से लोगों में नाराजगी बढ़ने लगी। इसी बीच कुछ उपभोक्ताओं ने विरोध जताते हुए सड़क पर जाम लगा दिया, जिससे वहां अफरा तफरी का माहौल बन गया और आवागमन भी प्रभावित हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में गैस सिलेंडरों का वितरण व्यवस्थित तरीके से शुरू कराया गया, तब जाकर स्थिति सामान्य हो सकी।

कालाबाजारी की अफवाह से गैस उपभोक्ता परेशान, एजेंसियों पर लगी भीड़

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत और कालाबाजारी की अफवाहों के चलते गैस उपभोक्ता काफी परेशान दिखाई दे रहे हैं। गैस सिलेंडर लेने के लिए गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की भीड़ उमड़ रही है। एक एक सिलेंडर के लिए लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। गैस वितरकों का कहना है कि उनके पास गैस सिलेंडरों का पर्याप्त भंडार मौजूद है, लेकिन इंडियन ऑयल का सर्वर डाउन होने के कारण वितरण प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। इसी वजह से उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। बुधवार को भी गैस एजेंसियों पर सिलेंडर लेने के लिए उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लगी रहीं। नहटौर रोड स्थित इंडियन ऑयल (इंडेन) की नगीना गैस सर्विस के स्वामी मुंशी राम पाल और प्रबंधक विनोद कुमार ने बताया कि गोदाम में पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर मौजूद हैं, लेकिन इंडियन ऑयल का सर्वर डाउन होने के कारण उपभोक्ता ग्राहक सेवा नंबर पर गैस सिलेंडर बुक नहीं कर पा रहे हैं। इसके चलते कैश मेमो भी जनरेट नहीं हो पा रहे हैं, जिससे गैस वितरण में दिक्कत आ रही है। उन्होंने बताया कि जैसे ही सर्वर की समस्या दूर होगी, उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि प्लांट से वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति फिलहाल बंद है। इसके कारण होटल और रेस्टोरेंट संचालकों के सामने वाणिज्यिक गैस सिलेंडर को लेकर समस्या खड़ी हो गई है। उधर गैस की संभावित किल्लत को देखते हुए क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी आलोक कुमार और पूर्ति निरीक्षक नीरज कुमार ने संयुक्त रूप से नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के गैस एजेंसी संचालकों की बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रसोई गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और किसी भी उपभोक्ता को गैस की कमी नहीं होने दी जाएगी। बैठक में रश्मि गैस एजेंसी के स्वामी रामदयाल सिंह, इंडेन गैस एजेंसी के प्रबंधक विनोद कुमार के अलावा टांडा माईदास, रायपुर, बढ़ापुर और कोतवाली देहात सहित नगर व ग्रामीण क्षेत्र की विभिन्न गैस एजेंसियों के स्वामी और प्रबंधक मौजूद रहे।

अलविदा नमाज को लेकर एसीपी उपासना पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई लोगों के साथ बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अलविदा नमाज को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न करने के लिए मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में पुलिस लगातार बैठक का आयोजन करते हुए फ्लैग मार्च कर रही है, जिससे किसी भी तरह से माहौल को नहीं बिगाड़ा जाए। मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र कैला भट्ठा में शुक्रवार के दिन होने वाली अलविदा नमाज को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न करने के लिए सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर उपासना पाण्डेय ने क्षेत्र के लोगों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने सभी को सतर्क रहते हुए शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने इस दौरान सभी से कहा कि वह सभी सोशल मीडिया पर आने वाली भ्रामक पोस्ट पर ध्यान नहीं दे। अगर किसी को कोई भी भ्रामक पोस्ट मिलती है तो तुरंत पुलिस को सूचना दे। इसके अलावा क्षेत्र के अंदर कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु दिखाई दे तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। क्षेत्र के अंदर शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना सभी की नैतिक जिम्मेदारी, जिससे लॉ एंड ऑर्डर बना रहे। इस दौरान उन्होंने सख्त आदेश यह भी दिए कि अगर किसी भी उपद्र व्यक्ति ने सांप्रदायिक माहौल बिगड़ने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सबसे सख्त कार्यवाही की जाएगी। पुलिस की टीम लगातार ड्रोन कैमरे से जगह-जगह पर निगरानी कर रही है और सभी मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। सभी लोग मिलकर अलविदा नमाज को शांतिपूर्ण संपन्न कराने में पुलिस का सहयोग करें।

500 के नकली नोटों के साथ युवक गिरफ्तार

मोदीनगर (शिखर समाचार) भोजपुर पुलिस ने 500 रुपये के नकली नोटों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि फरीदनगर कस्बे का रहने वाला एक युवक बाजार में नकली करेंसी चला रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने दबिश देकर युवक को पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार युवक ने अपना नाम शोएब बताया। उसके पास से 500 रुपये के आठ नकली नोट बरामद किए गए। पूछताछ में शोएब ने बताया कि उसने दो हजार रुपये में मुरादनगर निवासी एक युवक से 500 रुपये के आठ नोट लिए थे। उस युवक ने उसे यह कहकर नोट दिए थे कि इन्हें बाजार में चला दो, बाद में उसे दो हजार रुपये और दे दिए जाएंगे। पुलिस का कहना है कि शोएब की गिरफ्तारी के बाद मुरादनगर निवासी उस युवक की तलाश की जा रही है, जिसने उसे नकली नोट दिए थे। मामले में आगे की जांच जारी है

संपादकीय

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव : वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर मंडराता नया संकट

पश्चिम एशिया का सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक बार फिर वैश्विक चिंता का केंद्र बन गया है। हाल के दिनों में ईरान द्वारा इस मार्ग से गुजरने वाले कुछ तेल टैंकरों की आवाजाही रोकने और उन पर निगरानी बढ़ाने की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार, वैश्विक व्यापार और कूटनीतिक संतुलन को अस्थिर कर दिया है। यह समुद्री मार्ग दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की धुरी माना जाता है और यहां किसी भी प्रकार का तनाव केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव पैदा करता है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या दुनिया एक और ऊर्जा संकट की ओर बढ़ रही है और यदि हां तो इससे निपटने की तैयारी कितनी मजबूत है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला एक संकरा लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। वैश्विक स्तर पर समुद्री मार्ग से होने वाले तेल परिवहन का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे तेल उत्पादक देशों का कच्चा तेल इसी मार्ग से होकर एशिया, यूरोप और अन्य हिस्सों तक पहुंचता है। अनुमान है कि दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। इसलिए जब भी इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, उसका सीधा असर अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखाई देता है।

ईरान का यह कदम अचानक नहीं माना जा सकता। पिछले कुछ वर्षों से पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव लगातार बढ़ता रहा है। ईरान और पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर लंबे समय से विवाद चलता रहा है। इस विवाद के चलते ईरान पर कई प्रकार के आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनसे उसकी अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। ऐसे में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग का इस्तेमाल वह अपने रणनीतिक दबाव के साधन के रूप में करता रहा है। जब भी क्षेत्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसके खिलाफ दबाव बढ़ता है, वह इस मार्ग को लेकर सख्त रुख अपनाने की चेतावनी देता है।

वर्तमान स्थिति भी इसी व्यापक राजनीतिक संदर्भ का हिस्सा दिखाई देती है। यदि वास्तव में तेल टैंकरों की आवाजाही में व्यवधान पैदा होता है तो इसका सबसे बड़ा असर ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों पर पड़ेगा। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देश अपने तेल आयात का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से प्राप्त करते हैं। ऐसे में इस समुद्री मार्ग में किसी भी तरह की बाधा उनके ऊर्जा सुरक्षा तंत्र को सीधे प्रभावित कर सकती है। भारत जैसे देश के लिए यह चिंता और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

ऊर्जा बाजार में अस्थिरता का असर केवल पेट्रोल और डीजल की कीमतों तक सीमित नहीं रहता। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर परिवहन, उद्योग, कृषि और रोजमर्रा की वस्तुओं की लागत पर भी पड़ता है। यदि तेल महंगा होता है तो महंगाई बढ़ती है और आर्थिक विकास की गति प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक बाजारों को तुरंत प्रभावित करता है और निवेशकों में अनिश्चितता पैदा करता है।

~ मौलिक चिंतन ~

मन अस्वस्थ हो, तो स्वस्थ तन भी निष्क्रिय होने लगता है।

© विनय संकोची

बदलता नेपालः बालेन शाह का उभार और भारत के लिए कूटनीतिक संदेश

दिलीप कुमार पाठक

नेपाल की राजनीति आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहाँ पुरानी पीढ़ी का सूर्यास्त और एक नई, तकनीक-प्रेमी युवा पीढ़ी का उदय साफ देखा जा सकता है। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह यानी बालेन शाह का जिस तरह से पूरे नेपाल में प्रभाव बढ़ा है, उसने न केवल वहां के पारंपरिक राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी है, बल्कि दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। नेपाल की जनता, विशेषकर युवा वर्ग, अब शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और प्रचंड जैसे पुराने चेहरों के सिंडिकेट राज से ऊब चुका है। बालेन शाह की बढ़ती लोकप्रियता केवल एक व्यक्ति की जीत नहीं है, बल्कि यह नेपाल की उस व्यवस्था के खिलाफ एक जनाक्रोश है, जो दशकों से भ्रष्टाचार और अस्थिरता की शिकार रही है।

इस बदलाव की पृष्ठभूमि में पिछले कुछ समय से चल रहे जन-आंदोलन और सोशल मीडिया की ताकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नेपाल का युवा अब रोजगार, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रशासन चाहता है। बालेन शाह ने मेयर के रूप में जिस तरह से काठमांडू की सड़कों, कचरा प्रबंधन और अतिक्रमण पर काम किया, उसने उन्हें एक मैजिक मैन की छवि दे दी है। वे पेशे से स्ट्रक्चरल इंजीनियर हैं और उनका गवर्नेंस मॉडल जज्बातों से ज्यादा आंकड़ों और समाधान पर आधारित है। यही कारण है कि आज नेपाल के गांव-गांव में उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का आधार मजबूत हो रहा है। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में यदि वे देश की कमान संभालते हैं, तो नेपाल की आंतरिक और विदेश नीति में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को मिलेंगे। बालेन शाह के विजन का एक बड़ा हिस्सा नेपाल को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और खाड़ी देशों में हो रहे युवाओं के भारी पलायन को रोकना है। वे अक्सर अपनी तकरीरों में नेपाल की जल-विद्युत क्षमता और पर्यटन को भारतीय बाजार से जोड़ने की बात करते हैं, लेकिन एक समान साझेदार की शर्त पर। भारत के लिए यह एक रणनीतिक चुनौती है कि वह नेपाल की इस नई आर्थिक महत्वाकांक्षा को अपने नेबरहुड फर्स्ट विजन में कैसे फिट करता है। यदि बालेन शाह सत्ता के शीर्ष पर पहुँचते हैं, तो सीमा सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भारत को एक ऐसा साथी मिल सकता है जो तकनीकी निगरानी और आधुनिक प्रबंधन में विश्वास रखता है। नेपाल का नया नेतृत्व अब केवल सहायता नहीं, बल्कि सार्थक निवेश और तकनीकी हस्तांतरण की मांग कर रहा है, जो भारत के लिए अपनी कूटनीतिक शैली बदलने का संकेत है। भारत के लिए नेपाल का यह नया नेतृत्व एक पहेली जैसा है। बालेन शाह की छवि एक प्रखर और कभी-कभी आक्रामक राष्ट्रवादी की रही है। उन्होंने मेयर रहते हुए काठमांडू में भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने जैसा कड़ा फैसला लिया था और अपने दफ्तर में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगाकर अपनी राजनीतिक लकीर खींच दी थी। उनकी नीति स्पष्ट रूप से नेपाल फर्स्ट की है, जिसका मतलब है कि वे किसी भी पड़ोसी देश के प्रभाव में दबकर काम नहीं करेंगे। ऐसे में नई दिल्ली को अब एक ऐसे नेतृत्व से संवाद करना होगा जो पुरानी कूटनीतिक मयार्दाओं के बजाय सीधे और बेबाक फैसलों में यकीन रखता है। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह बालेन शाह के राष्ट्रवाद को किस तरह एक रचनात्मक सहयोग में बदलता है, हालांकि, इस सिक्के का एक दूसरा और सकारात्मक पहलू भी है। बालेन शाह ने अपनी उच्च शिक्षा भारत से पूरी की है। वे भारतीय समाज की बारीकियों, यहाँ की लोकतांत्रिक व्यवस्था और दोनों देशों के बीच के रोटी-बेटी के रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ा अवसर हो सकता है क्योंकि एक पढ़ा-लिखा और विजनरी नेतृत्व चीन के कर्ज जाल और उसकी विस्तारवादी नीतियों के खतरों को बेहतर समझता है। भारत अब नेपाल के साथ जल-विद्युत परियोजनाओं, डिजिटल कनेक्टिविटी और व्यापारिक समझौतों पर अधिक पारदर्शी और तकनीकी धरातल पर बात कर सकता है। बालेन जैसे नेता पुरानी फाइलों के बजाय डिलीवरी पर जोर देते हैं, जो भारत के निवेश के लिए एक अच्छा संकेत है।

आने वाले समय में भारत-नेपाल संबंधों की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि नई दिल्ली इस बदलाव को कितनी संजीदगी से लेती है। भारत को अब अपनी बिग ब्रदर वाली पुरानी छवि को पीछे छोड़कर नेपाल के इस नए और स्वाभिमानी नेतृत्व के साथ एक समान साझेदार की तरह पेश आना होगा। खुली सीमा के कारण होने वाली सुरक्षा चुनौतियां और सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर अब केवल आश्वासनों से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस और सम्मानजनक समाधान ढूंढने होंगे। नेपाल की सड़कों पर गूंजता बालेन शाह का नाम दरअसल एक बदलते और आधुनिक नेपाल की पुकार है। भारत के पास मौका है कि वह इस नई ऊर्जा का साथी बने और हिमालयी क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का एक नया अध्याय लिखे।

साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देता पवित्र माह-ए-रमजान

निर्मल रानी

पूरे विश्व में इन दिनों मुसलमानों की इबादत का पवित्र महीना रमजान पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इस बात से सभी भलीभांति परिचित हैं कि धार्मिक नियमों व रीति रिवाजों का अनुपालन करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के पूरे महीने के दौरान दिन भर रोजा (व्रत) रखते हैं और सारा दिन खाना पानी कुछ भी ग्रहण नहीं करते। सूर्योदय से पूर्व सहरी खाकर सूर्यास्त के बाद इफ़्तारी कर रोजदार लोग अपना रोजा खोलते हैं। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोग मस्जिदों या अपने अपने घरों में इबादत भी करते हैं। भारत में प्रत्येक वर्ष रमजान के दौरान हिन्दू, मुस्लिम और सिख समुदायों के बीच एकता की कई हृदयस्पर्शी व प्रेरणादायक मिसालें देखने को मिलती हैं। ऐसी मिसालें निश्चित रूप से हमारे देश के भाईचारे, आपसी सहयोग और मुहब्बत का प्रतीक हैं। कहीं हिन्दू तो कहीं सिख रोजा इफ़्तार करते हैं। तो कहीं मंदिर में इफ़्तारी कर मुस्लिम भाइयों को कोई पंडित जी रोजा खुलवाते हैं। कहीं मुस्लिम लोग कुरआन की तरावीह (नमाज -इबादत) छोड़ कर पड़ोसी हिन्दू भाई के घर में लगी आग बुझाने पहुँच जाते हैं तो कहीं हिन्दू भाई बहन रोजा रखकर मुहब्बत का पैगाम देते हैं। जस्टिस मारकण्डे काटजू सहित देश के अनेक गैर मुस्लिम बुद्धिजीवी रमजान के दौरान प्रतीकात्मक रूप से रोजा रखकर साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देते हैं।

उदाहरण के तौर पर राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर जैसे सीमावर्ती जिलों में एक हिन्दू परिवार के सदस्य माह -ए - रमजान में पांच रोजे रखते हैं। इसी तरह महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के एक गांव में 40-50 हिन्दू रोजा रखते हैं और नियमानुसार सहरी व इफ़्तार ग्रहण करते हैं। इन हिन्दू रोजदारों का कहना है कि यह उनके परिवारों की सदियों पुरानी परंपरा है। इसी तरह राजस्थान के सीकर जिले के कांवट गांव में हिन्दू-सिख परिवार मस्जिद में 15 दिनों तक इफ़्तार की दावत दे कर श्रद्धा,सद्भाव व प्रेम का सन्देश देते हैं। राजस्थान के कांवट में सिख परिवार भी हिन्दुओं संग मिलकर रोजदारों को भोजन कराते हैं। हिन्दू-मुस्लिम सौहार्द का ज्वलंत उदाहरण चेन्नई के मायलापुर स्थित सूफीदर मंदिर में देखने को मिलता है। यहाँ गत 40 वर्षों से रोजा रखने वालों के लिए इफ़्तार तैयार किया जाता है। यहाँ के पंडित और स्वयंसेवक मुस्लिम रोजदार भाइयों को इफ़्तार कराकर उन्हें रोजा खुलवाते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के इटावा के अमर सिंह शाक्य जैसे हिन्दू 22 वर्षों से पूरे 30 रोजे रखते आ रहे हैं । उधर उत्तर प्रदेश के रामपुर में ही इस बार मुस्लिमों ने रोजा रखते हुए अपने हिन्दू साथियों के साथ मिलकर होली भी मनाई। बेशक ऐसे आयोजन व गतिविधियां विभिन्न आस्थाओं के बीच आपसी विश्वास को बढ़ाती हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला फैसलाबाद में रात के समय एक हिन्दू व्यक्ति के घर में रखे गैस सिलेंडर से भीषण आग लग गयी। उस समय पास की एक मस्जिद में अनेक मुस्लिम भाई रोजा इफ़्तार के बाद तरावीह की नमाज अदा कर रहे थे। वे सभी पड़ोस से अचानक उठने वाले शोर शराबे से व्याकुल हुये। सभी मुस्लिम भाइयों ने नमाज तरावीह छोड़ दी और फौरन एक साथ मौके पर पहुंचकर न केवल आग बुझाने में मदद की बल्कि मस्जिद से पानी का भी पूरा उपयोग कर आग बुझाने में सफलता हासिल की। इन सबकी की मदद से ही आग पर काबू पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। इस इंसानियत भरी मिसाल ने हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे को और मजबूत किया। जहाँ मुस्लिम भाइयों ने अपनी इस सेवा को ही सच्ची इबादत बताया वहीँ हिन्दू पीड़ित परिवार ने भी यह कहा कि हम मुस्लिम भाइयों की इस इंसानियत को कभी नहीं भूलेंगे।

देश के विभिन्न भागों से रमजान के दौरान इस वर्ष साम्प्रदायिक सद्भाव की और भी अनेक खबरें सुनने व देखने को मिलीं। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सिख युवाओं ने लाल चौक पर रोजदारों को शरबत व पानी पिलाया तथा खजूर आदि वितरित कर उनके लिये इफ़्तार का प्रबंध किया। इसी तरह पंजाब के जीजी इंस्टीट्यूट में हिन्दू, मुस्लिम, सिख भाइयों ने एक साथ मिलकर रोजा इफ़्तार किया इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से नमाज अदा कर देश में अमन शांति व भाईचारे की दुआ माँगी। इन दिनों दिल्ली की रहने वाली नेहा भारती सोशल मीडिया के माध्यम से काफी लोकप्रिय हो रही हैं। वे पिछले 4 वर्षों से लगातार रमजान के पूरे महीने पुरानी दिल्ली की जामा मस्जिद के बाहर रोजदारों के लिए इफ़्तार का इंतजाम कर रही हैं। वह हर दिन लगभग लगभग 300 से 350 रोजदारों को इफ़्तार कराती हैं। नेहा भारती की श्रद्धा को इस बात से भी समझा जा सकता है कि वे इफ़्तार का सामान(पकवान) अपने घर पर अपने हाथों से ही तैयार करती हैं और शाम को उसे लेकर स्वयं जामा मस्जिद पहुंचती हैं और रोजदारों में वही इफ़्तारी पूरी श्रद्धा व सद्भाव के साथ वितरित करती हैं। नेहा के साथ उनके परिवार के सदस्य और अनेक मित्र भी इन सब में उनकी सहायता करते हैं। पूरे रमजान के दौरान वह रोजाना इफ़्तारी में अलग अलग तरह के पकवान बनाती हैं ताकि रोज इफ़्तार करने वालों को अलग अलग तरह के पकवान मिल सकें । नेहा के अनुसार यह पवित्र काम उन्हें खुशी व सुकून देता है और वह इसे लोगों के बीच भाईचारे और मोहब्बत का संदेश फैलाने का माध्यम मानती हैं। वह चाहती हैं कि अधिक से अधिक युवा ऐसे कामों से जुड़ें और समाज में सद्भाव का माहौल मजबूत हो।

हालाँकि देशभर में विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता व तमाम प्रमुख लोग साम्प्रदायिक सद्भाव का प्रदर्शन करने के लिये रमजान में सांकेतिक रोजा इफ़्तार पार्टी का आयोजन कर मीडिया में सुर्खियां बटोर कर अपने दायित्व की इतिश्री समझते हैं। परन्तु हमारे देश में साम्प्रदायिक शक्तियों की सक्रियता के बावजूद देश भर में स्वभाविक रूप से एक दूसरे धर्मों का सम्मान करने उनके त्योहारों व रीति रिवाजों में शामिल होने का वह जज्बा मौजूद है जिसे कोई भी दल,सत्ता,संगठन या विचारधारा कभी भी समाप्त नहीं कर सकते। यही सद्भावपूर्ण वातावरण यह प्रमाणित करने के लिये काफी है कि यह देश राम-कृष्ण -रहीम -नानक - कबीर - व चिश्ती जैसे महान संतों व फकीरों का देश है और इसका स्वभाव हमेशा ऐसा ही रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

प्रहलाद सबनानी

श्री ट्रम्प द्वारा हाल ही के समय में लिए गए निर्णयों के चलते वैश्विक स्तर पर प्रारम्भ हुई उथल पुथल को कम करने के लिए आज विश्व के कई देश भारत की ओर ही देख रहे हैं क्योंकि भारत अपने आप को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाकर इस तरह की समस्याओं का हल निकालने का प्रयास कर रहा है एवं इस कार्य में भारत को कुछ सफलता प्राप्त होती हुई भी दिखाई दे रही है।

अमेरिका में 20 जनवरी 2025 को श्री डॉनल्ड ट्रम्प ने 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। श्री ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद से ही पूरी दुनिया में, विशेष रूप आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दी है। ट्रम्प ने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' - अमेरिका को पुनः महान बनायें - के नारे के साथ यह राष्ट्रपति चुनाव जीता था। अतः उन्होंने अमेरिका को एक बार पुनः विश्व के विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने का बीड़ा उठाया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ लगाने का निर्णय लेते हुए, इस निर्णय को शीघ ही लागू भी कर दिया। उनका सोचना था कि उनके इस निर्णय से विभिन्न उत्पादों के निर्यातक अमेरिका में इन उत्पादों को निर्यात करने के प्रति निरुत्साहित होकर इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ कर देंगे। इस कार्य को यदि धीमे धीमे एवं संरचित रूप से किया जाता तो सम्भव है कि पूरे विश्व में अफरा तफरी जैसा माहौल नहीं बनता। परंतु, ट्रम्प ने कुछ देशों (चीन, आदि) से विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी एवं अन्य देशों को भी लगातार इस प्रकार की धमकी देना प्रारम्भ कर दिया।

ट्रम्प ने भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया एवं 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ यह कहते हुए लगाया कि भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात करता है एवं इसे प्रसंस्कृत करने के उपरांत यूरोपीय देशों को पेट्रोल एवं डीजल के रूप में निर्यात करता है। इस प्रक्रिया में ट्रम्प ने यह निष्कर्ष निकाला भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल को खरीदने से रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले को बल मिलता है और भारत इस युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से फंडिंग कर रहा है। इस प्रकार, भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर दिनांक 27 अगस्त 2025 से 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है। इससे भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में हाहाकर मच गया एवं विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारत से अपने निवेश को निकाल रहे हैं।

श्री ट्रम्प अमेरिका में होने वाले विभिन्न वस्तुओं के आयात पर लगाए गए टैरिफ पर ही नहीं रुके बल्कि अपनी साम्राज्यवादी सोच को पुनः लागू करने के उद्देश्य को भी स्पष्ट रूप से झलका दिया। प्रभुतासम्पन्न देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में लाया गया एवं उन पर अमेरिका में मुकदमा चलाया गया। दरअसल, अमरीका की नजर वेनेजुएला के कच्चे तेल के अपार भंडार पर है। जिस पर अमेरिका अपना कब्जा स्थापित करते हुए इसके उपयोग पर अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। साथ ही, डेनमार्क के नियंत्रण में एक द्वीप, ग्रीनलैंड पर अमेरिका अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। इसी प्रकार की धमकियां, मेक्सिको, क्यूबा, ईरान आदि देशों को भी दी गई हैं।

श्री ट्रम्प के उक्त प्रकार के निर्णयों के चलते अब तो वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच आपसी सम्बंधो पर प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत भी अछूता नहीं रहा है एवं हाल ही के समय में भारत के अमेरिका के साथ सम्बन्धों में कुछ खटास आई है। अन्यथा, कुछ समय पूर्व तक भारत एवं अमेरिका एक दूसरे के रणनीतिक साझेदार माने जाते रहे हैं। विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार रहा है। भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात के मामले में भी अमेरिका प्रथम स्थान पर हैं। श्री ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लागू किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के उपरांत भारत का विदेश व्यापार कुछ हद तक विपरीत रूप से प्रभावित हुआ है। परंतु, भारत ने इस समस्या का हल निकालने की रणनीति पर तुरंत विचार करना प्रारम्भ किया एवं कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। ताकि, विशेष रूप अमेरिका को होने वाले वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्रीय पदार्थ, खिलौना उद्योग एवं चमड़ा उद्योग जैसे श्रम आधारित उद्योगों पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को तुरंत ही रोका जा सके अथवा कम किया जा सके। अन्यथा, की स्थिति में भारत में बेरोजगारी की समस्या एक ज्वलंत समस्या के रूप खड़ी हो सकती थी। भारत ने उक्त उत्पादों के निर्यात हेतु रूस, चीन, जापान, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के रूप में नए बाजार तलाशे एवं इन देशों को उक्त उत्पादों का निर्यात प्रारम्भ किया। वर्ष 2025 में भारत ने विदेशी व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए प्रमुख वैश्विक साझेदारों के साथ मौजूदा मुक्त व्यापार समझौतों पर गहन वाताओं और रणनीतिक अद्यतनों को अंतिम रूप देने का प्रयास किया है। वर्ष के अंत में, भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान एवं न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। इसके साथ ही, अफ्रीकी देशों एवं लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी प्रारम्भिक वाताओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। इसका परिणाम यह हुआ है कि नवम्बर एवं दिसम्बर 2025 माह में भारत से विभिन्न वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि दर को बनाए रखने में सफलता मिली है। सितम्बर एवं अक्टोबर 2025 माह में विशेष रूप से अमेरिका को भारत से होने वाले वस्तुओं के निर्यात पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ा था। 27 जनवरी 2026 को तो भारत ने यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देकर इतिहास ही बना डाला है। इस समझौते को 'मदर आफ ऑल डील्स' की संज्ञा दी जा रही है। यह मुक्त व्यापार समझौता 18 वर्षों के उपरांत सम्भव हो सका है। अब तो कनाडा के राष्ट्रपति भी मार्च 2026 माह में भारत आने वाले हैं एवं कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते के अंतिम रूप दिए जाने की प्रबल सम्भावना है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों का विश्व के अन्य देशों को सकारात्मक संदेश गया है। भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है। इससे, समझौता करने वाले देशों के नागरिकों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने की सम्भावनाएं प्रबल हो रही हैं क्योंकि इन देशों में आर्थिक प्रगति के तेज होने के चलते इन देशों में खुशहाली आने की सम्भावनाएं बन रही हैं। इस दृष्टि से विभिन्न देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण हाल ही के समय में बदला है एवं वे अब भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं। भारत एक युवा देश है एवं विभिन्न उत्पादों के लिए भारत एक विशाल बाजार के रूप में विश्व के सामने उपलब्ध है। विशेष रूप से इस धरा के दक्षिणी भाग के देश तो अब भारत के वैश्विक स्तर पर इन देशों का नेतृत्व करने के लिए श्रद्धा के भाव से उम्मीद भारी नजरों से देख रहे हैं।

उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत के सामने भी कुछ समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं। जैसे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में डालर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत का लगातार गिरते जाना। एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 92 रुपए के स्तर को भी पार कर गई है एवं वर्ष 2025 में भारतीय रुपए का लगभग 5 से 6 प्रतिशत के बीच अवमूल्यन हुआ है। दरअसल, यह समस्या, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी (शेयर) बाजार से लगातार अपने निवेश को निकालने के चलते खड़ी हुई है। इससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर जाने का सिलसिला बढ़ गया है। इस समस्या के हल हेतु भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा को बढ़ाने का प्रयास लगातार कर रहा है। साथ ही, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात को भी गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि भारत में अमेरिकी डॉलर के आने की मात्रा में वृद्धि हो। यदि भारत को इन प्रयासों में सफलता मिलती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होगा।

श्री ट्रम्प द्वारा हाल ही के समय में लिए गए निर्णयों के चलते वैश्विक स्तर पर प्रारम्भ हुई उथल पुथल को कम करने के लिए आज विश्व के कई देश भारत की ओर ही देख रहे हैं क्योंकि भारत अपने आप को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाकर इस तरह की समस्याओं का हल निकालने का प्रयास कर रहा है एवं इस कार्य में भारत को कुछ सफलता प्राप्त होती हुई भी दिखाई दे रही है। भारत के पास युवा शक्ति की बेजोड़ उपलब्धता है, विभिन्न क्षेत्रों में इनके कौशल को विकसित कर, भारत आज पूरे विश्व को श्रमबल उपलब्ध करा सकने की क्षमता रखता है और भारतीय सनातन संस्कृति को 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव के साथ, पूरे विश्व में फैला सकता है ताकि विभिन्न देशों में हो रहे संघर्षों को कम अथवा समाप्त किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

सदर थाना क्षेत्र में महिला ने की आत्महत्या, कमरे में पंखे से लटका मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के सदर थाना क्षेत्र में एक महिला ने आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। मेरठ के सदर थाना क्षेत्र में एक महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में आत्मघाती कदम उठाया। आसपास के लोगों को जब घटना का पता चला तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। साथ ही महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

शाहजहांपुर में हाईवे पर रोडवेज बस और कार की भीषण भिड़ंत, लखीमपुर के तीन युवकों की मौत

शाहजहांपुर , एजेंसी। शाहजहांपुर के अल्हागंज क्षेत्र में बुधवार सुबह कोहरे के कारण भीषण सड़क हादसा हो गया। बरेली-फर्रुखाबाद हाईवे पर रोडवेज बस और कार की टक्कर होने से तीन युवकों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। शाहजहांपुर के अल्हागंज थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। बरेली फर्रुखाबाद हाईवे पर सुगसुगी मोड़ से पहले रोडवेज बस और कार की आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार 30 वर्षीय अरुण, 32 वर्षीय ऋषभ और 30 वर्षीय संजय की मौत हो गई। तीन युवक लखीमपुर खीरी के थाना मोहम्मदी क्षेत्र के मुड़ा खालसा अमीन नगर के निवासी थे। दो लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, बुधवार सुबह करीब सात बजे बरेली डिपो की रोडवेज बस और कार के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार अरुण, ऋषभ और संजय की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अनिल और गौरव निवासी मूड़ा भाई छतौनिया, थाना हैदराबाद, जिला लखीमपुर खीरी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। बताया गया है कि सुबह के वक्त घना कोहरा था। आशंका है। कोहरे के कारण ही हादसा होने की आशंका जताई गई है। हादसे के बाद कुछ समय तक मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। थाना प्रभारी ओम प्रकाश ने बताया कि तहरीर आने पर रिपोर्ट दर्ज कर कारवाही की जाएगी।

हत्या के चार दशक पुराने केस की पत्रावली को दीमक ने किया चट

आजमगढ़, एजेंसी। मिली जानकारी के अनुसार, सत्र परीक्षण संख्या 313 वर्ष 1983, सरकार बनाम चन्द्रपाल राय व अन्य के मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 323, 302 और 452 के तहत मुकदमा थाना कोपागंज (तत्कालीन जनपद आजमगढ़, वर्तमान जनपद मऊ) में दर्ज किया गया था। अभिलेखपाल नीरज कुमार गुप्ता ने बताया कि इस मामले से संबंधित फौजदारी अपील संख्या 2301 वर्ष 1986, चंद्रपाल राय व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य उच्च न्यायालय में लंबित है। उच्च न्यायालय द्वारा 12 जनवरी 2018 को ई-मेल के माध्यम से उक्त सत्र परीक्षण की पत्रावली मांगी गई थी, जिसके अनुपालन में 7 मई 2018 को तत्कालीन सहायक अभिलेखपाल विजय प्रताप सिंह द्वारा चार नत्थियों के साथ पत्रावली उच्च न्यायालय भेजी गई। 12 जुलाई 2023 को उच्च न्यायालय की ओर से सूचित किया गया कि भेजी गई पत्रावली के अधिकांश दस्तावेज दीमक द्वारा क्षतिग्रस्त पाए गए हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि प्रकरण में संबंधित थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई जाए तथा उस समय पत्रावली के अभिरक्षक रहे अभिलेखागार के कार्यरत अथवा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की भूमिका की गहन विवेचना कराई जाए।कोतवाली प्रभारी यादवेंद्र पांडेय ने बताया कि जनपद न्यायाधीश के प्रशासनिक आदेश के अनुपालन में अभिलेखपाल (सिविल) नीरज कुमार गुप्त ने तहरीर दी थी। उनकी तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

रेडिएशन फॉग ने ढका आसमान

रात और दिन के तापमान में बदलाव, खाड़ी युद्ध से लू का खतरा

कानपुर, एजेंसी। मार्च में दिसंबर-जनवरी जैसी धुंध हो रही है। मंगलवार-बुधवार सुबह छह बजे दृश्यता सिर्फ 30 मीटर रही है, जबकि सामान्य दृश्यता 300 मीटर से अधिक होती है। साथ ही रात और दिन के तापमान में 15 डिग्री से अधिक अंतर आ गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा मौसम मानव और पशु दोनों के लिए अच्छा नहीं होता। हीट इंडेक्स भी बढ़ सकता है। मौसम का यह असर कानपुर मंडल, बुंदेलखंड, लखनऊ मंडल के हरदोई तक देखने को मिला है।

वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय का कहना है कि मार्च में दिन का तापमान 34.9 डिग्री तक पहुंच गया और धुंध बढ़ गई। इसे रेडिएशन फॉग कहते हैं। दिन में तेज धूप के कारण धरती गर्म हो जाती है और हवा में नमी बढ़ जाती है। रात में जब आसमान साफ होता है, तो धरती अपनी गर्मी अंतरिक्ष में तेजी से छोड़ती है जिससे सतह के पास की हवा अचानक ठंडी हो जाती है।

यह ठंडी हवा नमी को धारण नहीं कर पाती और वह पानी की छोटी बूंदों में बदलकर धुंध का रूप ले लेती है। मंगलवार को दिन में 34.9 डिग्री और रात में तापमान गिरकर 19.8 डिग्री तक आ गया। तापमान में 25.1 डिग्री के फर्क आने से वातावरण में जो अस्थिरता पैदा हुई, वह सुबह के समय धुंध का कारण बन गई। मार्च में सक्रिय होने वाले पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में नमी लेकर आते हैं। यह नमी जब रात की ठंडी हवा के संपर्क में आती है तो धुंध ज्यादा हो जाती है। उन्होंने बताया कि अगर हवा की गति बहुत कम या शांत है, तो धुंध बिखर नहीं पाती और सतह के करीब जमा रहती है। हवा में मौजूद धूल और धुएं के कण कंडेनसेशन न्यूक्लिआई का काम करते हैं। इन पर नमी आसानी से जम जाती है और धुंध अधिक घनी दिखने लगती है।

नगर के अलावा कानपुर मंडल के जिलों, बुंदेलखंड और लखनऊ मंडल के हरदोई जिले में भी धुंध छाई रही। यहां अधिकतम और न्यूनतम तापमान में अधिक फर्क देखने को मिला। इन जिलों में धुंध छाए रहने के कारण मंगलवार को दृश्यता 20 से 40 मीटर तक रही है। सीएसए के मौसम विभाग के तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि वेधशाला में सुबह की नमी 94 फीसदी दर्ज की गई है। अगले पांच दिन तक आसमान साफ रहेगा।

डॉ. पांडेय के मुताबिक, ईरान-इस्राइल संघर्ष का सीधा असर देश की जलवायु पर पड़ने की संभावना कम है लेकिन विशेषज्ञों ने इसके कुछ अप्रत्यक्ष प्रभावों की ओर इशारा किया है। उनका मानना है कि यदि युद्ध में भारी मात्रा में मिसाइलों और विस्फोटकों का उपयोग होता है तो वहां से उठने वाले धूल और धुएं के कण पछुआ हवाओं के साथ दिल्ली-एनसीआर तक पहुंच सकते हैं। कार्बन और धूल के कण वातावरण में फैलने पर तापमान का पैटर्न प्रभावित हो सकता है। इससे समुद्र और जमीन के बीच के तापमान का संतुलन बिगड़ेगा। इससे दक्षिण-पश्चिम मानसून की तीव्रता कम होने की आशंका रहेगी। वायुमंडलीय बदलावों से इस साल भीषण गर्मी और लू चलने की संभावना बढ़ सकती है।

63.57 करोड़ से कपसेठी-बाबतपुर मार्ग होगा सिक्सलेन, रिंग रोड पर जाम का दबाव कम

वाराणसी। इस काम के लिए शासन से मंजूरी मिल गई। जल्द शुरू टेंडर प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। पहली किस्त के में 6.30 करोड़ जारी होंगे। काशी से प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र और भदोही जिले के यात्रियों को बाबतपुर एयरपोर्ट तक पहुंचने में सहूलियत होगी।

बाबतपुर एयरपोर्ट तक सिक्सलेन सड़क बनाने की तैयारी तेज हो गई है। राजातालाब से हरहुआ के बीच रिंग रोड पर बनने वाली इस सड़क से जाम की समस्या कम होगी और आसपास के चार जिलों के लोगों को एयरपोर्ट तक पहुंचने में आसानी होगी। 63.57 करोड़ की लागत वाली परियोजना को शासन ने मंजूरी दे दी है।

बाबतपुर एयरपोर्ट तक बेहतर कनेक्टिविटी के लिए सिक्सलेन सड़क बनाने की योजना को शासन से स्वीकृति मिल गई है। राजातालाब से हरहुआ के बीच रिंग रोड पर बनने वाली इस सड़क के लिए कुल 63 करोड़ 57 लाख 56 हजार रुपये की लागत मंजूर की गई है।

परियोजना के तहत वर्ष 2025-26 में पहली किस्त के रूप में 6.30 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग के अनुसार, सड़क निर्माण के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस मार्ग के बनने से वाराणसी के साथ-साथ प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र और भदोही जिले के यात्रियों को बाबतपुर एयरपोर्ट तक पहुंचने में सहूलियत होगी।

वर्तमान में राजातालाब से हरहुआ के बीच रिंग रोड पर भारी वाहनों के चलते अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को हरहुआ चौराहे के पास आरओबी और अंडरपास के नीचे से गुजरना पड़ता है, जिससे कई बार लंबा जाम लग जाता है और लोगों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ता है।

बंद कमरे से आई भीषण सड़ांध, फंदे पर लटका मिला नवविवाहिता का सड़ा शव

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में गुजैनी थानाक्षेत्र के वरुण विहार में सोमवार शाम नवविवाहिता नीलम साहू (28) का सड़ा शव फंदे पर लटका मिला। पति की फोन कॉल न उठने पर पड़ोसी को भेजा गया, जिसने घर से बदबू आने की सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बरामद किया।

परिजन ने पति पर घरेलू कलह में हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। बर्रा विश्व बैंक एच ब्लॉक निवासी शुभम साहू ने बताया कि बहन नीलम ने 22 फरवरी 2025 को वरुण विहार निवासी अकाउंटेंट विनय राठौर से प्रेमविवाह किया था।

हत्या करने के बाद फंदे पर शव को लटकाया : बचपन में दोनों साथ पढ़े थे। आरोप लगाया कि विनय बहन को किसी न किसी बात पर प्रताड़ित करता था। शुक्रवार को विनय ने बहन की हत्या करने के बाद फंदे पर शव को लटकाया और कानपुर देहात स्थित सिकंदरा के पैतृक गांव बुधौली में मकान निर्माण कराने की बात कहकर चले गए।

कई बार कॉल की, लेकिन फोन नहीं रिसीव हुआ : दरवाजे के ऊपर इतनी जगह है कि कोई भी आसानी से कमरे में दाखिल हो सकता है। वहीं, हिरासत में लिए गए पति विनय राठौर ने पुलिस को बताया कि शनिवार और रविवार को पत्नी को कई बार कॉल की लेकिन फोन नहीं रिसीव हुआ। इस पर सोमवार को पड़ोसी को घर भेजकर बात कराने के लिए कहा।

पति को हिरासत में लिया, पूछताछ जारी : उसने दरवाजा अंदर से बंद होने की बात कहकर घर से भीषण सड़ांध आने की जानकारी दी। गुजैनी थाना प्रभारी राजन शर्मा ने बताया कि पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

एक दुल्हन, दो दूल्हे, फिर भी हाथ नहीं हुए पीले, दोनों ही बरात वापस लौटी; फिरा अरमानों पर पानी

मेरठ, एजेंसी। मुजफ्फरनगर जिले के खतौली इलाके के एक गांव में एक लड़की से शादी करने के लिए दो दूल्हे बरात लेकर पहुंच गए। घराती और बराती उलझे मसले को सुलझाने में जुटे थे, इस बीच चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम पहुंच गई। दिव्यांग किशोरी को वन स्टॉप सेंटर भेज दिया गया। उम्र का पेच फंसते ही दूल्हे लौट गए। मुजफ्फरनगर जिले के खतौली इलाके के एक गांव में शादी की तैयारियां दो बरात पहुंच जाने के कारण खटाई में पड़ गई। घराती और बराती उलझे मसले को सुलझाने में जुटे थे इसी बीच चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम पहुंच गई। दुल्हन की उम्र को लेकर विवाद बढ़ गया।

इस कारण दूल्हों को बिना फेरे लिए ही लौटना पड़ गया। वहीं, दुल्हन को वन स्टॉप सेंटर भेज दिया गया। चिकित्सीय परीक्षण के बाद दुल्हन की उम्र तय होगी। दुल्हन के पिता ने पुलिस को बताया कि बेटी की शादी छह माह पहले शामली के गांव बाबरी निवासी प्रदीप उर्फ अनिल के साथ तय की थी।

शादी से एक दिन पहले सोमवार को दूल्हे के भाई का निधन हो गया। बरात पर दूल्हे पक्ष ने कहा कि वह बताएंगे कि समय बढ़ाना है या बरात आएगी। इस बीच दूल्हे पक्ष की ओर से सोमवार को कोई अंतिम सूचना दुल्हन पक्ष को नहीं दी गई।

सोमवार शाम को ही रिश्ता तय किया : दुल्हन के बाबा मनोहर ने तैयारियों को देखते हुए मेरठ के थाना मेडिकल के गांव डिग्गी निवासी आकाश के साथ सोमवार शाम को ही रिश्ता तय कर दिया। शर्त रखी कि बरात मंगलवार को ही आएगी।

दुल्हन को नाबालिग बताते हुए चाइल्ड हेल्प लाइन को किया कॉल

मंगलवार को शामली और मेरठ से दोनों दूल्हे बरात लेकर पहुंच गए। इस दौरान हंगामे की स्थिति बन गई। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। कुछ लोगों ने बीच-बचाव कराने का प्रयास किया लेकिन बात नहीं बनी। इस दौरान किसी ने दुल्हन को नाबालिग बताते हुए चाइल्ड हेल्प लाइन को कॉल कर दी।

आयु प्रमाणपत्र नहीं दिखा पाए परिजन : चाइल्ड हेल्प लाइन प्रभारी सचिन कुमार, सुपरवाइजर भुवनेश्वर टीम के साथ गांव पहुंच गए। परिजन टीम को आयु प्रमाणपत्र नहीं दिखा सके। इसके बाद टीम दुल्हन को अपने साथ लेकर चली गई।

चाइल्ड हेल्प लाइन प्रभारी ने बताया कि लड़की को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा। फिलहाल जिला अस्पताल के वन स्टॉप सेंटर में रखा गया है। यहां पर ओसिफिकेशन टेस्ट से लड़की की उम्र तय होगी। इसके बाद दोबारा बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा।

उम्र का पेच फंसते ही लौट गए दूल्हे : दुल्हन की उम्र का पेच फंसते ही दोनों दूल्हे अपनी बरात लेकर लौट गए। शामली और मेरठ की बरात में सात-सात बराती आए थे। पुलिस ने कहा कि दोनों बरात वापस भिजवा दी गई है।

पूरा परिवार दिव्यांग, ग्रामीण कर रहे थे शादी : दुल्हन पक्ष का पूरा परिवार दिव्यांग है। माता-पिता के अलावा भाई-बहन भी दिव्यांग हैं। ऐसे में शादी की पूरी तैयारी आसपास के लोग ही कर रहे थे। अब उम्र का फैसला हो जाने के बाद ही शादी पर निर्णय होगा।

चार दिन में 53 मेगावाट बढ़ गया लोड, काशी में दो से तीन घंटे तक हो रही बिजली कटौती; परेशानी

वाराणसी। गर्मी की शुरुआत होते ही बिजली की खपत बढ़ने लगी है। इस कारण, अब बिजली की समस्याएं भी उत्पन्न हो रही हैं। फॉल्ट की शिकायतें विभाग में लगातार आ रही हैं, जिसका समाधान भी किया जा रहा है।पिछले चार दिन में जिले में बिजली की खपत 53 मेगावाट बढ़ गई है। 6 मार्च को जिले में 459 मेगावाट खपत थी, जो 09 मार्च को बढ़कर 512 मेगावाट पहुंच गई। इस कारण शहरी इलाकों में कहीं ट्रिपिंग हो रही है तो लो वोल्टेज के कारण एक फेस बिजली मिलने की समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा है। मंगलवार को बिजली के आने-जाने की समस्या बनी रही।

महेशपुर ब्लॉक रोड पर मंगलवार दिन में 1 बजे फॉल्ट हो गया। लोगों ने सूचना दी, लेकिन आपूर्ति बहाल करने में एक घंटे का समय लग गया।

शिवदासपुर में ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत के नाम पर दोपहर 2 बजे बिजली काटी गई, जो शाम 5 बजे के बाद बहाल हो सकी।

मंडुवाडीह डीपीएच के तहत शीलनगर कालोनी में दोपहर 1 बजे बिजली कट गई। मेन सप्लाई में फॉल्ट होने की वजह से 1 घंटे बाद आई। महमूरगंज, सिगरा-झूलेलालनगर कॉलोनी में 1.30 बजे फॉल्ट की वजह से बिजली गुल हो गई। शिवराजनगर कॉलोनी में एक ही फेस बिजली मिलने से कई घरों में न तो पंखा चल सका और न ही फ्रिज।

बिजली की बेहतर आपूर्ति के लिए ढीले तारों को टाइट करने और एबीसी लगाने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है, बावजूद इसके शहर में कई जगहों पर तार नीचे तक लटक रहे हैं। मंडुवाडीह डीपीएच के पीछे की कॉलोनी में कई जगह तार इस तरह लटक रहे हैं कि गेट खोलने पर बड़ी सतर्कता से लोग बाहर निकल पाते हैं।

इसी तरह की स्थिति रामनगर के मच्छरहट्टा इलाके में भी है। यहां घर की छत की बाउंड्री से ठीक सटे जर्जर तार जा रहे हैं। इसमें आए दिन करंट का खतरा बना रहता है।सारनाथ के पुरानापुल के दनियालपुर में तारों को दीवार के सहारे लटकाकर आपूर्ति दी जा रही है।

यूपी बार काउंसिल चुनाव: लखनऊ में तैयारियां पूरी, 20 बूथों पर होगा मतदान

लखनऊ, एजेंसी। यूपी बार काउंसिल चुनाव के लिए लखनऊ में तैयारियां पूरी हो गई हैं। यहां 20 बूथों पर मतदान होगा। 100 मीटर दायरे में प्रचार प्रतिबंधित रहेगा। आगे पढ़ें पूरी खबर...

पहले यह चुनाव 27 व 28 जनवरी को होना था, जो अव्यवस्था के कारण स्थगित हो गया था। अब संशोधित कार्यक्रम के तहत लखनऊ जिले में 11 से 15 मार्च तक मतदान कराया जा रहा है। प्रदेश के अन्य जिलों में मतदान की प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है। जिले के 26 हजार से अधिक अधिवक्ता इस चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

प्रदेश स्तरीय होने वाले इस चुनाव में सदस्य पद के लिए 333 अधिवक्ताओं ने नामांकन कराया था, लेकिन दो प्रत्याशियों के निधन के कारण अब 331 उम्मीदवार ही मैदान में बचे हैं। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न कराने के लिए हाईकोर्ट और उसके आसपास पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहेगा। मतदान स्थल के आसपास बैरिकेडिंग भी की गई है।

20 बूथों पर होगा मतदान : उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य पदों के लिए बुधवार हाईकोर्ट परिसर में होने वाले मतदान के लिए 20 बूथ बनाए गए हैं। मतदान के संबंध में निर्वाचन अधिकारी ने अधिवक्ताओं और प्रत्याशियों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सभी से निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की है।

मतदान के लिए आने वाले अधिवक्ताओं को अपना बार काउंसिल पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मतदाता सूची में नाम का मिलान होने के बाद ही उन्हें मतदान केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा।

गैस की कोई कमी नहीं, कालाबाजारी की तो होगी जेल, उपजिलाधिकारियों को दिए निर्देश

कानपुर, एजेंसी। एलपीजी गैस को लेकर कानपुर में बढ़ती अफवाहों और कालाबाजारी की शिकायतों के बीच जिला प्रशासन ने सख्त हो गया है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। एलपीजी सिलिंडरों का पर्याप्त स्टॉक होने की बात कही गई। डीएम ने चेतावनी दी कि घरेलू गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी की शिकायत मिलती है, तो सख्त कार्रवाई होगी।

पेट्रोलियम कंपनियों ने बताया कि जिले में कुल 11,44,075 सक्रिय गैस उपभोक्ता हैं। डीएम ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि बाजार में घरेलू सिलिंडरों की ब्लैक मार्केटिंग पर कड़ी निगरानी रखी जाए। गैस कंपनियां जिसकी बुकिंग पहले हो, उसे प्राथमिकता के आधार पर सिलिंडर दे।

पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य है

डीएम ने कहा कि सिलिंडरों की आपूर्ति सीधे उपभोक्ताओं के घर तक की जाएगी और डिलीवरी के समय ओटीपी प्रणाली अनिवार्य रहेगी। उपभोक्ताओं को सिलिंडर लेने के लिए गैस एजेंसी आने की जरूरत नहीं है। प्रतिनिधियों ने बताया गया कि जिले में 319 पेट्रोल पंप संचालित हैं और सभी पर पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य है।

स्टांप ड्यूटी बचाने के लिए महिला ने लगाई गजब की तरकीब, जांच में पकड़ा गया फर्जीवाड़ा

आगरा, एजेंसी। आगरा में महिला ने व्यावसायिक संपत्तियों को आवासीय दिखाकर बेटे के नाम दान करते समय स्टांप शुल्क में बड़ी चोरी की। जांच में 31 लाख रुपये की कमी सामने आने पर प्रशासन ने 7.75 लाख का जुर्माना और ब्याज वसूलने का आदेश दिया।

आगरा में एक महिला ने अपने बेटे के नाम दो संपत्तियां दान कर दीं। दान करते समय व्यावसायिक प्रयोग होने के बावजूद संपत्तियों को आवासीय श्रेणी का दिखाकर स्टांप चोरी की गई। जिलाधिकारी ने जब निबंधन और प्रशासनिक अधिकारियों से जांच कराई तो खेल पकड़ में आ गया। सहायक आयुक्त स्टांप और एडीएम (न्यायिक) की संयुक्त जांच में न्यायालय ने दो अलग-अलग मामलों में 31 लाख रुपये की स्टांप व निबंधन शुल्क की कमी पाई। उसे जमा कराने के साथ ही डीएम ने करीब 7.75 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगा दिया। मामला आगरा के बाईपुर मुस्तकिल और हरीपर्वत में पंचकुइयां रोड स्थित दो बेशकीमती जमीन के हस्तांतरण से जुड़ा है। दानदाता पुष्पा शर्मा ने चारू शर्मा और शची शर्मा के पक्ष में दान विलेख निष्पादित किए। स्टांप शुल्क में छूट का लाभ लेने के लिए दस्तावेजों में इन संपत्तियों को सामान्य आवासीय भूमि दर्शाया गया। हालांकि आवेदन संदिग्ध लगने पर सहायक महानिरीक्षक निबंधन ने प्रारंभिक जांच की।

जांच में सामने आया कि संपत्तियां मुख्य मार्ग एनएच-2 और पंचकुइयां सड़क पर स्थित हैं। जांच में मौके पर दो धर्मकांटे, गैरेज और कमरेनुमा दुकानें जैसी व्यावसायिक गतिविधियां संचालित मिलीं। हालांकि पक्षकारों ने रिपोर्ट को भ्रामक बताते हुए चुनौती दी। जिलाधिकारी के आदेश पर एडीएम (न्यायिक) ने जीपीएस फोटोग्राफी के साथ स्थलीय निरीक्षण किया तो व्यावसायिक निर्माण की दोबारा पुष्टि हुई।

इसी के बाद जिलाधिकारी न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि पक्षकारों ने धारा-27 का उल्लंघन कर बाजार मूल्य को प्रभावित करने वाले तथ्यों को छिपाया है।

आंखों में मिर्च झोंकने वाले बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़, एक के पैर में लगी गोली; तीन गिरफ्तार

आगरा, एजेंसी। किसान की आंखों में मिर्ची पाउडर डालकर 8 लाख रुपये लूटने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी फायरिंग में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि पुलिस ने नकदी, हथियार और बाइक बरामद की है। आगरा के थाना फतेहाबाद क्षेत्र के ग्राम पिन्नापुरा में 6 मार्च को तहसील से खेत बेचकर घर जा रहे चाचा-भतीजे की आंखों में मिर्ची पाउडर डालकर हुई लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।

पुलिस ने तीन बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। एसीपी फतेहाबाद अनिल कुमार ने बताया कि थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव पिन्नापुरा निवासी निहाल सिंह अपने चाचा बच्चू सिंह के साथ तहसील से खेत बेचकर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। तभी गांव से पहले अपाचे सवार तीन बदमाशों ने उनकी आंखों में मिर्ची पाउडर डालकर आठ लाख रूपये की लूट की घटना को अंजाम दिया गया था जिसमें पीड़ित किसान की तहरीर पर तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी की दर्ज की गई थी। इसी क्रम में फतेहाबाद, थाना डौकी पुलिस टीम तथा सर्विलांस/एसओजी टीम पूर्वी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मंगलवार की रात मुखबिर की सूचना पर प्रतापपुरा मोड़ भरापुर अंडरपास के पास से तीनों आरोपियों को घेर लिया।

एसबीआई और एमयूएफजी बैंक ने वित्तीय साझेदारी पर हस्ताक्षर किए

- दोनों बैंक भारतीय मिड-कॉर्पोरेट्स और एमएसएमई को जापानी कॉर्पोरेट नेटवर्क से जोड़ने में सहयोग करेंगे

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और जापान का एमयूएफजी बैंक ने रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह समझौता मुख्य रूप से विलय और अधिग्रहण (एमएंडए), विमानन और रियल एस्टेट फाइनेंस क्षेत्रों पर केंद्रित है। दोनों बैंक भारतीय मिड-कॉर्पोरेट्स और एमएसएमई को जापानी कॉर्पोरेट नेटवर्क से जोड़ने में सहयोग करेंगे। एसबीआई ने बताया कि नए आरबीआई दिशानिर्देशों के तहत उसकी ऋण देने की अधिकतम सीमा लगभग 94,000 करोड़ रुपए है। साझेदारी के तहत दोनों बैंक एमएंडए एडवाइजरी, ट्रेड फाइनेंस और रिटेल बैंकिंग सॉल्यूशंस पर सहयोग करेंगे। इसके अलावा, जापानी कॉर्पोरेट-आधारित संभावित आयात-निर्यात लेन-देन की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। एसबीआई की भारतीय बाजार में गहरी पकड़ और एमयूएफजी के वैश्विक नेटवर्क का संयोजन इस साझेदारी को खास बनाता है। दोनों बैंक अपनी पूरक क्षमताओं का उपयोग करके सीमा-पार पूंजी प्रवाह को आसान बनाएंगे। इससे न केवल नए वित्तीय अवसर उत्पन्न होंगे, बल्कि भारत और जापान की अर्थव्यवस्थाओं में स्थायी विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक जापानी ऋणदाताओं के साथ एमएंडए ˜फाइनेंसिंग पर चर्चा कर रहा था। एमयूएफजी बैंक के भारत और श्रीलंका क्षेत्रीय कार्यकारी ताकुया सेनो ने कहा कि भारत विश्व स्तर पर सबसे आकर्षक विकास बाजारों में से एक है। साझेदारी के माध्यम से, एमयूएफजी भारत में इनबाउंड निवेश और भारतीय कॉर्पोरेट्स के आउटबाउंड विस्तार दोनों का समर्थन करेगा।

टेक्सास में नई रिफाइनरी की घोषणा, रिलायंस के निवेश का दावा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 300 अरब डॉलर के करार का किया जिक्र

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टेक्सास के ब्राउंसे विले में नई रिफाइनरी स्थापित किए जाने की घोषणा की है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया कि इस परियोजना में ` रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के निवेश से लगभग 300 अरब डॉलर का करार किया गया है। इस निवेश के तहत ब्राउंजविल में एक बड़ी रिफाइनरी स्थापित करने की योजना बताई गई है। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस परियोजना को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। ट्रंप के अनुसार, इस रिफाइनरी का निर्माण अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग (एएफआर) नामक कंपनी द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना अमेरिका में पिछले लगभग 50 वर्षों में बनने वाली पहली नई रिफाइनरी होगी। ट्रंप का कहना है कि इस रिफाइनरी के शुरू होने से ऊर्जा निर्यात में वृद्धि होगी, बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे और आसपास के क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। यह घोषणा ऐसे समय में सामने आई है जब इंडिया और अमेरिका के बीच फरवरी 2026 में एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत भारत ने अगले पांच वर्षों में ईंधन सहित लगभग 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की मंशा जताई थी, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सकती है।

होर्मुज संकट के बीच भारत ने बढ़ाए वैकल्पिक ईंधन स्रोत

ईरान-अमेरिका-इजरायल तनाव से बंद हुआ होर्मुज मार्ग, भारत अन्य रास्तों से तेल-गैस मंगा रहा

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण रणनीतिक समुद्री मार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज बंद होने से भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है। इस स्थिति से निपटने के लिए भारत ने वैकल्पिक समुद्री मार्गों से कच्चा तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) मंगाने की व्यवस्था तेज कर दी है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि अगले कुछ दिनों में कच्चे तेल के दो कार्गो जहाज भारत पहुंचने वाले हैं, जबकि एलएनजी के दो अन्य जहाज भी रास्ते में हैं। उन्होंने कहा कि पहले भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज मार्ग से अलग रास्तों से आता था, जो अब बढ़कर करीब 70 प्रतिशत हो गया है। सरकार ने घरेलू जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तेल कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। 5 मार्च को जारी आदेश के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने एलपीजी उत्पादन लगभग 25 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। साथ ही पेट्रोकेमिकल उद्योग के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रोपेन और ब्यूटेन का उपयोग फिलहाल रोक दिया गया है ताकि घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है, जिनमें से करीब 90 प्रतिशत आपूर्ति सामान्यतः होर्मुज मार्ग से होती है। प्राकृतिक गैस की कुल खपत लगभग 18.9 करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन है, लेकिन भारत के प्रमुख एलएनजी आपूर्तिकर्ता कतर इनर्जी के उत्पादन रुकने से करीब 4.6 करोड़ मानक घन मीटर की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस बीच विदेश मंत्रालय के अनुसार संघर्ष क्षेत्र में एक वाणिज्यिक जहाज पर हमले में दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य लापता है। फिलहाल परे सियन गल्फ क्षेत्र में भारतीय झंडे वाले 28 जहाज और 700 से अधिक भारतीय नाविक मौजूद हैं। सरकार का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और घबराने की जरूरत नहीं है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर खतरा, एसएंडपी की चेतावनी

- भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार केवल 10 दिन की खपत के लिए पर्याप्त

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चेतावनी दी कि भारत की अर्थव्यवस्था ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से जोखिम में है। भारत अपने कच्चे तेल की लगभग 88 फीसदी जरूरतें आयात करता है और यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। देश में प्रतिदिन 58 लाख बैरल तेल की खपत होती है, जिसमें से 25-27 लाख बैरल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज मार्ग से आता है। एलपीजी और एलएनजी का भी एक बड़ा हिस्सा इसी मार्ग पर निर्भर है। भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार केवल 10 दिन की खपत के लिए पर्याप्त हैं, जबकि वाणिज्यिक भंडार 65 दिन का ही समर्थन कर सकता है। एलपीजी और एलएनजी का भंडार और भी कम है, क्रमशः केवल 25-30 दिन और 10-12 दिन की जरूरतें पूरी कर पाता है। सीमित भंडार के कारण, वैश्विक आपूर्ति संकट या कीमतों में उतार-चढ़ाव का प्रभाव सीधे देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। भारत समुद्री

मार्गों पर अत्यधिक निर्भर है, लेकिन कुछ विविधीकरण किया जा रहा है। रूस से 11 लाख बैरल प्रतिदिन का आयात जारी है, जबकि वेनेजुएला से हाल ही में 1.42 लाख बैरल प्रतिदिन का आयात फिर से शुरू हुआ। यह कदम आपूर्ति संकट के समय विकल्प प्रदान करने की दिशा में है। एसएंडपी का कहना है कि ऊर्जा आयात पर अधिक निर्भरता वाले एशियाई देशों में आर्थिक जोखिम अधिक है।

आईईए का ऐतिहासिक फैसला, 400 मिलियन बैरल तेल बाजार में रिलीज़

- कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने की संभावना

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में तनाव और कच्चे तेल की आपूर्ति पर दबाव के बीच इंटरनेशनल इनर्जी एजेंसी (आईईए) ने इतिहास में सबसे बड़ा कदम उठाया है। एजेंसी के 32 सदस्य देशों ने मिलकर 400 मिलियन बैरल कच्चा तेल रणनीतिक भंडार से बाजार में जारी करने का निर्णय लिया। यह आईईए द्वारा अब तक किया गया सबसे बड़ा ऑयल रिलीज़ है। विशेषज्ञों के अनुसार इस कदम से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने की संभावना है। आईईए के प्रस्ताव को मंगलवार को सदस्य देशों की बैठक में पेश किया गया और बुधवार को सभी 32 देशों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया। अगर कोई भी देश वीटो करता, तो प्रस्ताव पारित नहीं होता। अमेरिका और जापान इस पहल में सबसे बड़ा योगदान देंगे, जबकि यूरोपीय देशों और जर्मनी ने भी भागीदारी की पुष्टि की है। हाल ही में कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो चार साल का उच्चतम स्तर है। वैश्विक स्तर पर लगभग 20 मिलियन बैरल प्रतिदिन की सप्लाई बाधित होने का अनुमान है। आईईए सदस्य देश एक महीने में करीब 100 मिलियन बैरल तेल बाजार में उतारने की योजना बना रहे हैं, जिससे रोजाना लगभग 3.3 मिलियन बैरल तेल उपलब्ध हो सकेगा। इस कदम से ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में राहत मिलने की उम्मीद है। आईईए का मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में है और यह वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए रणनीतिक फैसले लेती है। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान आईईए ने 182 मिलियन बैरल तेल जारी किया था, लेकिन यह अब तक का सबसे बड़ा रिलीज़ है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

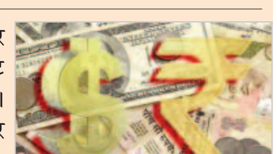

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.20 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 31 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.32 पर पहुंच गया। पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के कारण विदेशी पूंजी की निकासी, वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर के मजबूत रुख से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की कमजोर शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.25 पर खुला। फिर और गिरावट के साथ 92.32 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे कम है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.01 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.47 पर रहा।

अल्फाग्रेप को मिली सेबी से म्यूचुअल फंड कारोबार की मंजूरी

नई दिल्ली । निवेश कंपनी अल्फाग्रेप को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। इस कदम के साथ कंपनी खुदरा परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र में प्रवेश करेगी और आम निवेशकों को उन्नत निवेश उत्पादों तक पहुंच प्रदान करेगी। कंपनी का उद्देश्य है कि म्यूचुअल फंड के माध्यम से एल्गोरिदम और तकनीकी निवेश उपकरण को व्यापक निवेशकों तक पहुंचाया जाए। यह निवेश मुख्य रूप से उन उत्पादों पर आधारित होगा, जो अब तक संस्थागत निवेशकों और उच्च संपत्ति वाले व्यक्तियों के लिए ही सीमित थे। म्यूचुअल फंड इकाई का संचालन अल्फाग्रेप इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड करेगी। यह इकाई फरवरी 2026 तक अपने विशेष वैकल्पिक निवेश कोष और खंड प्रबंधन सेवाओं के प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक परिसंपत्तियों का प्रबंधन कर रही है। कंपनी का संचालन गिफ्ट सिटी में भी होता है। नए म्यूचुअल फंड कारोबार का फोकस परिमाणात्मक इक्विटी और मिश्रित निवेश रणनीतियों पर होगा। इसमें उन्नत गणितीय मॉडल, कृत्रिम मेधा (AI) और मशीन लर्निंग का उपयोग किया जाएगा। इसका उद्देश्य है निवेशकों को अधिक संगठित और रणनीतिक निवेश विकल्प प्रदान करना।

जीएसपी क्रॉप साइंस का 400 करोड़ का आईपीओ 16 मार्च को खुलेगा

नई दिल्ली । कृषि रसायन कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड का 400 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 16 मार्च को खुलेगा। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि आईपीओ के लिए 304-320 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। आईपीओ 16 मार्च को खुलेगा और 18 मार्च को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 13 मार्च को बोली लगा पाएंगे। अहमदाबाद स्थित इस कंपनी का आईपीओ 240 करोड़ रुपये के नए शेयर और 160 करोड़ रुपये के 50 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। नए निर्गम से हासिल 170 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल ऋण भुगतान के लिए किया जाएगा। एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए रखा जाएगा।कंपनी का शेयर 24 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है। जीएसपी क्रॉप साइंस एक अनुसंधान-केंद्रित कृषि रसायन कंपनी है। इसे भारत में कीटनाशकों, शाकनाशियों, कवकनाशी और पादप वृद्धि नियामकों के विकास एवं निर्माण में 39 वर्ष से अधिक का अनुभव है।

लखनऊ में एलपीजी संकट, चूल्हे बुझे, लकड़ी-कोयले की मांग बढ़ी

- शादियों और दावतों का बिगड़ा बजट, बड़े रेस्टोरेंट्स ने अपने मेन्यू को आधा किया

लखनऊ । नवाबों के शहर लखनऊ में एलपीजी (गैस) सिलेंडर की किल्लत ने आम जनता की परेशानियां बढ़ा दी हैं। शहर में गैस न मिलने के कारण घरों के चूल्हे बुझ गए हैं और लोग अब लकड़ी व कोयले पर खाना बनाने को मजबूर हैं। स्ट्रीट फूड वेंडर्स, ढाबा मालिक और टिफिन सेवाएं भी गैस की कमी से प्रभावित हैं। बाजार में लकड़ी और कोयले की मांग में 50-60 फीसदी की वृद्धि हुई है। पिछले दो दिनों में लगभग 450 नई मिट्टी की भट्ठियों की मांग दर्ज की गई है। शहर के बड़े रेस्टोरेंट्स ने अपने मेन्यू को आधा कर दिया है, केवल चुनिंदा व्यंजन ही बन पा रहे हैं। शादी-शादी में रोजाना 1200-1500 कार्यक्रमों के लिए कैटरर्स को लकड़ी की आग पर खाना पकाना पड़ रहा है। इससे न केवल समय बढ़ा है बल्कि लागत भी अधिक हुई है। हलवाई अब पारंपरिक चूल्हों का सहारा ले रहे हैं, जिससे ग्राहकों के लिए भोजन तैयार करने की प्रक्रिया धीमी हो गई है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र और पीजी में रहने वाले लोग भी प्रभावित हैं। इंडक्शन चूल्हों पर बड़े पैमाने पर खाना बनाने से भारी बिजली बिल का डर बना हुआ है। टिफिन संचालक चेतावनी दे रहे हैं कि यदि गैस की आपूर्ति नहीं हुई, तो उन्हें सेवाएं बंद करनी पड़ सकती हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं। जिला प्रशासन ने निगरानी बढ़ाई है और कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। ईंधन की कमी के कारण नगर निगम के वाहनों की सफाई व्यवस्था भी प्रभावित होने लगी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद , निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपये डूबे

सेंसेक्स 829 , निफ्टी 228 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कामजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 829 अंक टूटकर 76,034 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 228 अंक फिसलकर 23,639 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में इस गिरावट का एक कारण ब्रेंट क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचने के कारण भी आया है। इससे भी निवेशकों में घबराहट का माहौल है। आज बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकर पिछले सत्र के लगभग 450 लाख करोड़ रुपये से घटकर 440 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इससे निवेशकों के एक ही सत्र में 10 लाख करोड़ रुपये डूब गये।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी की कंपनियों में से सबसे ज़्यादा बढ़त कोल इंडिया के शेयरों में रही। इसमें 5.23 फीसदी की बढ़त रही जबकि एनटीपीसी में 2.81 फीसदी की बढ़त जबकि पावर ग्रिड में 1.61 फीसदी की बढ़त आई। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.47 फीसदी जबकि अडानी एंटरप्राइजेज में 1.39 फीसदी की बढ़त आई।

वहीं निफ्टी की कंपनियों में सबसे ज़्यादा गिरावट महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में रही। इसमें 4.33 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा क्वालिटी वॉल्स में 3.95 फीसदी जबकि आयशर मोटर्स में 3.92 फीसदी की गिरावट रही। मारुति सुजुकी में 3.61 फीसदी और बजाज फाइनेंस में 3.42 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो, ऑटो इंडेक्स 3 फीसदी से अधिक, एफएमसीजी में 1.7 फीसदी और प्राइवेट बैंक में 1.6 फीसदी गिरावट रही जबकि पावर और एनर्जी सेक्टर में 2.5फीसदी और 2फीसदी की बढ़त रही। ऑयल 3 गैस, मेटल और कैपिटल गुड्स में मामूली 0.5फीसदी की तेजी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.4फीसदी गिरा और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.7फीसदी नीचे आया। वहीं आज सुबह भारतीय शेयर बाजार

गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स सुबह 76,369 अंकों के स्तर पर खुला पर खुलते ही इसमें गिरावट बढ़ने लगी। इसी तरह निफ्टी 50 भी 23,674.85 अंकों पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह तेजी से नीचे फिसलकर 23,600 अंकों के स्तर से भी नीचे 274.35 अंक की गिरावट के साथ 23,592.50 अंकों पर कारोबार करता हुआ देखा गया। आज बाजार में गिरावट का मुख्य कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत एशियाई कारोबार के दौरान लगभग 8 फीसदी बढ़कर 100.18 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। तेल की कीमतों में तेजी से महंगाई बढ़ने और कंपनियों की लागत में वृद्धि की आशंका बढ़ जाती है, जिससे निवेशकों में सतर्कता देखी जाती है।

ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर के पार, ईरानी हमलों से हुआ महंगा

बैंकॉक । अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत बृहस्पतिवार तड़के 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। कुछ दिन पहले यह लगभग 120 डॉलर तक पहुंच चुकी थी, जिससे वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास वाणिज्यिक पोतों पर ईरानी हमलों के कारण आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमत में नौ प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। अमेरिका के मानक कच्चे तेल का दाम भी लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति में व्यवधान का असर सीधे तेल की कीमतों पर पड़ रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों से वैश्विक ऊर्जा बाजार और उपभोक्ताओं पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे ईंधन महंगा होने की संभावना है।

अमेरिका ने शुरू की भारत, चीन सहित कई व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ जांच

- विशेष रूप से जांच अतिरिक्त उत्पादन और संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका ने भारत, चीन, जापान, यूरोपीय संघ और अन्य प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301(बी) के तहत जांच शुरू की है। इस कदम का उद्देश्य उन विदेशी नीतियों और प्रथाओं का पता लगाना है, जो अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र पर नकारात्मक असर डाल रही हैं। विशेष रूप से यह जांच अतिरिक्त उत्पादन और संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है। जांच के दायरे में शामिल हैं- बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेक्सिको, नॉर्वे, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ताइवान, थाईलैंड और वियतनाम। यूएसटीआर जैमीसन ग्रीर ने कहा कि यह कदम अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र को विदेशी अतिरिक्त उत्पादन से बचाने और घरेलू रोजगार बढ़ाने के प्रयास का हिस्सा है। ग्रीर ने बताया कि कई देशों में उत्पादन घरेलू खपत से अधिक है, जिससे अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और निवेश बाधित हो रहा है। उन्होंने कहा` कि अमेरिका अब अपने औद्योगिक आधार को उन देशों के लिए बलिदान नहीं करेगा जो अतिरिक्त उत्पादन यहां निर्यात कर रहे हैं। यह पहल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को

अमेरिका में फिर से स्थापित करना और उच्च वेतन वाली नौकरियों का सृजन करना है। जांच शुरू करने से पहले अंतर-विभागीय धारा 301 समिति और सलाहकार समितियों से परामर्श लिया गया। अब अमेरिका को उन देशों के साथ परामर्श करना होगा जिनकी नीतियां जांच के दायरे में हैं। टिप्पणियां जमा करने की प्रक्रिया 17 मार्च 2026 से शुरू होगी और सुनवाई 5 मई से शुरू होगी।

अमेरिका करेगा पेट्रोल की कीमत कम करने के लिए तेल भंडार का इस्तेमाल- ट्रंप

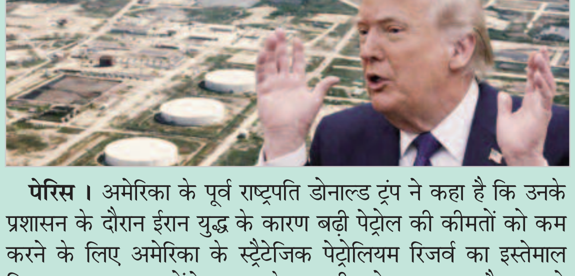

पेरिस । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके प्रशासन के दौरान ईरान युद्ध के कारण बढ़ी पेट्रोल की कीमतों को कम करने के लिए अमेरिका के स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने डब्ल्यूकेआरसी लोकल-12 चैनल को साक्षात्कार में बताया कि ÷हम इसे थोड़ा कम करेंगे और फिर कीमतें नीचे आएंगी। बाद में इसे फिर से भर देंगे। ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि भंडार से कितने बैरल तेल जारी होंगे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने पहले कई बार जो बाइडन के प्रशासन की आलोचना की थी, जो पेट्रोल की कीमतें कम करने के लिए इस भंडार का इस्तेमाल कर रहे हैं। स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व अमेरिका का आपातकालीन तेल भंडार है। इसे भू-राजनीतिक संकट, युद्ध या आपूर्ति रुकने की स्थिति में इस्तेमाल के लिए भूमिगत गुफाओं में संग्रहित किया जाता है।

सूर्यकुमार ने अभिषेक से कहा था, 8 बार शून्य पर आउट हुआ तो भी पारी शुरु करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर मुश्किल दौर से गुजर रहे खिलाड़ियों का बचाव करते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि टीम को खिताबी जीत मिल रही है। टी20 विश्कप में सूर्या ने खराब दौर से गुजर रहे युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का हौंसला बढ़ाया था। अभिषेक तीन मैच में लगातार शून्य पर आउट होने के कारण भारी दबाव में थे और उन्हें बाहर किये जाने की मांग उठ रही थी पर सूर्यकुमार ने किसी भी बात पर ध्यान नहीं दिया। इसी कारण अभिषेक ने फाइनल में 18 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। सूर्यकुमार के अनुसार उन्होंने इस बल्लेबाज से कहा था कि कि अगर वह 9 में से 8 मैचों में भी खाता नहीं खोल पाएगा तो भी उसे फाइनल में पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाएगा। इसी कारण अभिषेक का आत्मविश्वास बना रहा और वह निडर होकर फाइनल खेलने उतरे।

अभिषेक के लिए टूर्नामेंट की शुरुआत खराब रही थी। शुरुआत में पेट दर्द के कारण वह पहले मैच से बाहर रहे। इसके बाद के मैचों में वह तीन बार शून्य पर आउट हुए। इसी कारण पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने भी उन्हें फाइनल से बाहर करने को कहा था। गावस्कर का कहना था कि अभिषेक अपनी गलतियों से नहीं सीख रहे हैं और एक ही गलती को दोहरा रहे हैं। हालांकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिर भी उन्हें फाइनल में मौका दिया और अभिषेक ने उनके भरोसे को सही साबित करते हुए 18 गेंदों में ही टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया था।सूर्यकुमार ने कहा, ÷मैंने उससे कहा था, 'इस विश्व कप में 9 गेम हैं, भले ही आप उनमें से आठ में विफल हो जाएं, फिर भी मैं गारंटी लेता हूं कि आप फाइनल में पहली गेंद खेलोगे।'

टी20 विश्व कप के बाद गौतम गंभीर ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में टेका माथा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब गए और माथा टेका। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड पर 96 रन की शानदार जीत के बाद भारत ने रिकॉर्ड तीसरा पुरुष टी20 वर्ल्ड कप टाइटल जीतकर इतिहास रच दिया और टाइटल बचाने और इसे अपने देश में जीतने वाली पहली टीम बन गई।

उनका यह दौरा पूर्व भारतीय क्रिकेटर और TMC MP कीर्ति आजाद की आलोचनाओं के बीच हुआ है जिन्होंने रविवार को अहमदाबाद में टीम की जीत के बाद टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी को मंदिर ले जाने के लिए गंभीर समेत भारतीय लीडरशिप की आलोचना की थी। आजाद के कमेंट्स पर रिएक्ट करते हुए गंभीर ने कहा, ' लगता है कि इस सवाल का जवाब देना भी सही नहीं है। यह पूरे देश के लिए एक बड़ा पल है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह जरूरी है कि हम वर्ल्ड कप जीत का जश्न मनाएं और इसीलिए मैं कुछ बातें कहता हूं; कुछ बातों को उठाने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि ये बातें सिर्फ आपकी कामयाबी को कमजोर करेंगी। अगर आप उन 15 खिलाड़ियों की कामयाबी और उनकी कोशिशों को कमजोर करना चाहते हैं जो लड़कों के साथ सही नहीं है। अगर आप ऐसा बयान देते हैं, तो आप सचमुच अपने ही खिलाड़ियों और अपनी ही टीम को नीचा दिखा रहे हैं, जो नहीं किया जाना चाहिए।'

कीर्ति ने इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा कि कोई खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति का नहीं होता। कीर्ति आजाद ने कहा था, 'जब टीम इंडिया जीती जिसमें सभी धर्मों के लोग शामिल थे, तो 140 करोड़ लोग उत्साहित थे। एक खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति से नहीं बल्कि सिर्फ खेल से जुड़ा होता है। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं कहता हूं कि टीम इंडिया ने भारत को जिताया। टीम इंडिया जीती, और यह भारत के लोगों के लिए गर्व की बात है।'

भारत के हेड कोच के तौर पर गंभीर के पास अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025, एशिया कप 2025, और ञ20 वर्ल्ड कप 2026 के टाइटल हैं, साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के मेंटर के तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का टाइटल भी है। अपने खेलने के दिनों में टी20 वर्ल्ड कप, 50 ओवर का वर्ल्ड कप, एशिया कप और IPL जीतने के बाद दिल्ली में जन्मे इस खिलाड़ी ने अपने लिए कामयाबियों की एक लंबी लिस्ट बनाई है।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमें सुरक्षित रवाना : आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने गुरुवार को कहा कि पुरुष टी-20 विश्वकप अभियान समाप्त होने के बाद दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमें और उनके सहयोगी सदस्य सुरक्षित स्वदेश रवाना हो गई है। आईसीसी ने आज जानकारी दी है कि दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज टीम के सभी खिलाड़ी और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्य पूरी तरह से अपने घरों के लिए रवाना हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में, दक्षिण अफ्रीका के बाकी 29 सदस्य और वेस्टइंडीज के आखिरी 16 सदस्य अपने-अपने देशों के लिए उड़ान से रवान हो गये हैं, जिससे एक मुश्किल अभियान खत्म हो गया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण हमने ऑपरेशनल दिक्कतों से निपटने के लिए सरकारों, एयरलाइंस, चार्टर प्रोवाइडर्स, एयरपोट 'अथॉरिटीज और हमारे मेंबर बोर्ड्स के साथ लगातार काम किया है।

बाकी सभी खिलाड़ियों और स्टाफ के लिए आगे की सुरक्षित यात्रा पक्की करना हमारा एकमात्र मकसद था और हालात बदलने के साथ-साथ इसमें लगातार बदलाव करने की जरूरत पड़ी। आईसीसी ने कहा कि हम क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका, क्रिकेट वेस्टइंडीज और उनकी पूरी टीम को इस पूरे प्रोसेस में उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद देते हैं। इसके अलावा आईसीसी स्टाफ को भी धन्यवाद देते हैं जिन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत मेहनत की कि सभी खिलाड़ी, स्टाफ और उनके परिवार सुरक्षित घर पहुंच सकें।

टी20 वर्ल्ड कप : 'बैट उठाया, पानी पिलाया..', मोहम्मद सिराज के बयान ने जीता दिल, टीम स्पिरिट की दी मिसाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद पूरा देश जश्न में डूबा हुआ है। इस ऐतिहासिक जीत के बीच टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने मजाकिया अंदाज और शानदार टीम भावना से फैंस का दिल जीत लिया। प्लेइंग इलेवन का नियमित हिस्सा न होने के बावजूद सिराज ने टीम की सफलता को सबसे ऊपर रखा और अपने बयान से बता दिया कि असली टीम मैन किसे कहते हैं।

मोहम्मद सिराज का मजाकिया जवाब हुआ वायरल

टीम इंडिया की जीत के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बातचीत के दौरान सिराज से पूछा गया कि प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना निराशाजनक होता है, ऐसे में टीम की जीत में उनकी क्या भूमिका रही?

इस पर सिराज ने हंसते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, 'हम दोनों का बहुत बड़ा रोल था... बाहर बैठकर बैक टू बैक पानी पिलाना और बैट उठाना।' सिराज की यह बात सुनकर उनके साथ खड़े कुलदीप यादव भी जोर-जोर से हंसने लगे। सिराज का यह सेल्फ-रोस्ट वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनकी सादगी और टीम भावना की खूब तारीफ कर रहे हैं।

सिराज बोले- व्यक्ति नहीं, टीम सबसे बड़ी

मजाक के बाद सिराज ने टीम स्पिरिट पर बेहद अहम बात भी कही। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी मैदान पर खेलना चाहता है, लेकिन अगर टीम कॉम्बिनेशन के कारण बाहर बैठना पड़े तो उसे भी सकारात्मक तरीके से लेना चाहिए।

सिराज ने कहा, 'नेट में गेंदबाजी करना और ड्रेसिंग रूम का माहौल पॉजिटिव रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। कोई खिलाड़ी बड़ा नहीं होता, टीम सबसे बड़ी होती है।' उन्होंने यह भी कहा कि इस वर्ल्ड कप जीत को वह भगवान की स्क्रिप्ट मानते हैं, क्योंकि शुरुआत में उन्हें टीम में मौका नहीं मिला था और बाद में अचानक कॉल आया।

वर्ल्ड कप में सिराज और कुलदीप का प्रदर्शन

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मोहम्मद सिराज को सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला। USA के खिलाफ खेले गए उस मुकाबले में सिराज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 29 रन देकर 3 विकेट झटके थे। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच खेला, जो चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ था। उस मुकाबले में उन्होंने 1 विकेट हासिल किया था।

भले ही ये दोनों खिलाड़ी नियमित रूप से प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे, लेकिन टीम के लिए उनकी मौजूदगी और सपोर्ट ने ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई।

'द हंड्रेड' में भारतीय महिला क्रिकेटर छायी रहीं

लंदन। इंग्लैंड में 'द हंड्रेड' महिला क्रिकेट लीग के लिए हुई नीलामी में स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा सहित कई भारतीय महिला क्रिकेटर छायी रहीं। वहीं किसी भी फ्रेंचाइजी ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली नहीं लगायी। इस लीग में नीलामी के लिए पाक की बाएं हाथ की बल्लेबाज मुनीबा अली, तेज गेंदबाज डायना बेग, लेफ्ट-आर्म स्पिनर सादिया इकबाल और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने अपना नाम दर्ज कराया था। इन चारों ही पाक क्रिकेटरों ने 15000 पाउंड के आधारमूल्य के साथ ही अपना नाम नीलामी में दर्ज कराया था। इस चारों में से केवल फातिमा सना और सादिया ही फाइनल नीलामी तक पहुंची थीं। वहीं इससे पहले कहा जा रहा था कि आईपीएल मालिकों वाली 'द हंड्रेड' टीमें शायद ही पाक खिलाड़ियों को शामिल करेंगी। इसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा था कि किसी भी देश के खिलाड़ियों से भेदभाव नहीं किया जाएगा। साथ ही कहा था कि चयन केवल प्रदर्शन, उपलब्धता और टीम की जरूरत को देखकर किया जाएगा।

जैक ड्रेपर ने पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंचें

इंडियन वेल्स (अमेरिका) (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन जैक ड्रेपर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया। हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर इस जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं जहां उनका मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया। तीसरे सेट में जोकोविच 6-5 से आगे थे, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और ड्रेपर ने वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, 'मुझे अब भी ऐसा नहीं लगता कि मैं उस तरह से खेल रहा हूं जैसा मैं खेलना चाहता हूं। लेकिन मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।' रिकॉर्ड 24 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन 38 वर्षीय जोकोविच ने 2008, 2011, 2014, 2015 और 2016 में इंडियन वेल्स में खिताब जीता था। जोकोविच इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब जीतने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन फाइनल में कार्लोस अल्काराज़ से हार गए थे।

हार्दिक को पीठ पर तिरंगा बांधकर जश्न मनाना भारी पड़ा, वकील ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी

पुणे। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी20 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के बाद अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा के साथ जश्न मानना भारी पड़ है। हार्दिक जश्न के दौरान पीठ पर तिरंगा झंडा बांधे हुए थे और महिका के साथ अलग-अलग अंदाज में पोज दे रहे थे। इसी को लेकर एक वकील ने वाजिद खान ने पंड्या के खिलाफ राष्ट्रध्वज की गरिमा को ठेस पहुंचाने की शिकायल दर्ज करायी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भारतीय टीम की जीत के बाद सभी खिलाड़ी खुशी मना रहे थे। इस दौरान सभी तस्वीरें भी खिंचा रहे थे। इसी दौरान हार्दिक और उनकी गर्लफ्रेंड महिका की हरकतों पर शिकायतकर्ता वकील ने आपति जतायी है। उनका कहना है कि पंड्या जश्न मनाते हुए अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नाच रहे थे जबकि उनकी पीठ पर राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। वहीं राष्ट्रीय ध्वज अधिनियम के अनुसार, हमें राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का सम्मान करना चाहिए पर हार्दिक अपनी जीत के जश्न में इतने डूब गये थे कि वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ राष्ट्रीय ध्वज बांधकर मैदान में लेटे नजर आये। जो राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है। गौरतब है कि वाजिद के अलावा कई और लोगों ने भी हार्दिक और महिका की हरकतों को देखते हुए सोशल मीडिया पर इन दोनो को फटकारा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार महिका के कारण ही हार्दिक पंड्या और उनके बड़े भाई क्रुणाल पंड्या के बीच मतभेद पैदा हो गये हैं। इसी कारण क्रुणाल न तो फाइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे और न ही उन्होंने उन्हें सोशल मीडिया पर ही बधाई दी। हार्दिक का अपनी पहली पत्नी और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टानकोविक से तलाक को गया है। उसके बाद महिका उनकी जिंदगी में आयीं।

विश्व कप में जगह बनाने के बाद भारतीय महिला टीम की नजरें एफआईएच क्वालीफायर जीतने पर

हैदराबाद (एजेंसी)। विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें अब एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर जीतने पर लगी है और इसके लिये शुक्रवार को इटली के खिलाफ सेमीफाइनल जीतना पहला कदम होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम पूल बी में तीन मैचों में सात अंक लेकर शीर्ष पर रही। स्कॉटलैंड के भी सात अंक थे लेकिन गोल औसत में पिछड़ने के कारण वह दूसरे स्थान पर है।

भारत ने पूल चरण में दो मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। इटली पूल ए में दूसरे स्थान पर रही जिसने एक मैच जीता, एक ड्रॉ खेला और एक गंवाया। भारत के लिए फॉरवर्ड नवनीत कौर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है जो अब तक चार गोल कर चुकी हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक लगाई थी। इटली की उम्मीदें फेडरिका कार्टा पर टिकी होंगी जो अब तक तीन गोल कर चुकी है। कागजों पर भारत का पलड़ा भारी लग रहा है।

आमने सामने के मुकाबलों में दोनों टीमें 2012 से अब तक एक दूसरे के खिलाफ सात बार खेली हैं जिनमें से पांच भारत ने जीते, एक इटली ने और एक मैच ड्रॉ रहा। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में जगह बनाना इस टीम के लिये बड़ी उपलब्धि है। खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह काबिले तारीफ है।'

उन्होंने कहा, 'हम यहां सिर्फ क्वालीफाई करने नहीं आए हैं। हम मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार करके टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। सेमीफाइनल एक और बड़ी चुनौती है और हम पूरे फोकस के साथ खेलेंगे।' मारिन ने कहा, 'इटली काफी प्रतिस्पर्धी टीम है और मजबूत टीमों को चुनौती देने में सक्षम है। हमारा फोकस रणनीति पर अमल पर रहेगा और इसी ऊर्जा तथा आत्मविश्वास के साथ खेलना चाहेंगे।' एफआईएच महिला और पुरूष विश्व कप नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा।

आईपीएल में शामिल होने विदेशी खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं रहेगा भारत पहुंचना

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम तो घोषित कर दिया है पर उसके लिए टूर्नामेंट का आयोजन काफी कठिन हो सकता है। इसका कारण ये है कि मध्यपूर्व में जारी युद्ध के कारण कई देशों के खिलाड़ियों के लिए आईपीएल टीमों से जुड़ना कठिन हो जाएगा। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर किए गए हमले का असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा पर पड़ा है जिससे दोहा और दुबई एयरपोर्ट से कई उड़ानें बाधित हुई हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम के कुछ खिलाड़ी टी20 विश्व कप के बाद भी भारत में फंसे रहे थे। ऐसे में अब आईपीएल की सभी टीमों में शामिल इन देशों के खिलाड़ियों के लिए भारत आना आसान नहीं होगा। बोर्ड के एक अधिकारी ने भी माना है कि उन्हें समय पर वापस भारत लाना मुश्किल काम होगा। साथ ही कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से हवाई किराए काफी बढ़ गए हैं। पहला मैच जहां आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद। वहीं दूसरा मैच मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में होगा. बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बेंगलुरु में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच खेलेगी। पंजाब किंग्स की टीम न्यू चंडीगढ़ में चार और धर्मशाला में तीन घरेलू मैच खेलेगी जबकि राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में तीन और जयपुर में चार घरेलू मैच खेलेगी। बीसीसीआई ने कहा, इस दौरान (पहले 16 दिन) टूर्नामेंट में चार ही डबल-हेडर होंगे।

भविष्य में सैमसन को बनाया जा सकता है भारतीय टी20 टीम का कप्तान : कैफ

मुम्बई। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद अब सवाल उठाता है कि उनके बाद किसे कप्तानी दी जानी चाहिये। इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भविष्य में कप्तानी दी जा सकती है क्योंकि उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में कप्तानी का लंबा अनुभव है। कैफ के अनुसार सैमसन के पास वह अनुभव और मानसिक ठहराव है, जो किस कप्तान के पास होना जरुरी है। उन्होंने कहा, संजू ही कप्तान बन सकते हैं उसमें सभी योग्याताएं हैं। मेरा मानना है कि कप्तान वही अच्छा होता है जिसने दुनिया देखी हुई है। कैफ के अनुसार, किसी नए खिलाड़ी को सीधे कप्तानी सौंपना नुकसानदे हो सकता है, क्योंकि उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कठिन हालातों का सामना नहीं किया होता है। कप्तानी के लिए कैफ ने आईपीएल के अनुभव को अहम बताया है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करने से पहले खिलाड़ी को आईपीएल जैसे बड़े मंच पर अपने को एक लीडर के रूप में साबित करना चाहिए। सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स टीम की ओर से ऐसा किया है। उन्होंने कहा, कप्तान उसी को बनना चाहिए जिसने ट्रॉफी जिताई हो जिसने कप्तानी पहले करी हो जिसने आईपीएल में 100 150 मैच खेले हो। कैफ ने कहा कि संजू राजस्थान रॉयल्स को कप्तानी करते हुए फाइनल तक ले गये। । इस लंबे अनुभव की वजह से उन्हें मैदान पर गेंदबाजी बदलाव करने और दबाव के क्षणों में किसी प्रकार सही फैसले लेते हैं ये पता है। कैफ ने सैमसन की तुलना वर्तमान और पूर्व कप्तानों से करते हुए परिपक्वता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा भी 30-32 साल की उम्र में भारतीय टीम के कप्तान बने थे, जब वे आईपीएल में पांच ट्रॉफियां जीतकर एक परिपक्व कप्तान बन गये थे।

युवराज सिंह को टीम से बाहर करने में एमएस धोनी का हाथ था? पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने बता दिया सच

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता संदीप पाटिल ने एक लंबे समय से चल रहे विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी का युवराज सिंह को भारतीय टीम से बाहर करने के फैसले में कभी कोई हाथ नहीं था। पाटिल ने बताया कि अपने चयनकर्ता कार्यकाल के दौरान उन्होंने कभी भी धोनी को युवराज को ड्रॉप करने की मांग करते नहीं सुना। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब युवराज के पिता लगातार धोनी पर आरोप लगाते रहे हैं।

चयन बैठकों में कभी नहीं उठी ऐसी मांग

संदीप पाटिल ने एक इंटरव्यू में कहा कि चयन समिति की बैठकों, विदेशी दौरों या मैचों के दौरान कभी भी धोनी ने युवराज सिंह को टीम से बाहर करने की बात नहीं कही। उन्होंने कहा कि वह इस बात को पूरी जिम्मेदारी के साथ रिकॉर्ड पर कह सकते हैं कि धोनी ने ऐसा कोई सुझाव या दबाव नहीं बनाया। पाटिल के अनुसार, धोनी का चयन प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का स्वभाव भी नहीं था और वह चयन समिति के फैसलों का सम्मान करते थे।

धोनी को था चयन समिति पर पूरा भरोसा

पाटिल ने आगे कहा कि धोनी हमेशा चयनकर्ताओं के निर्णयों का सम्मान करते थे। उन्होंने बताया कि टीम के कप्तान के तौर पर धोनी को चयन समिति की कार्यप्रणाली पर पूरा भरोसा था और वह आमतौर पर टीम चयन के मामलों में ज्यादा दखल नहीं देते थे। इस बयान से यह साफ संकेत मिलता है कि युवराज सिंह को टीम से बाहर करने का फैसला चयनकर्ताओं की रणनीति और उस समय के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया होगा।

योगराज सिंह लगातार लगाते रहे हैं आरोप

दूसरी ओर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह कई बार सार्वजनिक रूप से धोनी को अपने बेटे के करियर में गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। योगराज ने कई इंटरव्यू में यह कहा कि धोनी के कारण ही युवराज को टीम से बाहर किया गया। उन्होंने यह भी कहा था कि वह इस मामले में धोनी को कभी माफ नहीं करेंगे।

एक इंटरव्यू में योगराज सिंह ने कहा था कि धोनी ने उनके बेटे के साथ गलत किया और इससे युवराज का करियर प्रभावित हुआ। उन्होंने यहां तक कहा कि युवराज सिंह जैसा खिलाड़ी फिर से देखने को शायद ही मिले और वह चार-पांच साल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल सकते थे। उनके इस बयान ने क्रिकेट जगत में काफी चर्चा पैदा की थी।

पाटिल ने कहा - पिता का भावुक होना स्वाभाविक

संदीप पाटिल ने योगराज सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक पिता का अपने बेटे के लिए भावुक होना बिल्कुल स्वाभाविक है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में आरोप गलत व्यक्ति पर लगाए जा रहे हैं। पाटिल के अनुसार, चयन प्रक्रिया कई पहलुओं को ध्यान में रखकर होती है और किसी एक व्यक्ति को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है।

रात के खाने में ना खाएं दही

हम सभी जानते हैं कि दही खाना सेहत के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही एक सुपर फूड है, जिसे हर दिन खाया जा सकता है और यह सेहत को सिर्फ एक नहीं अनेक तरीकों से लाभ पहुंचाती है। पाचन से लेकर त्वचा और बाल सबको हेल्दी रखती है। इस विषय पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। आज हम इस विषय पर बात करेंगे कि आखिर रात के खाने में दही खाने को क्यों मना किया जाता है.

लाभकारी दही हानि क्यों करने लगती है?

- आपने अपने पैरंट्स से अक्सर सुना होगा कि रात के समय दही या दही से बना रायता नहीं खाना चाहिए। लेकिन आज कल शादी-पार्टीज में यह ट्रेंड है कि आप रात के 12 बजे भी डिनर ले रहे होंगे तो आपको रायता जरूर मिलेगा खाने में.। खैर, सर्व करनेवाले तो सर्व करते है। यह तो आपको निर्णय लेना है कि रात में रायता या दही खाकर आप बीमार पड़ना चाहते हैं या नहीं।
- दही पाचनतंत्र को ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। लेकिन यदि दही का सेवन रात में किया जा तो पाचनतंत्र भी डिस्टर्ब होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।

पाचकाग्नि को मंद हो जाती है

- अब आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर रात में दही खाने पर ऐसा क्या हो जाता है? तो जान लीजिए कि रात को दही खाने पर पाचनतंत्र मंद हो जाता है। आयुर्वेद की भाषा में बात करें तो जठराग्नि मंद हो जाती है और शरीर की वायु कुपित हो जाती है। इस कारण रात में दही का सेवन करने पर हाथ, पैर, सिर, कमर या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है।

जुकाम लगा सकती है दही

- इसके साथ ही दही खाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर इस लिए बुरा असर पड़ता है, क्योंकि दही तासीर में ठंडी होती है। यदि रात में दही खाई जाती है तो शरीर में कफ की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इससे गले में दर्द, खराश, बलगम वाली खांसी, सिर में भारीपन, जुकाम आदि की समस्या हो सकती है।

जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है

- जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की शिकायत होती है यदि वे लोग रात के समय दही खाना शुरू कर दें तो यकीन मानिए कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब उनके जोड़ों का दर्द इस कदर बढ़ जाएगा कि दिन-रात का चैन खो सकता है।

सो नहीं पाते ऐसे लोग

- जिन लोगों को अस्थमा की शिकायत है, उन्हें रात के समय भूल से भी दही का सेवन नहीं करना चाहिए। नहीं रात के समय अस्थमा अटैक के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है। हालांकि सभी लोगों को इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए खट्टी दही और मीठी दही दोनों के शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होते हैं। लेकिन रात के समय आपको किसी भी प्रकार की दही लेने से बचना चाहिए।

आ सकता है बुखार

- रात के समय दही खाना आपको बुखार आने का कारण भी बन सकता है। इसकी वजह ऊपर बताए गए कारणों को मिलाकर तैयार हो जाती है। क्योंकि शरीर में पित्त और वायु का कुपित होना, जुकाम लगना, शरीर में दर्द होना जैसी समस्याएं शरीर के सामान्य तापमान को स्थिर नहीं रहने देती हैं। इससे बुखार आने की समस्या हो सकती है।

रात को दही खाने से बढ़ती है सूजन

- रात को दही खाने से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या बढ़ सकती है। क्योंकि रात में दही का सेवन करने से पित्त की मात्रा में बढ़ोतरी हो सकती है, जो आपके शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करेगा।
- अगर आपके शरीर में सूजन की समस्या पहले से है या कोई चोट लगी हुई है तो रात के समय दही खाना आपके शरीर को अंदर से कमजोर करने का काम करेगा। इससे आपके शरीर में दर्द और पीड़ा कई गुना बढ़ सकती है।

जरूरी नहीं अगले दिन ही दिखे रिजल्ट

- अगर आपको लगता है कि आपने तो रात को दही खाई थी, आपको तो कोई समस्या नहीं हुई। तो यह जरूरी नहीं है कि आपने रात में दही खाई है तो अगले दिन सुबह के समय ही आपके शरीर में बीमारी के लक्षण दिखने लगेंगे। ये लक्षण दिन में किसी समय, अगली रात में या एक-दो दिन बाद भी नजर आ सकते हैं।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर किसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अलग-अलग होती है। एक तरफ जहां किसी में एक बार रात को दही खाने के बाद कुछ ही घंटे में तबीयत खराब हो सकती है तो किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में इसका असर 3 दिन बाद भी दिख सकता है।

खून के थक्के बनने से रोकने की दवा लेते हैं तो न खाएं हरा साग

हरा साग जैसे पालक क्लॉटिंग रोकने वाली वार्फरिन या कुमारिन दवाओं के असर को काफी हद तक कर देता है बेअसर इसलिए ऐसे लोग जो इन दवाओं को प्रयोग करते हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि हरा साग न खाएं।

जिन रोगियों में खून के असामान्य थक्कों के बनने और खून जमने की समस्या होती है, उन्हें एक विशेष दवा के सेवन के कारण कई बार हरा साग खाने से मना किया जाता है। यह दवा वार्फरिन है। यह और इसके जैसी अनेक दवाएं, जिन्हें कुमारिन-परिवार की दवाएं कहते हैं, विटमिन-के का प्रतिरोध करती हैं। इम्यूनोलॉजिस्ट एवं र्यूमैटॉलजिस्ट कहते हैं, विटमिन-के का काम खून की क्लॉटिंग से होता है। यह विटमिन यकृत में जमा होता है और इसी कारण हमारा खून सही ढंग से जमता है। यह विटमिन शरीर में क्लॉटिंग फैक्टरों का निर्माण करता है। विटमिन-ख न हो तो न जाने कितने ही लोगों की रक्तस्राव से मौत हो जाए, लेकिन फिर अनेक रोगियों में खून का जमना हानिकारक हो जाता है। मान लीजिए किसी रोगी में हृदयवॉल्व की सर्जरी हुई है या उसे कोई ऐसा रोग है, जिसमें खून बार-बार और जल्दी-जल्दी जमा करता है। ऐसे में अगर विटमिन-के का प्रतिरोध न किया गया, तो फिर खून का लगातार जमना हानिकारक या कभी-कभी जानलेवा साबित होगा। इसलिए ऐसे रोगियों में खून को पतला करने वाली दवाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं दवाओं में कुमारिन-परिवार की सदस्य दवाएं भी शामिल हैं, जिनमें वार्फरिन प्रमुख है। हरा साग विटमिन-के का प्रमुख स्रोत है। इसे खाने से शरीर को विटमिन-ख की प्राप्ति होती है। लेकिन फिर जिन रोगियों को विटमिन-ख नहीं चाहिए या जिनके लिए विटामिन-के की प्रचुरता हानिकारक है, वे क्या करें? वह ब्लड की क्लॉटिंग (स्तम्भन) को रोकने के लिए वार्फरिन जैसी दवाओं पर निर्भर रहते हैं। और हरे साग का सेवन वार्फरिन को समुचित कार्य करने से रोकेगा।

आयरन की गोलियां खाएं

इसलिए डॉक्टर की सलाह होती है कि अगर आप वार्फरिन या अन्य कुमारिन-दवाएं खाते हैं, तो हरा साग कम-से कम खाएं या न खाएं। हां, यह जरूर है कि ऐसा करने से आपको आवश्यक आयरन नहीं मिलेगा और अनीमिया की आशंका बढ़ जाएगी, लेकिन ऐसी परिस्थिति में वार्फरिन के साथ हरे साग की बजाय आयरन की गोलियों का सेवन कहीं बेहतर है।

खर्राटों की समस्या से निजात दिलाएगा चुंबक

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चंबुकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है।

इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा।

यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

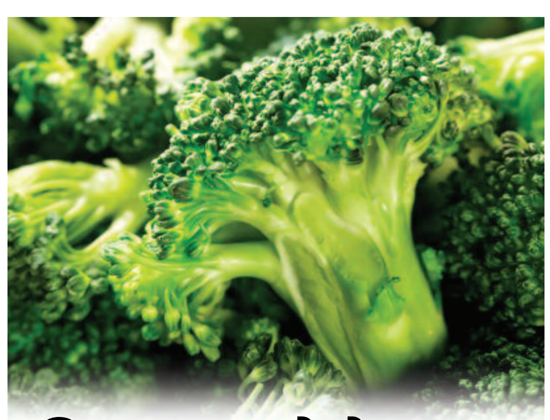

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लेकेनहोरस्ट ने कहा, हरी पत्तेदर सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन- के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

घुटने का दर्द हो जाएगा छूमंतर ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफलेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

इम्तियाज अली की 'हीर रांझा' में नजर आएंगी सारा अर्जुन

इम्तियाज अली ने 14 फरवरी के दिन हीर रांझा फिल्म का ऐलान किया था। इसके अनाउंसमेंट वीडिया में हमें लैला मजनू की झलकियां देखने को मिली थी। लेकिन साथ ही हीर रांझा का भी कनेक्शन दिखाई दिया था। अब फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं और इसकी कास्ट को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं।

'लैला मजनू' का पार्ट 2

'हीर रांझा' फिल्म मशहूर पंजाबी लोककथा पर आधारित एक भव्य रोमांटिक कहानी होगी। इस प्रोजेक्ट के साथ दोनों भाई एक बार फिर एपिक लव स्टोरी की दुनिया में लौट रहे हैं। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस करेंगी, जो इससे पहले इम्तियाज और साजिद के साथ 'लैला मजनू' में काम कर चुकी हैं। दिलचस्प बात यह है कि 'हीर रांझा' को 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी का दूसरा चैप्टर माना जा रहा है, जो लव स्टोरी के पार्ट को आगे बढ़ाएगा। फिल्म की घोषणा के बाद से ही कास्टिंग को लेकर चर्चाएं तेज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, धुरंधर फेम सारा अर्जुन इस फिल्म में फीमेल लीड के लिए सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स एक फ्रेश चेहरे की तलाश में हैं और सारा इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। बता दें कि 2025 में आई आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' से सारा ने खास पहचान बनाई थी और अब वह इंडस्ट्री की उभरती हुई टैलेंटेड एक्ट्रेसेज में गिनी जा रही हैं।

कौन होगा मेल लीड?

वहीं, मेल लीड के लिए रोहित सराफ का नाम चर्चा में है। हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अगर रोहित और सारा की जोड़ी बनती है तो उन्हें बड़े पर्दे पर रोमांस करते देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल कास्टिंग प्रक्रिया जारी है।

मैंने मेहनत की, सीखा और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई

फिल्मी दुनिया में कलाकारों की चमक-दमक अक्सर लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन इस चमक के पीछे कड़ा संघर्ष छिपा होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने करियर, बचपन और निजी अनुभवों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अभिनय उनके लिए सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। कुछ बातें ऐसी हैं जिन पर वे कभी समझौता नहीं कर सकतीं। भूमि पेडनेकर हाल ही में वेब सीरीज 'दलदल' में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने 'वुमन ऑफ इम्पैक्ट' कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अपने जीवन के कई अहम पहलुओं पर बात की।

उन्होंने कहा, ''जब मैं सिर्फ 12 साल की थीं, तभी मैंने अपनी मां को साफ कह दिया था कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं। उस उम्र में यह सपना बहुत बड़ा था, लेकिन मैंने अपने लक्ष्य को कभी छोड़ा नहीं। मैंने मेहनत की, सीखा और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। आज मैं अपनी दमदार भूमिकाओं और मजबूत अभिनय के लिए जानी जाती हूं।''

कार्यक्रम के दौरान भूमि ने अपने स्कूल के दिनों की एक ऐसी घटना भी साझा की, जिसने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया था। उन्होंने कहा, ''एक दिन जब मैं अपनी कक्षा में लौटीं तो मुझे एक कागज का टुकड़ा मिला, जिस पर मेरे शरीर को लेकर मजाकिया और अपमानजनक शब्द लिखे थे। उस समय मैं बहुत छोटी थी और ऐसी बातें मेरे मन पर गहरा असर डाल गईं।'' उन्होंने कहा, ''कम उम्र में इस तरह की छींटाकशी और बदमाशी बच्चों को डर और असुरक्षा का एहसास कराती है। यह अनुभव मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन मैंने समय के साथ खुद को मजबूत बनाया।''

भूमि ने कहा, ''मैं किसी भी ऐसी भूमिका का हिस्सा नहीं बनूंगी जिसमें महिलाओं के प्रति अपमान हो। मेरे लिए आत्मसम्मान और महिलाओं का सम्मान सबसे अहम है। मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा नहीं बनना चाहती, जहां महिला किरदार को कमजोर या कमतर दिखाया जाए। मैं ऐसे भी किरदार निभाना पसंद नहीं करती जिनमें करने के लिए बहुत कम हो। मैंने अपने करियर में बहुत मेहनत करके एक ऐसी पहचान बनाई है जो उनके अभिनय पर आधारित है, और मैं चाहती हूं कि दर्शक मुझसे मजबूत और प्रभावशाली भूमिकाओं की ही उम्मीद रखें।''

किंयारा आडवाणी नहीं होगी 'मधुबाला' की बायोपिक का हिस्सा

भारतीय सिनेमा की सबसे लोकप्रिय और खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक मधुबाला की बायोपिक काफी वक्त से चर्चा का विषय बनी हुई है। बीच में ऐसी चर्चाएं थीं कि कियारा आडवाणी इस बायोपिक में मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। जबकि संजय लीला भंसाली इस फिल्म का निर्माण करेंगे। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि कियारा इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगी। इंडस्ट्री से जुड़े एक अदरूनी सूत्र ने इस खबर को खारिज किया है। सूत्र ने बताया कि संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित मधुबाला की बायोपिक में कियारा आडवाणी के अभिनय की खबरों में कतई सच्चाई नहीं है। ये दावे पूरी तरह निराधार और अटकलबाजी पर आधारित हैं। हालांकि, फिल्म के बारे में अधिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। लेकिन यह बताया जा रहा है कि इस फिल्म का निर्देशन जसमीत के. रीन करेंगी। जसमीत ने आलिया भट्ट, शेफाली शाह और विजय वर्मा स्टारर ब्लैक कॉमेडी-ड्रामा 'डार्लिंग्स' का भी निर्देशन किया था।

विद्या बालन की फिल्मों ने मेरा सोचने का तरीका बदल दिया

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार को किसी न किसी से प्रेरणा मिलती है, जिसकी मेहनत और काम देखकर वह आगे बढ़ने की हिम्मत पाता है। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू के लिए ऐसी ही प्रेरणा विद्या बालन हैं। तापसी ने बताया कि विद्या बालन की फिल्मों ने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। उन्होंने कहा कि जब वह हिंदी फिल्मों में अपना करियर शुरू कर रही थीं, तब विद्या बालन की कुछ फिल्मों ने उन्हें यह भरोसा दिया कि महिला कलाकार भी मजबूत कहानियों के साथ लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिक सकती हैं। तापसी ने कहा, ''विद्या बालन ने सिर्फ फिल्मों में अभिनय नहीं किया, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि एक अभिनेत्री अपने दम पर कहानी को आगे बढ़ा सकती है। मेरे लिए विद्या बालन एक हीरो हैं। उनकी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया। जब मैंने 'द डर्टी पिक्चर' और 'कहानी' जैसी फिल्में देखीं, तो महसूस हुआ कि सिनेमा में महिलाओं के लिए भी मजबूत और अलग तरह की कहानियां बन सकती हैं। अगर ये फिल्में उस समय नहीं आई होतीं, तो शायद मेरे जैसे कई कलाकारों को यह विश्वास ही नहीं होता कि वे भी लंबे समय तक इंडस्ट्री में काम कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''उस समय मैं हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत कर रही थी और अक्सर यह सवाल मन में आता था कि एक अभिनेत्री का करियर कितने समय तक चल सकता है पर विद्या बालन की फिल्मों को सफल होते देख मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया। उनकी फिल्मों ने बताया कि कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा में अभिनेत्री भी मुख्य भूमिका निभा सकती हैं और फिल्म की सफलता का केंद्र बन सकती हैं।''

दरअसल, विद्या बालन को हिंदी सिनेमा में महिला प्रधान फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिछले दो दशकों में उन्होंने कई ऐसी फिल्मों में काम किया है, जिनमें कहानी का पूरा भार उनके किरदार पर टिका होता है। 'नो वन किल्ड जेसिका', 'तुम्हारी सुलु' और 'शेरनी' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और अभिनय के जरिए दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी फिल्मों ने साबित किया कि बॉलीवुड में सिर्फ बड़े हीरो ही नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और दमदार अभिनय भी फिल्म को सफल बना सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि तापसी पन्नू और विद्या बालन एक साथ काम कर चुकी हैं। दोनों कलाकारों ने साल 2019 की चर्चित फिल्म 'मिशन मंगल' में एक साथ अभिनय किया था।

अनुभव सिन्हा ने की अहान-अनीत की तारीफ

अपनी फिल्मों में सामाजिक मुद्दों को उठाने वाले निर्देशक अनुभव सिन्हा इन दिनों अपनी हालिया फिल्म 'अस्सी' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म को पसंद किया जा रहा है और क्रिटिक्स से लेकर दर्शक तक इसकी कहानी की तारीफ कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच अनुभव सिन्हा ने दो रोमांटिक फिल्मों 'सैयारा' और 'तेरे इश्क में' को लेकर अपनी राय रखी। साथ ही उन्होंने अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे नए सितारों की भी जमकर तारीफ की।जूम के साथ बातचीत में अनुभव सिन्हा ने 'सैयारा' की तारीफ करते हुए बताया कि किस बात ने उन्हें इस फिल्म के लिए आकर्षित किया। निर्देशक ने कहा कि ये दोनों बच्चे बहुत अच्छे हैं। अहान और अनीत, और उनकी फिल्म 'सैयारा' बहुत पसंद आई। दोनों कलाकार बेहद ईमानदार और सच्चे थे और वे दोनों एक ही फिल्म में इतना विश्वास रखते थे। इस दौरान अनुभव सिन्हा ने बताया कि उन्होंने रणवीर सिंह की 'धुरंधर', कृति सैनन की 'तेरे इश्क में' और सनी देओल की 'बॉर्डर 2' सहित हाल ही में रिलीज हुई ये तीनों फिल्में देखी हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि मैं विभिन्न शहरों का दौरा कर रहा था, इसलिए मैं विभिन्न सिनेमा हॉल में जाता था और 15-20 मिनट के लिए बैठकर फिल्म देखता था। इसलिए मैंने 'धुरंधर' के लगभग 5-20 मिनट देखे हैं। 'तेरे इश्क में' मैंने इसे भोपाल के एक थिएटर में देखी और 'बॉर्डर 2' मैंने हैदराबाद में देखी।

बड़े पर्दे के लिए बनाई गई है 'सूबेदार'

एवरग्रीन एक्टर अनिल कपूर की हालिया रिलीज फिल्म 'सूबेदार' 5 मार्च को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। इसे क्रिटिक्स की मिली-जुली समीक्षाएं ही हासिल हुई हैं। हालांकि, अनिल कपूर के अभिनय की काफी सराहना हुई। अब फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने भी फिल्म देखी है और इसकी समीक्षा की है। अनुराग कश्यप का मानना है कि इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना चाहिए था। उन्होंने कलाकारों के अभिनय, एक्शन और फिल्म की सादगी की प्रशंसा की है।

इसे बड़े पर्दे पर आना चाहिए था

अनुराग कश्यप ने 'सूबेदार' की तारीफ करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। इसमें उन्होंने फिल्म से अनिल कपूर की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही फिल्म का रिव्यू करते हुए अनुराग ने लिखा, 'प्राइम वीडियो पर आई फिल्म 'सूबेदार' को सिनेमाघरों में रिलीज होना चाहिए था। इसे सिनेमाघरों में देखना मुझे बहुत अच्छा लगता। यह साफ तौर पर बड़े पर्दे के लिए एनामोर्फिक तकनीक से शूट की गई है, बड़े पर्दे के लिए ही बनाई गई है। सुरेश त्रिवेणी बुंदेलखंड/चंबल की एक जीवंत दुनिया रचते हैं, जिसमें पितृसत्ता और विशेषाधिकार का भाव साफ झलकता है। जहां महिलाएं पुरुषों के बराबर पितृसत्तात्मक हैं और जो नहीं हैं, वे भी पुरुषों की तरह संघर्ष करती हैं। ये पुरुष प्रधान बीहड़ इलाके हैं, जहां कभी फूलन देवी का जन्म हुआ था।'

निर्देशक ने आगे फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, 'दुनिया तब से बदली नहीं है, बल्कि और भी बदतर हो गई है। इसी दुनिया में हमारा सूबेदार आता है। जिस दुनिया ने पान सिंह तोमर को भी जन्म दिया, उसी दुनिया में यह पूर्व सैनिक पूरी तरह से असभ्य आम लोगों की दुनिया के खिलाफ खड़ा है। पूरी तरह से काल्पनिक, लेकिन इसे देखकर मुझे यकीन करने का मन करता है। तनाव (शोर कम करने वाले हेडफ़ोन लगाकर देखा) और दृढ़ता और खामोशी से भरपूर, और एक सुनियोजित गति के साथ। बहुत मजा आया, लेकिन अगर मैंने इसे दर्शकों से भरे थिएटर में देखा होता तो और भी ज्यादा आनंद आता।'

कलाकारों के अभिनय को सराहा

कलाकारों के अभिनय की तारीफ करते हुए अनुराग कश्यप ने कहा कि अनिल कपूर ने इस फिल्म में भी अपने अंदर की आग को बरकरार रखा है। फैसल मलिक शानदार हैं, मोना सिंह क्या नहीं कर सकतीं और आदित्य रावल ने छोटे शहर के, सोशल मीडिया से प्रभावित एल्विस यादव जैसे खलनायक का किरदार बखूबी निभाया है। जिससे मुझे नफरत होने का मन करता है। आखिर में मुझे राधिका मदान को और देखना है, जोशीली और संवेदनशील, वो चमक उठीं। मेरे हमेशा भरोसेमंद कल्लू मामा की एक्शन फिल्म 2026 में देखना मेरे कैलेंडर में नहीं था। मजा आया सर।

ये मेरी वाली कमर्शियल फिल्म है

अंत में टेक्निकल पक्ष की तारीफ करते हुए अनुराग ने कहा कि खूबसूरत दृश्यों की फोटोग्राफी, शानदार हाईवे चेज, शानदार एक्शन। ऐसे समय में जब हर कोई एक्शन के घिसे-पिटे पैटर्न को अपना रहा है, यहां की सादगी वाकई दिल को छू लेती है। इसमें शामिल सभी लोगों को बधाई। इसे एक बार जरूर देखें। खास बात- रणवीर का किरदार निभाने वाला अभिनेता शानदार है। ये मेरी वाली कमर्शियल फिल्म है।

प्रधानमंत्री कहां हैं? एलपीजी की कमी पर ध्यान देने के बजाए वे चुनाव रैलियां कर रहे हैं- राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में रैलियां करने के लिए पीएम मोदी की आलोचना की और उनसे व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कमी पर ध्यान देने की मांग की। संजय राउत ने केंद्र सरकार से पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कहां हैं? वे केरल और तमिलनाडु में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और वे अपने विरोधियों के खिलाफ जिन शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। राउत ने कहा कि पीएम मोदी ईरान-इजराइल संघर्ष के प्रभाव पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कमी के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। यह स्थिति लोगों में भय पैदा कर रही है। होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं। मोदी सरकार ने इस पर कुछ नहीं कहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश ऐसे नेतृत्व के हाथों में है। यह घटनाक्रम गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पीएम मोदी की जनसभाओं के बाद सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार भारतीयों के हितों को सर्वोपरि रखने के उसी दृष्टिकोण का पालन करेगी और घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की कोई जरुरत नहीं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित है। हम इंडिया फर्स्ट की विचारधारा में विश्वास रखते हैं। बता दें पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलेंडरों की कमी हो गई है, जिसके बाद केंद्र ने घरेलू खपत को प्राथमिकता देते हुए जरुरी वस्तु अधिनियम लागू किया है।

टल गया बड़ा संकट...कुकी समुदाय ने नागा समुदाय के सभी 21 नागरिकों बातचीत के बाद छोड़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में कुकी समुदाय के ग्रामीणों और सशस्त्र लोगों द्वारा हिरासत में लिए गए नागा समुदाय के सभी 21 नागरिकों को बातचीत के बाद छोड़ दिया गया। इंफाल पुलिस अधिकारी ने बताया कि उखरुल-इम्फाल मार्ग पर तीन वाहनों में यात्रा कर रहे तंगखुल नागा समुदाय के नागरिकों को शांगकाई में कुकी गांव वालों और हथियारबंद लोगों ने बंधक बनाया था। राज्य सरकार के अधिकारियों और नागा एवं कुकी समुदायों के नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) के नेताओं के बीच गहन बातचीत और विचार-विमर्श के बाद सुबह बंधकों को रिहा किया गया। रिहाई के बाद नागरिकों को लिटान पुलिस स्टेशन ले जाया गया और बाद में उन्हें उनके परिवारों से मिला दिया गया। 21 लोगों को बंधक बनाने के कारण तंगखुल नागा बहुल उखरुल जिले में विशेष रूप से कुकी बहुल कांगपोकपी जिले से सटे इलाकों में तनाव बना रहा। सुरक्षा बलों ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तलाशी और क्षेत्र नियंत्रण अभियान चलाए। इसके पहले मणिपुर में तंगखुल नागाओं की सर्वोच्च संस्था, तंगखुल नागा लोंग (कार्यकारी समिति) ने उखरुल जिले के कुकी-बहुल गांव शांगकाई में हिरासत में लिए गए 20 से अधिक नागा नागरिकों की सुरक्षित रिहाई की मांग करते हुए दो घंटे का अल्टीमेटम जारी किया था। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नागा जनजाति है और मुख्य रूप से राज्य के पांच से छह जिलों में पाई जाती है।

एलपीजी संकट पर कांग्रेस पर हमलावर कंगना.... जनता को गुमराह करने की साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एलपीजी संकट को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रानोत ने विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर निशाना साधकर कहा कि जनता को गुमराह करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में महंगाई बढ़ रही है, लेकिन भारत में लगातार नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। रनौत ने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को कथित एलपीजी संकट से उसी तरह बाहर निकलने वाले हैं, जैसे उन्होंने कोविड महामारी के दौरान देश का नेतृत्व किया था। मंडी से सांसद कंगना रनौत ने कहा कि एलपीजी की स्थिति को लेकर केंद्र सरकार ने पूर्ण आश्वासन दिया है, लेकिन विपक्ष दहशत फैलाकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर विश्वास रखना चाहिए, क्योंकि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत लगातार प्रगति कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन जारी रखा। विपक्ष का आरोप है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण देश में एलपीजी की कमी की स्थिति पैदा हो रही है और इस पर संसद में विस्तृत चर्चा होनी चाहिए।

घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी की

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पर ईरान-इस्राइल युद्ध का असर दिख रहा है। अब उड़ानें महंगी हो गई हैं। घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी कर दी है। बढ़ा हुआ सरचार्ज आज यानी गुरुवार से लागू हो गया है। अन्य एयरलाइंस की ओर से इस लेकर तैयारियां चल रही हैं। सरचार्ज बढ़ोत्तरी के बाद इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर 1200 रुपये तक अधिक चुकाना पड़ सकता है। खाड़ी संकट ने लोगों के जीवन पर अब खासा असर डालना शुरू किया है। दरअसल, ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमले और पलटवार ने खाड़ी देशों में तनाव को भड़का दिया है। इस युद्ध के कारण तेल-गैस को लेकर देश में पैनिक जैसी स्थिति है। वहीं, अब एयर ट्रैवल भी महंगा होता जा रहा है। इराक का एयरस्पेस पूरी तरह बंद किए जाने से अमेरिका यूरोप की कनेक्टिंग फ्लाइट के भी काफी महंगी होने के आसार हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर तैनात एक एयरलाइंस के अधिकारी के अनुसार, युद्ध के बाद भी इराक के एक सिरे से होते हुए इंटरनेशनल फ्लाइट्स जा रही थीं।

गुजरात आ रहे जहाज पर ईरानी हमलों के बाद भड़का भारत कहा- अब ऐसी घटनाएं न हों

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज जलडमरूमध्य में थाईलैंड के एक मालवाहक जहाज पर हुए हमले के बाद भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की बढ़ती घटनाओं पर भारत ने गहरी चिंता जताते हुए इन हमलों को तुरंत रोकने की मांग की है। यह विवाद तब गहराया जब गुजरात के कांडला बंदरगाह की ओर आ रहे एक जहाज मयूरी नारी पर ईरानी सेना के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) द्वारा हमला किए जाने की खबर आई।

विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि भारत वाणिज्यिक जहाजों को सैन्य संघर्ष का हिस्सा बनाने की कड़ी निंदा करता है। मंत्रालय के अनुसार, 11 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज मयूरी नारी पर हमला हुआ, जो भारत के कांडला आ रहा था। अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर नौवहन और व्यापार की स्वतंत्रता में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं है। मंत्रालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि इन संघर्षों में अब तक कई भारतीय नागरिकों सहित कई निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है। हमलों की बढ़ती तीव्रता और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को लेकर भारत ने स्पष्ट किया कि निर्दोष नागरिकों को खतरे में डालना अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है।

रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन जहाजों पर गोले दागे गए। थाईलैंड के ध्वज वाले जहाज मयूरी नारी ने बुधवार सुबह संयुक्त अरब अमीरात के खलीफा बंदरगाह से अपनी यात्रा शुरू की थी। सुबह करीब 11 बजे इस पर हमला हुआ। रॉयल थाई नेवी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चालक दल के 20 सदस्यों को बचाकर ओमान पहुँचाया है, जबकि तीन अन्य सदस्यों की तलाश अभी भी जारी है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा गलियारा है, जहाँ से वैश्विक कच्चे तेल की 20 प्रतिशत आपूर्ति होती है। इन हमलों के कारण यह मार्ग बाधित होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति और कीमतों पर असर पड़ सकता है। इस बीच, भारत सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लगभग एक करोड़ भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुष्टि की कि हालिया संकट के दौरान एक पोत पर हुए हमले में दो भारतीयों की मौत हुई है और एक लापता है। वर्तमान में ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद हैं, जिनके साथ भारतीय दूतावास लगातार संपर्क में है। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इस क्षेत्र के विभिन्न देशों के नेताओं और अपने समकक्षों के साथ निरंतर संवाद कर रहे हैं ताकि स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सके।

महाराष्ट्र में विधान भवन को बम से उड़ाने की धमकी, मीडिया को नहीं जाने दिया अंदर

-गहन तलाशी के बाद झूठी निकली धमकी, ईमेल भेजने वाली की तलाश शुरु

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र राज्य विधानसभा परिसर, विधान भवन को उड़ाने की धमकी देने वाले ईमेल के बाद गुरुवार को सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, जिसके चलते बजट सत्र के दौरान जांच शुरू होने तक मीडियाकर्मियों और आम जनता को अंदर नहीं जाने दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को अधिकारियों को एक चिंताजनक ईमेल मिला, जिसमें दक्षिण मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित विधान भवन में बम विस्फोट की स्पष्ट चेतावनी दी गई थी। राज्य विधानसभा और विधान परिषद में गरमागरम राजनीतिक बहसों के बीच बजट पर सक्रिय रूप से विचार-विमर्श चल रहा था। अंदर मौजूद विधायक कड़ी निगरानी में कार्यवाही जारी रखे रहे, शुरुआत में उन्हें बाहरी अराजकता की जानकारी नहीं थी, क्योंकि इस खतरे ने महाराष्ट्र की विधायी संस्था के केंद्र में स्थित इस प्रतिष्ठित भवन में सामान्य आवागमन को बाधित कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक विधान भवन में बम निरोधक दस्ते ने गहन तलाशी के बाद परिसर को सुरक्षित घोषित कर दिया और धमकी को झूठी बताया। अब धमकी भरा ईमेल भेजने वाले व्यक्ति को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। सदन की कार्यवाही सुबह 11:00 बजे फिर शुरू हुई, जिससे बजट सत्र बिना किसी देरी के जारी रहा। महाराष्ट्र के गृह मंत्री पंकज भोइर ने खुलासा किया कि गुरुवार सुबह 6:27 बजे विधान भवन, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और हाईकोर्ट को निशाना बनाते हुए बम विस्फोट की चेतावनी वाला एक धमकी भरा ईमेल मिला था। जांच से पता चलता है कि ईमेल फर्जी था।

आंध्र प्रदेश के घरों में खौल रही सफेद मौत, मिलावटी दूध से अब तक 12 की गई जान

–इस घटना ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया, दूध विक्रेता हिरासत में जांच शुरु

गोदावरी (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के अस्पताल के वार्डों में तड़पते बुजुर्ग, पेशाब रुकने से फूलते शरीर और उल्टियों के बीच अपनी आखिरी सांसें गिनते मासूमों ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया है। यह सब बुरे सपने से कम नहीं है। जहां सुबह की चाय और बच्चों का दूध धीमा जहर बनकर घरों में दाखिल हुआ। वरलक्ष्मी मिल्क डेरी से निकले उस मिलावटी दूध ने देखते ही देखते 12 घरों के चिराग बुझा दिए। यह महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि नृशंस सामूहिक हत्या जैसा है, जहां मुनाफे के लालच में दूध में घातक रसायन मिलाया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस खौफनाक कांड ने साबित कर दिया है कि हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आज 12 मौतें हुई हैं, लेकिन सवाल यह है कि इस वक्त कितने और घरों में यह सफेद मौत घूम रही है? पूरा इलाका श्मशान जैसी शांति और गहरे तनाव की चपेट में है, जहां हर दरवाजा खटखटाने वाला दूधवाला अब एक कातिल नजर आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक इस समूह की पहचान सबसे पहले 22 फरवरी को हुई थी, जब कई बुजुर्ग व्यक्तियों को पेशाब न आना, उल्टी, पेट दर्द और अन्य दिक्कतों के चलते अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कई विभागों में कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नैदानिक ??जांच में रक्त में यूरिया और सीरम क्रिएटिनिन का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया, जो विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने का संकेत देता है। शुरूआती जांच से पता चला है कि कोरुकोंडा मंडल के नरसपुरम गांव में स्थित वरलक्ष्मी मिल्क डेरी से 106 परिवारों को आपूर्ति किया जाने वाला दूध इसका स्रोत हो सकता है। आपूर्ति तुरंत रोक दी गई है। इलाके में आपातकालीन चिकित्सा शिविर स्थापित किये गए हैं और चिकित्सकों और विशेषज्ञों का एक दल तैनात किया गया है। डेरी से आवश्यक नमूने लिए गए हैं और संदिग्ध दूध विक्रेता अड्डाला गणेश्वरराव (33) को हिरासत में लिया है। डेरी को सील कर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जनसंख्या दर में भारी गिरावट के कारण जापान से भी ज्यादा बुरे हालात में सिक्किम

भारत की जनसंख्या 2050 तक तेजी से बूढ़ी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश कम फर्टिलिटी दर को लेकर परेशान है। इसका बड़ा कारण है कि भारत की जनसंख्या 2050 तक तेजी से बूढ़ी होगी। तब 60 साल से अधिक उम्र वालों की तादाद कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत होगा है। आजादी के 100वें साल तक देश में बच्चों से ज्यादा बुजुर्ग हो जाएंगे। सबसे बड़ी चुनौती सिक्किम में है। वहां जापान से भी बच्चे कम पैदा हो रहे हैं। सरकार करीब 4 बरस से प्रयास कर रही है, पर हालात नहीं सुधर रहे। देश की कुल जन्म दर (टीएफआर) 2.1 के स्थिर स्तर के मुकाबले 1.9-2.0 के बीच है, जबकि सिक्किम में यह बेहद निचले स्तर 1.1 तक पहुंच गई है। इसका मतलब है कि औसतन हर महिला 1.1 बच्चे को जन्म दे रही है। 2005-06 में यह 2.0 थी, 2015-16 में 1.2 और 2025-26 में 1.1 तक आ गई। इस गिरावट के चलते सिक्किम का हाल जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से भी गंभीर हो गया है। अब सरकार नैशनल रिसर्च इंस्टीट्यूशन के साथ साझेदारी कर यह समझने की कोशिश कर रही है कि फर्टिलिटी क्यों कम हो रही है। सिक्किम जैसी स्थिति दुनिया के कई देशों की है। इसके बाद सिक्किम सरकार ने जन्म दर बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए हैं। 2022 में शुरू की गई वात्सल्य योजना के तहत बांझपन जैसी समस्याओं से जूझ रहे दंपतियों को आईवीएफ जैसे महंगे उपचार के लिए 3 लाख रुपये की मदद दी गई। योजना शुरू होने के बाद 38 महिलाओं ने पंजीकरण कराया, जिससे स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य कारण भी टीआरएफ घटने में योगदान दे रहे हैं।

इतना ही नहीं सिकिम्म सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहन नीति भी लागू की गई। दूसरे बच्चे पर वेतन वृद्धि, तीसरे बच्चे पर अतिरिक्त वेतन, महिला कर्मचारियों के लिए एक साल की मैटरनिटी लीव और पुरुषों को पैटरनिटी लीव दी गई। बच्चों की देखभाल के लिए अटेंडेंट की व्यवस्था की गई। निजी क्षेत्र में भी महिलाओं को दूसरे बच्चे पर 5,000 रुपये और तीसरे बच्चे पर 10,000 रुपये मासिक वित्तीय सहायता का प्रावधान है।

विश्व स्तर पर भी जन्म दर बढ़ाने की चुनौतियां आम हैं। सिंगापुर में टीआरएफ 1.0 के आसपास है, जबकि दक्षिण कोरिया में यह 0.7 तक गिर गई। इन देशों में लंबे समय से बेबी बोनस, टैक्स रिबेट, सस्ती चाइल्ड केयर और हाउसिंग इंसेंटिव जैसी नीतियां लागू हैं, लेकिन परिणाम सीमित रहे हैं। हंगरी को थोड़ी सफलता मिली है, जहां 2011 में टीआरएफ 1.23 था और सरकार ने हाउसिंग सब्सिडी, कम ब्याज पर कर्ज और चार या अधिक बच्चों वाली महिलाओं के लिए आयकर छूट जैसी नीतियां लागू कीं। 10 साल बाद टीआरएफ 1.5 तक बढ़ा, लेकिन यह भी रिप्लेसमेंट लेवल से कम है। जनसंख्या संतुलन बनाए रखने और बूढ़ी आबादी के बढ़ते बोझ को संभालने के लिए जन्मदर बढ़ाने के प्रयासों को और प्रभावी, समग्र और दीर्घकालिक रणनीतियों के साथ लागू करना होगा। इसके लिए स्वास्थ्य, वित्तीय प्रोत्साहन और सामाजिक समर्थन सभी आवश्यक हैं।

फारूक अब्दुल्ला पर हमला: सुरक्षा घेरा तोड़कर पहुंचा था हमलावर, 20 साल से बना रहा था योजना

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला बुधवार को एक भीषण हमले में बाल-बाल बच गए। जम्मू के बाहरी इलाके ग्रेटर कैलाश स्थित होटल रॉयल पार्क में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान एक सशस्त्र हमलावर ने उन पर बेहद करीब से निशाना साधने की कोशिश की। हालांकि, मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई और मुस्तैदी के कारण एक बड़ी अनहोनी टल गई, लेकिन इस दौरान हमलावर की बंदूक से एक राउंड फायरिंग भी हुई जिससे समारोह में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने हमलावर की पहचान 63 वर्षीय कमल सिंह जमवाल के रूप में की है, जो जम्मू के पुरानी मंडी इलाके का निवासी है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने जो खुलासे किए, वे चौंकाने वाले हैं। जमवाल ने दावा किया कि वह पिछले दो दशकों से फारूक अब्दुल्ला की हत्या की योजना बना रहा था और इसे अपना व्यक्तिगत एजेंडा बताया। आरोपी के पास से एक लोडेड पिस्तौल बरामद हुई है, जिसे उसने अपनी लाइसेंसी बंदूक बताया है। अधिकारियों के अनुसार, घटना के समय आरोपी नशे में धुत था और उसने खुद को एक अज्ञात जागरण मंच का अध्यक्ष भी बताया है। यह सनसनीखेज घटना उस समय हुई जब फारूक अब्दुल्ला और केंद्र शासित प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी एक पार्टी नेता के बेटे के विवाह समारोह से वापस लौट रहे थे। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि हमलावर पीछे से डॉ. अब्दुल्ला के बिल्कुल करीब पहुंच गया और उन पर बंदूक तान दी। इससे पहले कि वह घातक वार कर पाता, अब्दुल्ला की जेड प्लस सुरक्षा में तैनात क्लोज प्रोटेक्शन टीम ने फुर्ती दिखाते हुए उसे दबोच लिया। इस दौरान वहां मौजूद कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों ने आरोपी की जमकर धुनाई भी की। इस घटना ने जम्मू-कश्मीर में वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस चूक पर गहरा दुख और आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर एक व्यक्ति जेड प्लस सुरक्षा वाले पूर्व मुख्यमंत्री के इतने करीब लोडेड पिस्तौल के साथ कैसे पहुंच गया? वहीं, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भी इसे सुरक्षा में भारी लापरवाही करार देते हुए कहा कि जब पूर्व सीएम, डिप्टी सीएम और सलाहकार एक ही स्थान पर मौजूद हों, तो ऐसी घटना सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है। फिलहाल जम्मू पुलिस ने मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी आतंकी संलिप्तता से इनकार किया है, लेकिन इस बात की गहराई से तफ्तीश की जा रही है कि आरोपी हथियार के साथ सुरक्षा घेरे को भेदकर अंदर दाखिल होने में कैसे कामयाब रहा।

मोनालिसा और फरमान खान की शादी पर विवाद शुरु, पति ने हर एक सवाल का दिया जवाब

मुंबई (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान रुद्राक्ष की माला बेचते हुए अपनी सादगी और खूबसूरती से रातों-रात इंटरनेट सनसनी बनीं मोनालिसा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपनी कजरारी आंखों और मुस्कान से लाखों प्रशंसकों का दिल जीतने वाली मोनालिसा ने अपने करियर की औपचारिक शुरुआत से पहले ही वैवाहिक जीवन में कदम रख दिया है। बुधवार को उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड और सह-अभिनेता फरमान खान के साथ शादी रचाई।

अपनी प्रेम कहानी का खुलासा करते हुए फरमान ने बताया कि वे दोनों एक फिल्म में साथ काम कर रहे थे, जहां से उनकी बातचीत शुरू हुई। फरमान के अनुसार, मोनालिसा ने ही उन्हें पहले प्रपोज किया था। उन्होंने कहा, हमारा प्यार महज 6 महीने पुराना है, लेकिन यह जुड़ाव 60 साल के बराबर महसूस होता है, इसलिए हमने साथ रहने का फैसला किया। शादी के बाद मोनालिसा ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें केरल और वहां के लोग बहुत पसंद आए हैं। फरमान ने यह भी संकेत दिया कि यदि मोनालिसा को यहां का वातावरण रास आता है, तो वे केरल में ही बसने पर विचार कर सकते हैं। फिलहाल इस नवविवाहित जोड़े ने केरल के स्थानीय लोगों और पुलिस प्रशासन को उनके कठिन समय में सहयोग करने के लिए शुक्रिया अदा किया है।

चूंकि फरमान मुस्लिम समुदाय से संबंध रखते हैं, इसलिए मोनालिसा के माता-पिता इस अंतरधार्मिक रिश्ते के सख्त खिलाफ थे। हालांकि, अपने प्यार को मुकम्मल करने के लिए मोनालिसा ने परिवार से बगावत का रास्ता चुना और घर छोड़कर शादी करने का फैसला किया। मोनालिसा और फरमान ने कानून का सहारा लेते हुए पहले केरल में सिविल मैरिज की और फिर तिरुवनंतपुरम के प्रसिद्ध अरुमनूर नैनार मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज के साथ विवाह बंधन में बंधे। इस दौरान पुलिस सुरक्षा के बीच फरमान ने मोनालिसा की मांग में सिंदूर भरा। इंटरनेट पर वायरल हो रही तस्वीरों में मोनालिसा लाल साड़ी, गले में वरमाला और मांग में सिंदूर लगाए बेहद खुश नजर आ रही हैं। इस शादी के बाद सोशल मीडिया पर एक विवाद भी खड़ा हो गया, जिसमें दावा किया गया कि मोनालिसा अभी नाबालिग हैं। इन खबरों पर लगाम लगाते हुए उनके पति फरमान खान ने सार्वजनिक रूप से मैरिज सर्टिफिकेट और आधार कार्ड दिखाते हुए स्पष्ट किया कि मोनालिसा 18 वर्ष से अधिक की हैं और पूरी तरह वयस्क हैं। उन्होंने मीडिया से कहा कि गलत खबरें फैलाई जा रही हैं कि वह मैच्योर नहीं हैं, जबकि कानूनी दस्तावेजों में उनकी जन्मतिथि इसका प्रमाण है।

बिहार चुनाव में बीजेपी के बटुए से निकले 146.71 करोड़... जीते सबसे ज्यादा 89 विधायक

–कांग्रेस ने 35.07 करोड़ रुपये खर्च किए, जीते सिर्फ 6 विधायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जीतने के लिए बीजेपी ने सभी पार्टियों से ज्यादा खर्च किया है। बीजेपी ने 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वहीं कांग्रेस ने कुल 35.07 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। बीजेपी ने जमा पूंजी का 2 फीसदी खर्च किया, जबकि कांग्रेस ने अपनी कुल जमा पूंजी का 28 फीसदी पैसा खर्च किया है। बीजेपी ने बीते बिहार विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार ज्यादा पैसा खर्च किया। 2020 में बीजेपी ने करीब 54 करोड़ खर्च किए थे, लेकिन इस बार 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

बिहार में बीजेपी को पैसा खर्च करने का फल भी मिला। राज्य में 89 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस ने बीजेपी की तुलना में भले ही पैसा कम खर्च किया हो, लेकिन अपनी जमा पूंजी का बहुत बड़ा हिस्सा बिहार में खर्च किया।

चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बाद अपने खर्च की हिसाब देती हैं। इसके तहत बिहार चुनाव में खर्च किए पैसे का लेखा-जोखा सियासी दलों ने चुनाव आयोग को दिया हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने बिहार चुनाव खर्च की रिपोर्ट 10 फरवरी को चुनाव आयोग को सौंपी है, जिसमें पार्टी ने बताया है कि उसने 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वहीं, बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कुल 35 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, तब सीपीआई (एम) ने महज 26.75 लाख रुपये खर्च किए हैं। बहुजन समाज पार्टी ने बिहार चुनाव में सिर्फ 9.01 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। आरजेडी और जेडीयू सहित दूसरे दलों के खर्च का लेखा-जोखा अभी चुनाव आयोग को उपलब्ध नहीं कराया हैं।

बीजेपी ने चुनाव प्रचार के विज्ञापन पर खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा गूगल इंडिया लिमिटेड पर किया, जिसे पार्टी ने 14.27 करोड़ रुपये दिए। इसके अलावा बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों पर 29.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसमें पार्टी ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए आर्थिक मदद के तौर पर दिया है। कांग्रेस ने बिहार चुनाव में खर्च किए गए 35 करोड़ रुपये में से 12.83 करोड़ रुपये स्टार कैंपेनर्स की यात्रा पर दिए। इसके अलावा कांग्रेस ने सोशल मीडिया कैंपने के लिए 11.24 करोड़ रुपये खर्च किए। इसके अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बिहार में निकाली गई वोटर अधिकार यात्रा पर भी खर्च किए।

रिपोर्ट से पता चलता है कि बीते साल नवंबर में बिहार चुनाव खत्म होने पर बीजेपी का क्लोजिंग बैलेंस 7,088.58 करोड़ रुपये था। इसके मुताबिक चुनाव से पूर्व बीजेपी के पास 7235.26 करोड़ रुपये था, जिसमें से 146.71 करोड़ खर्च किया। इसके बाद 7,088.58 करोड़ रुपये बचे थे। इस तरह बीजेपी ने अपनी जमापूंजी का करीब 2 फीसदी पैसा ही बिहार चुनाव में खर्च किया है। वहीं, कांग्रेस के पास बिहार चुनाव के बाद कुल 89.13 करोड़ रुपये बचे थे। कांग्रेस ने चुनाव में 35.07 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इस लिहाज से कांग्रेस के चुनाव से पहले 124.2 करोड़ रुपये था, जिसमें से 35.07 करोड़ रुपये खर्च करने का मतलब साफ है कि पार्टी ने अपनी जमापूंजी का 28.23 फीसदी पैसा बिहार चुनाव में खर्च किया।

बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने सबसे ज्यादा 89 विधायक जीतने में सफल रही, जबकि कांग्रेस को महज 6 सीटें मिली हैं। बिहार चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस के द्वारा खर्च किए गए पैसे को विधायकों की संख्या के लिहाज से बीजेपी को एक विधायक 1 करोड़ 64 लाख का पड़ा। वहीं कांग्रेस के सिर्फ 6 विधायक जीते हैं, इसके बाद कांग्रेस को एक विधायक 5 करोड़ 83 लाख का पड़ा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)